বাল্যীকিক্ড

त्याग्व

মহা ছাব্য ৷

ही তিবাস বামালি ভাষায় র চিল।—

न्थम कांछ।

College of Fort Williams 1823

প্রায় দুরে জাপা হইল।



त्रांग्यंव ।

প্রাক্ষণ ক্রায় নমঃ। অথ আগে কাণ্ড মভি লিশাভেশ

গোলোক বৈক্পা পুরী মভাকার পর লক্ষ্যার সহিত তথা আচেন গদাবির। অদুত গাল আলে দেটি ত সুলক याह्य कांडे अहा नांडे नांच कलुउक। नाहि पियां नाहि निर्णि ठम् म्हर्णात प्रकार्भ ভার তলে ভাজে দিবা বিচিত্র জাওয়াস। নেতপাট সি৹হাসন ওপরেতে তুলি বীরাসনে বসিয়াচেন ঠাকুর আছরি। মনে২ পুভুর হইল ওল্লাস अक खा० म ठावि खा० म इहेत नेकाम। প্রায় লক্ষ্য ছৈল ভরত শার্ম अल छा॰ में छात् छ० में हेल तांद्रांघल।

नम्बीयुजि मीउ' (पर्वी विम्या किन व'र्य (म्यानीत ज्ञ दित्यां जि ठेक्त लम्मा जि। হামর চুলায় তারে ভরত শাত্রী যোত্হাতে স্তব করে প্রননন্দন ! नहे ठान रेवक्रिश जाराजन रापारित বৈকুপ তলিয়া থায় নারদ মুনিবর। বীনা ঘরু হাতে করি টুজুর ওল গান ওতারিল গিয়া মুনি পুভুর বিদামান। কণ দেখি বিভোল নারদ মুনিবরে व ऋ जिलिन स्तित नग्रन्त नीरतः। न कने (कन रिवियांक मुंचू नांतांयन न रूपा रहित शिया घया नक्तन । ছত ভৰিষ্যত বত্মান শিব ভাল জানে এ কথা কছিব গিয়া মহাদেবের ম্বন। এতেক ভাষিয়া ঘান নার্দ মুনিবর **अखित्रल शियां यूनि लिखित शिव्ह ।** কৈলাশ শিশারে আইল নার্দ মহামতি मिल्वरक विमिया नारक विमिल नार्विडी।

लिंव वल्लन नांव्र दुःसा धन पृष्टे जन ৰভূই আনন্দ চিত্ত দেশি ক্লিকারন। বুহ্না বলেন শুন দেব ভোলানাথ शिरलारक (प्राणनाम जान्वर्व उत्रानाथ। अपड (एगि) (क्वल लम्बो नांत्रांघ्न তারি তা০-শ দেখিলাম ক্রিমের কারল। শুনিহা বুজ্জার কথা শিকের হৈল হাস (अर्डे कने प्रहे क्लिल क्रियन मुक्लि। সেই ক্রেপ জাঁতেনে তিনি নৃথিবীভিত্র তন্য নিতে আতে ঘাটি হাজার বৎসর ! র্ধবন রক্ষিদ হবে পৃথিবী ভুবনে ভাছারে বহিতে যে জিন্মবেন তথানে। দশর্থের ঘরে জিনাবেন চারি জন द्रांग लक्षान इहरवन इव् भेज्य । এক তাত শ নার্গ্য় বার তাত শ হৈয়া ভিম নারীর গর্ভে জন্ম শুভক্ষণ পাইয়া। তিন নারীর গার্ভে জন্ম হবে শুভদ্ধনে বাঁপের সভা পালিতে রাম ঘাবেন বনে ৷

भीडां अक्षांतिरवन वृध्य यांतिरय वांतरल নব কুশ নাঘে ছবে সীতার নদনে। গোহত্যা বুক্তাহত্যা ঘত পান করে একবার রামনামে অব পাপে তরে। মহা পাৰি হয়ে ঘদি রামনাম লয় ভবসমূদ্ তার বং সাণাদ হয়। श्रीमार्ग वलन वुक्तां खेन जिल्लां वन नृधिवीट अग्रत नानी जांदह कांन जन। नित वर्तन जांगांत कथांग पुंजीज नग्र मन ग्रारी। नानी जांकरम् अक जन। তারে গিয়া রামনাম দেহ একবার তবেত জানিবে মুক্ত হইবে সংখার ৷ বুক্রা নারদ তারা ভাবে দুই জন পৃথিবীতে এমন পাণী আতে কোন জন 1 ठावन मुनि इ न्ध नाम इज्रांक्त प्रमाव्जि करत (महे वरनत जिउता वुक्ता नात्र (पाँ एक मनामी इहेग्रा র বাকরের কাতে দোঁছে মিলিল আদিয়া।

বিবিভার ঘায়া ছৈন র স্করের ডরে (अहे जिता (अहे नेत्यं रत्हा तांहि ठला। डह र्ष्ट ठियांड ठक्षिरी ठाय वुक्ता नोइ। एत् उत्व (प्रणिकोद्व नोव । তবে মূনি র্জৃকির লুক্টিল বনে मनगमी यादिया वच्च नहेव अस्टल। वुक्तां नांवन (मांट घान स्मारे नार्थ লোছার মুদ্র ডোলে বুক্রারে ববিতে ৷ বুহার মায়াতে তার মুদ্র রয় হাতে योग कविन वुक्ता ना नीदव विशिष्ठ। নাহি নড়ে নাহি পড়ে মুনি ভাবে মনেমন বুহা বলেন হাণু তুমি কোন জন। র ব্রাক্র বলে তুমি না চিন আ্যারে লইব তোমার বন্ধ মারিয়া তোমারে ৷ বুহ্না বলেন আমারে মারি কত পারে বন কছিব ঘতেক পাণ করিয়াল এক।। একশত শতু মারিলে ঘতেক পাপ হয় একে পেন বধিতে ভতেক পাপ ছয়।

अक्लंड हिंगे वरी (घवां जता करि তত পাপ হয় তার মারিলে এক নারী। এক শত স্থাহত্যা করে ঘেই জন তত পাপ ছয় এক মারিলে ব্রাহ্মল। একশত বুক্তাহত্যা থেবা জনে করি তত পাপ হয় এক মারিলে বুহ্রচারী। 'त्रक्ति श्री यादित्न नान इग् त्रानिर अ०-गार्थ नार्ड कड नान गरिहत्ल सन्यामी। (यह नथ फिय़। उर यांनउ मनामि আতে দীঘে চারি কোশ হয় বারানশী ৷ उउ नान कतिएउ गणि (उधात थारक यन कब्र प्राम्बिक नीन कि हिना प्रक्रिश শুনিয়া তাহার কথা রবাকর হাসি ভোমা হেন কত তামি মারিয়াতি সন্যামী। ব্ৰহ্মা বলেন ঘদি না চাড়িবে মোরে ভাল দল করিয়াত ববহ আঘারে ৷ की वेज जोि निनिलिका शिक्त लिंग्डिए भारिए स्ट्रा आहेल आंनरमा ।

মারিবে দণ্ডের বাড়ি পড়িব ছমিতে निनिनिका यहिरवक योगात ठाटाट ! वुक्तां दलन नीन कत् कांत्र नाति তোমার পাপের তরে কেবা আচে ভাগী ৷ य्नि यत्न जांशि घड नए। यांहे रिन মাতা পিতা ভ্রী ঘোর থায় চারি জন। ঘেষা কিজু বেচি কিনি চারি জনে থায় আমার পাপের ভাগী চারি জন হয়। শুনিয়া হাদেন তবে বুহ্মা তপোৱন তোঘার পাপের ভাগী তারা হতে কেনঃ ঘতেক করিল পাপ আপনার কায় অপিনি করিলে পাপ আপনাকে হয়। জিজাদা করিয়ে তুমি আইদগা নিশ্বয় ভোমার প পের ভাগী ভারা ঘদি হয়। তবে আয়ার তরে বব করহ তুমি এই বৃহ্নতলেতে ভাসিয়া থাকি আমি ৷ रित्रम विस्नाप रहेल लोगिल डोविएड বুঝিলাম এই ঘুক্তি কর পলাইতে।

বুহ্লা বলে সভা করি না পলাব আগ্রি
মাতা পিতাকে সুধিইয়া আইসগা তুরি।
কত দুরে ঘার আর ফিরিং চার।
আমারে ভাঁডাইয়ে পাচে সন্যাসী পলায়।
আগা পিতার কাচে করি নিবেদন
আদিকাও গান ক্রিতিরাস বিচহ্নন 1

মনুদ্য মারিহে আমি মত বিন আনি আমার পাপের না কি ভাগী বট ভূমি। কুশিল চাবল মনি পুথ্রের বচনে এমন ক্রথা তোমারে বলিলে কোন জনে। কোন শাস্দ্রে শুনিয়াল কে কহিল ভোমারে দুগ্র করিলে পাপ লাগেত শিতারে অভান লাওয়াল ভোরে কি কহিব কথা কথন পিতা পুগ্র হয় পুগ্র হয় পিতা। মথন লাওয়াল জিলে পিতা জিলাম আমি বৃষ্য লাওয়াল সহল পিতা ছিলে পুয়ি।

प्राम् डार्गित न । जा जिल्ले संदिन कारणा भागा । असंधि नृत्यानि (अंशांद्र) ा का निर्माण सीन ज्योगित साम ा हमियां में विशेष होता तो लाहित हिल्ला कर यक्त निषां इहेतांक न्य रेहतांकि जागि स्मित नेकांत्र कित्रा ने घिए ठांह ज्या। মন্ত্য মারিতে ডোঘা বলে কোন জন खोद्यांत नारनंत डाली हरव रकांन जन। अतिरा वीरनेव वांका (इहे यांजा करत कौषिएउर जिन यांध्यंत जीठदंत र अन् उ कि त्रां (घारत कहने जननी आधात नातित ना कि जाशी वहे ज्ञा। खनित्तं प्रात्यं पृष्टि योजिन अभित मुशिष्ड नाद्य (घवा अक पित्नत वीत । प्रल योम शर्ड देति ले सिलाय (डायांद्र म्य कहित्ल मान ना नारता आयादि ! গুণিয়ে মায়ের বাকা ছেট কৈন মাতা স্থার নিকটে গিয়া কছে স্ব কথা।

भाउ। कतियां जिया (यादि कह यानी जांगांत नित्नंत नो कि डांगी रहे एगि। छनियां स्वीयिष ते का कहिएल मास्ति।उ निर्वतन कृति नेज जेन ने अनेरा १ विदेखि कितिल साम्ब कर्वादिय जाति अवशिष्ड नाति । य नाति अवशिष्ठ पाति । घथन सहित्त्, त्याव नां लिश्हल अवरकान करि होता इक्ल निर्मात कांत्र घड नान नृजा होता त्रांत्र (यांत्र (नांधनारप्तं डारा नां नांदरा डांगरत । মন্দ্য মারিতে তোমা কোন তান বলে क्षित नेकार्व जुधि ने चिटि ठोर (यादि ! श्रीत्रा डागीय कथी व्याक्त उरव ক্রেনে তরিব আমি এ পাপ সাগরে। कोतिएड लाशिन खेलि युनिव डांब्यी জ্বিন পাপেতে ঘোর কি হইবে গাঙি। োহার মুদ্র মুনি মাতায় মারিয়া निज् चाराउ म्नि जाराउन रेह्म १

उरिग्रां म्नित् नूथा डारिन जतुरत मिडे यहांजन पपि क्षे करत (यादि । বুক্সা নার্দ ঘথা আচেন বদিয়া পড়িন বুক্রার পায় দণ্ডরত হৈয়া। একেং জিজাসিনু সভাকার তরে আমার পাপের ভাগী নাহিক সংসারে। আপনি ক্পা করিয়া জান দিলা তুমি এ দৰ পাপে না কি মুক্তি পাৰ আমি ৷ वुक्तो वलन खन यूनित क्यारित শুন করিয়া তুমি আইস সরোবরে। আমিয়া দাগাইল সেই সরোকরের পাতে मृतिधान जन जांव जम्म रेह्मा अरज् । अंकतां प्रायं सव सन्मा सक्य आहेल वृक्तांव कारण ना नाहेगा जल। আজিল অগাবি জল এই সংব্ৰাবর আমার দ্ঞিমাত্রে তাল হইল অভার 1

खेनिएं। शंटमन वुक्तां नांत्र उटनारित मूल इरएरक भोनं उद्भारत (कप्रात्न। ক্যেণ্ডলে জিল জল দিলেন মাডায় शह शतु स्ति जारत कहिरारत पांस। तिक दि आंभिया युक्ता कर इ अंत को त এक वर्त स्था पूछि वन व्रास्ति। भारने काक्रिक कि.हा तथा विलिध नांद्र उ कथा जातात न हि वप्रमण्ड हुए। छेनियां दुःस्तित रङ् छय हरेन सरन ইতার মুখে রাঘলায় বেরবে কেম্নে ! यकांत्र कित्रिन जारिन तां कित्रिल (लिंदा তবে বা পাণীর মুখে রামনাঘ আইমে ৷ श्रामा रलन डनेप् कविद्ये (च (फिरि) यन्या यात्रिल वान् कि दलिया डाकि। বুজার কথা শুনিয়া বলে র্লুকেরে মনুদ্য মারিলে আমি মড়া বলি তারে। यज्ञां तय यवा वल कवि अन्यान उथनि (डांशांत मूट्य दित्र दांशनांस १

শুকনা কান্ত দেখিলেন ব্ফের ওপরে

অপুলি বাড়াইয়া বৃজ্জা দেখান তাহারে।

অনেক্ত রেড়াকর করি অনুমান

বলিল অনেক কডে মরা কান্তখান।

মরাং বলিতে আইল রামনাম

মকল পানেতে মান পাইল পরিব্রান।

তুলায় অগ্নিতে যেন ভঙ্গা হইয়া ওতে

এক বার রামনামে পাপ গৌল দুরে।

রামের মহিমা দেখি বৃজ্জার তরাম

আদি কাণ্ড গাইল পণ্ডিত কির্তিবাস।

বুজা বলেন শুন নার্দ তপোরিন
কহিল মিথ্যা নহে শিবের বচন।
রামনাম দিয়া গোল বুজা মুনিবর
মেই নাম তাপে ঘাটি হাতার বংসর।
ঘাটি হাতার বংসর।
ঘাটি হাতার বংসর।
দাটি হাতার বংসর।
দালি হাতার বংসর।
দাটি হাতার বংসর।
দালি হাতার বংসর।
দালি হাতার বংসর পোকে।

या भारता विशेष कि विषय स्थाप क्नां कल्धक इहेन उधित्र अनेता। गारिल मकल यां० म उपियां न थांदक তাহার ভিতর মুনি রামনাম ডাকে। বুহ্বার মহ্ত ঘাটি ছাতার বৎসর খুনবর্র আইল তথা বুক্রা ম্নিবর। মেইথানে আমি বুহ্মা ততুর্দিগো চায় মন্দ্য নাহিক কেবল রামনামম্য ৷ রামনাম শ্রনেন মেই শিন্তির ভিতর তানিলেন ইহার ভিতর আচে মুনিবর ঃ আজা করিল দুক্রা পুরন্দরের তরে আত দিশ কৃষ্টি কর পিতির ওপরে। अ्छिकः। शिलियां जांत शिल्ड अकल क्टिवल (प्राधिल छाम् छांग्रं अनंत् । म् कि कर्रा वुक्ता अहे कविल आहान भारत भारति स्था अविसा पांजान। प्रथव इहेग्रं कहिएए (महे मृति इंधिनांग पियां (यांद्र युक किला कृपि व

वृक्ता वरन नृवर्तनाम जिल त्यांकत আজি হইতে থৃইলাম নাম পৃথিবীভিতর ৷ বালি বৌত হইল বাল্মীক মূনি নাম मांउ कांत्र कत शियां तांत्यत न्तां।। যেই রামনাম হৈতে হইলে পরি<u>ক</u> দেই গুনু রত গিল্প হামের চরিত। যোড়ছাতে বলে মুনি বুহ্মাবিদামান কেঘন হইবে গুনু কেঘন প্রাধা क्यिन किरिडोज्न जोगि नोहि जोति अनियां (य दुक्तां जन्म कित्रं न जानित । मत्यकी वृक्तांत निर्मान जिद्दां उ হইবে কবিভুরাশি তোমার মুখেতে। শোকতানে ভূমি ঘেতা করিবে প্রাল জিনায়াত সেই কর্মা করিবেন রাম। ये विन व्या (त्रीन स्वर्भ ज्वन আদি কাণ্ড গান কীতিবাদ বিচম্চল!

अक पिन चाल्जीकि अद्योवद्वय जीद्य রামনাম জবেন বসিয়া বৃহতলে! কৌখ কৌখা বিসিয়া আচেন বৃহতালে বাবি আজিয়া পক্ষী বিজিলেক নলে 1 বিজিলেক ব্যার পদ্ধী শ্রমারের কালে क्रिष्ठे करिया निष्ठ्यानाहिक्त (क्रांतन । রামনাম বলে মুনি কানে দিল হাত জীব হত্যা কৈল পাপী আমার সাহাত। भूतिरत योगिता नक्की वज्हे क्कमा भानिक तांत्र की जूहे नहिल (कांन रीमां। বিনা তাণরাবে ছি০-সা কর পক্ষিতাতি বুঝিনাম ভোমার নরফে হইবে ড্ডি। এত वलिया यूनि नान फिल उरिक (मह (लारक अक (लाक वांत्रहेल मुख्य) भारक इहेरड (नांक रेहन अनेप्रित यानियार वलिया उद्यंव रेहल नाग्र। ठाति ठवन उपक्ष निर्मानि (लाला नार्ड जानिन लिथिल यून ना नादः वृक्षिणः।

ভর্দ্বাজ মুনির কাজে দিল দরশন रउक लिंघा विमिय़ जीत्वन पूरे जन। वृद्धी निर्धिष्य जिल निर्वापत उदव ওপদেশ কহিয়া আইন বালনী কির তরে । (पागारित वालारेकि ग्रांति डांविरक्त विमागा मिरेशास्त नांत्र म्नि अखतिन शिया १ नांत्रात (प्रशियां य्ति डिठिन मपुर्य দত্তবত করি দিল বিদাতে আদনে। দেই লোক দিব যানি নার বতরে নারদ করিয়া তথা ব্কাইল তাছারে: <u>नेह (क्रोक जत्म कत त्राम्यल नृत्राल</u> ওপদেশ কছি আমি কর অববান। স্তা্রণ-শে রাজা হবে দশর্থ নাত্র রাবল বিহিতে জন্মিবেন ভগাবান। র্থান লক্ষল ইইবেন ভরত শাত্র্ তিন নারীর পার্ত্তে জিনাবেন চারি জন। मीज (पवी जनारवन जनरकत् घरत रिन्क डाशिए विडा कि दिवन डाइरिंदा।

श्राप्त्रं कडा पीलिए त्रांय पार्वत वत अरिहा परिवन वार्याव जानकी लम्मल । मीउ। इतियां लाख लक्षांत तांवन अनुश्रीत दांनरत त्रांग कत्रितन मिलन। বালিকে মারিয়া ভাবে দিবে রাজাভার म्योत कविया मित्य मीजीव अखाद । দ্বশ মূত বিশ হাত মারিয়া রাবল चारपादिशिय वांचार इहरवन (एव नांद्रांयल १ অগস্তা কছিবেন রাবনের দিগবিতায় भनत् नि मीउरिक विज्ञत्व यहरेगग्। পশু মাদ গরু দীতা পাঠাবেন বনে লক্ষাণ ঘাবেন রাগিতে তোহার আশ্যে ? কুশ নব নামে ছবে সীতার নদন उर्शिक निर्णा जुञि (वर व्याग्ने। व्राजा कविरवन निर्णं महल् व भव पूर्ण इंजा पिया यारतन म्हर्गत अन्तर जना रेश्ड किंगिय स्ति जोरबंश्न खिन्तावा कित्दन देश पुंज नार्धि।

এত বলি নার্দ মুনি গেল ম্বর্ণবাদা আদি কণ্ড রচিল পণ্ডিত কীর্তির্গম।

म्छि म्जन कत्रिगंदक यूनिवरक লম্মীর জনম করিলেক জনক রাজার ঘরে। স্পাপর ম্থানেতে ছইল ওপাদান कार्पत (वहीं वृदी इहेल वनतान। প্রমূচ নামে হৈল ক্লাছার নন্দ্র ভাছার বেটা সভাবত্ত জানে স্বর্তনা অরণ নামেতে তাহার হইল ফোওর তাছার পুতা হছন শ্বেড নৃশবর। নিমি নামেতে ছৈল ডাছার নন্দন निशिष्ट प्रमण्नी करद घउ (पदरील সভে যেলি ভাছার শরীর্থান মথে खं हार जिन्तान नूध नांग उांत गिरध। যিথিলা বলিয়া মে বসাইল নগর জনক কুশস্তুত হৈন তাছার কোউর!

ফীর্তিরামা পণ্ডিতের ক্রিক্ত বিচয়ত্র চন্দ্রথ-শ রচনা ক্রিল তপোরিন।

जाति मुक्स इडेल नांग्र निहिन्न रुक्त विष् ग्राह्यंत न्य डिन जन। उन मूध रहेल क्ना अक्रांति किनिती विनियं। नाम मवर्षे वर्गानि। জ্রতকার মুনির পুঞা বিনানার্দ জানি जारव विडा पिन मिडे किसिनी डिंगिनी। সভে গতি গায় নার্দ্ বাজায় বেলু ভাছাতে জিনান কেনাগ নাম হইল ভানু। তাহার বিবাহ দিল জামদগ্রা বরে) এক অংশে নারাঘ্র জিন্মন তার ঘরে ৷ বুজ্লার কাচেতে তার পড়িয়াচে বীচ তাহাতে জিনাল পুপা নাম ভার মরিত। शिंदिहरू न्या क्लां ने नाम वेदब स्यां जारां विषिठ स्थमार्व।

आदर्वत (दहे। इहेन धन् नौग रित म्रम्भ जोहं त रवहें। विमिष्ठ म्राप्त । পুলন থেছাল বেটা অভি বলবান उन्त न्य रेहल जीवनामन नाग । जीवनगंग इंडेन तांजा जारवादिएं नगर्त विड! कविएड शिल कमक व्यक्ति चाद्य । क्रक व्राजीव कना। नाम क्रानिवि उर्श विडि रेक्न जीवनार्य नन्यति । विडा कवि था हेगा (शतन न न न ज चाद्र लक्षं पूठां हेया कना। यत्न कार्पत् उद्वा ययन नकरम विजा किना मधुभम ता करत এउ खेन कलक व्रांजा लानिन नव्यदा । তপস্যা করিয়া ঘরে আছিল রাজন বুক্তিন দেখিয়া রাজা করিল প্রায় ৷ क्रिक कर इ जायां इ इक नमन স্থার দহিত ভোমার নাছি দ্রশন। क्यान विलिख हेर्। इंडक नग्रन भीरे एकि कदिल मकल दुरिक्तन।

ঘতা করিল তবে সকল বুক্তিন पूर्य इहेरत जनक ककन पं प्रति । <u> १६ जल व्राजीतक कर्तात उक्त</u> ছইৰে তোমার পুপ্র ডাতি বিলহ্ল। জল নিয়া থাইল রাজা আপনার ঘরে भग्न करिल द्राया भारदेव उनरव । ঘাথন রাত্রি হইল দিটায় পুহর তাল আন বলি রাজা হছল কাত্র য ভৃষণ্য় পীভিত রাজা হইল আকুলে म्०म्यत जल जिल ग्राथ निया होत्ल । मुाउशकारलएउ इडेल म्हार्गात कित्न ভাল আন বুলি তাকে ঘতেক বুঠকা। রাজা বলে গোঁদাণিও করি নিবেদন রাত্রি কালে জল আমি করেছি ভন্তন। न कथा खनियां वरल यूनि यहांयि व्यक्ति काल जन भाष्ट्रेल इरव शर्बवडी। শশুরের শাপ ভার বার্থ নছিল জীবন্যাদ্য মহারাজা গর্বতী হইল।

দেশ মান গার্ব তার হইল মুন্থির পেট চিরিয়া চাওয়াল হইল বাহির। পুনি চাতিল রাজা করিয়া বাগুতা বুজ্রা আদিয়া নাম খুইল মানবাজা। অঘোরীয়া নগরে রাজা হইল মানবাজা এক দীপে কর্তা নহে মন্ত দ্বাপে কর্তা। ক্রীর্ত্তিবাদ পণ্ডিতের ক্রিত্ব মুঠাম আদি কান্ত গাইল মানবাজার ওপাগান।

মানবিতার পুতা হইল নাম মুচকন রল পাইলে তাহার ছদয়ে আনন। তাহার পুতা হইল পৃথু নৃপরকে চয় সাগের হইল রথের চাকার ভবে। তাহার পুতা হইল ইফক নরপতি বিশিষ্টে নার্দে কৈল রথের সার্থি।

অতাবত্ত নামে তার হইল কোওর আর্তাবত নামে পুম বিনিত সংসার। ত্রাহার পুণ্র হটল ভরত বলবান প্রাহা হইতে হইল ভারত প্রাল। হাতর নাঘে ডাছার হইল কোউর भाषा नात्य जांव नूय जात्याविषा नशंव। মাণ্ডার বেটা দেই দত্ত নাম বিরে পুজা লোকের বিচ বহু বলাৎকার করে। সকল প্রা করিল রাজাকে গোহারি ভোমার প্রের তরে ভাড়ি অঘোর্যা नগরী। न कथा खानग्र एरव भाषा वाका দুত্রের বিবাছ রাজা দিল ভতক্র। उत्य एउ न्ट्य त्रांजा नाराहेन वन বলে পুরেশ করে দণ্ড যে রাজন। वनगरिराउ शिय़। एउ न्नेकरद प्रश अत्वा विन वमहिल निर्देश। उहिरिं रेतरम उत्त खेक म्निवर्त निउर पण त्रां पाय पाय पाय पाय

वक दिन खंक शिन जनमा सहिबादि (इन कांटल व्याजां (शल मिड्वांत उद्धा चाबु। शिवां जिला चूब चाहर । जबुरिक रतन (योदि (पर जर्गिनितान । তার্প বলে আগি কৈছি ভোমার গাঁই যাপুর গৈট পড় ভূমি সম্যাজ হও ভাই। বিভা করিবারে ডোঁমার ঘদি থাকে মন বাপুর তাই ভূমি ভবে কর্ছ নিবেদন ! রাজা বলে ও কথায় প্রতিত নছে মন পাতে বিভা করিছ আগো দেছ আলিমন। ध्यस्त क्ला। (विधे ना क्विल विष्ठांत পুদুরাজ্তিত তারে করে বলাওকার 1 পুথম ঘূবক রাজা ঘূরতী দরশন नगांचार उक्रमंड रेशन उउस्ना उनमा रहिंगा म्नि खेक जहिन चर्त পিতা দেটিয়া তথান দিল আমন জলে। দিনান্তরের ভোকে মুনির পোড়ে কলেবরে कनार (फ्रिया) यूनि क्रिनेन छाउदा र

মূলি বলে তন্ত্ৰা কহি যে তব হান সবর্ষ দেখি ভোমার শ্রীরের লহ্ল। नक्षां मृठाहेग्रां कनार कट्ट वाटनंत नाटनं তোমার পুতা দত রাজা কৈল জাতি নাপো। न कथा खनियां क क्षिल यूनिवरत দণ্ডক বলিয়া মুনি ডাকেড সত্তবে। পুতি কান্দে করিয়া দশু আইমে পড়িবারে परि (प्रशिश्य सूनि कहिल जिश्ति। পিত্য়া শুনিহা তোকে করিনু চেতনা डोन वृद्धियां नियां ज्योजि छोन एकत मिलनं!। এয়ত কুণুতা ঘার ব ০ শেতে জনম নিবর্ব০শ ছওক মেই ছাত্র রাজন। কোণ দ্ভিতে তাছিল মুনি মহাধাঘ রাজ্য পুড়িয়া গাণ্ড হৈল ভল্মরাশি अधिविशिष्ट भाष व्यक्ति क्रिन कीरन तिवर्व भा रहेल मार्ग्य उत्रया অঘোর্বাতে হৈল ক্তািক বান্দ্র म्यान क्रिया नात्न नुजारान्।

ग्रांति वरण जने जने जन नक्षं रेहल यिहा इंगि कविया (य जन्य शिंडिंडेन । ব্যান করিয়া আনিল বশিষ্ঠ বাহ্মেল অৰুণ্য ছইবেক ওত্তম নন্দন। (प कांत्न छाड़ी जिल शज्यात (मरे स्टारल एछ कृत्न यलां कर्रात्र। जल्दिक निविद्या (एइ जार्धादीमं नगर्त আঘোর্যাতে রাজা ছৈবে অব্ধার কোউরে। ব্যানেতে জানিল ভবে শুক্ত মহামত্তি उपाधित कार्डे । लाहे इस्त भित्रिधित । ज्युत्रां क्या यां अव्यावित नगर्त ছরিত নাঘে ছইন জানুরি ক্রেডিরে। হর্বে হৈল ভার লাগ্র হরিত म्ति उरित कृतिल मग्री ज्येलिम। দিলে২ বাড়ে ছরিও ল্লবরে जग्र यांदमक यादी। यन दिन यूनिवरत्। अक य भाग रेशन वांजाव (कांडेव यमिहेल निया नि० हो नत्त अनेत ।

ছাইত হলে মাতা করি নিবেদন

অলু কালে বিবিবা ছৈলে কিনের কারণ।
এই কথা শুনিয়া রানী কছিচে নিশ্চয়
ভোমার বাপের মধ্যে ভামার বিভা নাছি হয়।
ভোমার বাপ আমারে করিল বলাৎকার
আমার বাপ ভোমার বাপে করিল মংহার।
কীতিবাস পভিতের কবিত্ব সুঠায়
আদি কাত গাইল দণ্ডক ওপায়ার।

হরিতের বেটা হরিবীত নাম বিরে

হরিবীতা রাজা হৈল অঘোরাা নগরে।

হরিবীতা রাজা করে হরিয়া পরবর্বি

তাহার পুলা হৈল হরিশ্চন্দ বিবিঃ

হরিশ্চন্দ পুলোরে দিয়া সবর্ব দেশা

নাকা গালাতে রাজা করিল পুরেশা।

বাপ অবিদামানে হরিশ্চন্দ রাজা

পুলোর সমান পালে লোক তান পুজা।

মোমদত্ত রাজার কেনাা সধ্যা নাম প্রের प्रांश विजारिकल श्रिकिन्तु न्नेवरत्। বিভা করিয়া রাজা অন্তরে ওল্লাম पूरा रहेन नाग थ्हेल कहिए। मा म्राध राजा करवन इतिकान्य वाजन न्द्रश लिहे प्रश्निह यहन । अक फिन मडा कि दिया विमन मूत्नेडि निश कना। न्डा करव न्थम प्रजी। লাচিতে হোর হাত্র গেল এক বার পথ কনার হইল তাল ভর। তাহা দেখিয়া কোন করিল প্রসংর কোরি করিয়া শান দিল কন্যার তরে। បৌবন অহ&রি তোদের হয়েতে এফ্র । বিশ্বাঘিতের ভলোবনে থাকগা বন্দন। চর্বে বিরিয়া ক্রা ক্রিচে ক্রু কত কালে হবে বল শাপ বিযোচন ? বন্দী হইলে বিশ্বামিত্রের তপোবনে गुक इदेरव इतिकान्य पत्नाता।

নিতা ক্ৰমী আদি পুলু করে আহরন তাল ভাগে ফুল তোলে আপনার মন। তাতি শিঘ্য নিয়া মূনি বনের ভূমবে डान डांसी शोक मर (प्रणिय शिन यता 1 এমন করিয়ে ভাল ভাপে ঘেই জন क्षां नि अहिल लाशिए लड़ां व वसन ! এउ विन भागे जाद्य फिल य्निवर्व म्। उशकात्न जाहिन पृष्ठ जाहरून उरद १ (घर्डे कांत्ल कना। जामि जात ज्व फिल ল্ডার বন্ধন তেমতি হাতেতে লাগিল ! দুঠিঃকালে আছিল মুনি বনের ভুমনে कना (प्राध्य वड़ उप्त रहेन यता। जान जांकिरस फ्न जूनिम कि कार्व মভাকরি বসিয়াচেন ছরিজ্জি রাজন। ম্পায়া কাইতে রাজা করিল পামন ম্গ না পাইয়া রাজা দুঃশিত হইল মন ? মনস্তাপ হটুয়ে রাজা বিদাল ভকতলে হরিশ্চন বলিয়া কন্যা তাকে ওয়মরে।

ক্ষন শুনিয়ে রাজা গোল তপোরনে চোর্বামাত্র মুক্ত হয়ে গেল পঞ্চ জনে। আশ্চর্ম দেখিয়ে হরিশ্বন্ধ রাজন সভা দহিত রাজা করিল গমন। পুতিঃ কালে আইলেন গাধির নন্দ্র কন্যা না দেখিয়ে দুঃগিত হইল মন। আমি যে বান্দিনু চাড়াইল কোন জন ব্রাজ্য নাশ হৈল তার সন্শার জীবন। ব্যান ক্রিয়া জানিল গাসিত নন্দ্ৰ इतिक्टम् जार्षहेर्य पिल कनार्रान १ কোর করিয়া মূলি চলিল সত্র ওতারিল গিয়া মুনি রাজা বর্বির। মূনি দেগিয়া রাজা কৈল অভাথন आहेमर विलिया पिल विमिष्ड आमन 1 मक्त रृष्ट्य (यांत्र मक्त जीवन (यांत चारत आहेला यूनि शीसित नन्मन। স্থলন্ত আণ্ডিনি যেন কুলিত তলিবিন আমি যে হল্যা বান্দিনু চাড়ালে কিকারল।

আঁমার নাম করি কন্যা করিতে কন্দন घिथा। रिलिए नांदी (शिमां निय सरह कि एतंदन। मान नेवा करि शिमां कि जुसिए दुर्भ खान जाप्रांटक अड (जादि (कन कव उपनिदेन। नकशा खनिएए करक् शिविद क्यारिद प्रांत पूजा खत ज्या जहकात पत्रा (क्यत प्रांत क्रिम (यह) (प्रिध (डोव यत আ্যারে কিলু দান দেহত রাজন। द्राजा राल माल शृंहम् माल जीवन যোর দান লবে পুত্ গাধির নন্দন ? ঘাছা চাছ ডাছা দিব লা করিব আন नाना पारतर शीमांभि कविव ममान । মূলি বলে দাল দেছ ছরিফান, রাজন আগে করহ তুমি মত্য নিবর্জান। রাভাগ বলে মাতা মাতা না করিব আন अम्डा लिश्विल ता नाई डश्वात । अखा कविल वाका ना व्याप कन स्ति दिल (एन ना वृक्षियां प्रांनत ।

म्ति यत्न (एएर मक्न (एवर्ग) রাজন করিবেন মোর সভা পালন। म्नि वत्न प्रांत (एर (प केंद्र) ज सद् শ্থিরী রাজন দান দেহত আয়ারে ! मृथिवी एर्न त्रांड्र करत् नित्नाहि হাতে করে আনিল তিন ভোলা মাটি। পৃথিবী দান করিল ছরিশ্চন্দ্র হাজন म्येखि म्येखि विलिय् निल १ वितः तम्ता। मृथिकी प्रांत क्रांजा माहेन् अस्व দানের দক্ষিনা রাজা দেহত ক্রাঞ্চন। রাজা বলে দক্ষিনা দিব লা করিও দ্রা দানের দক্ষিলা দিব সাত কোটি সোনা। श्नि रत्न विनय्य नाहिक नुष्याजन শীদুগতি আনিয়া দেছ সাত কোটি কাঞ্ব। রাজা বলেন ভাগারী বলি ডোর ভরে শুদ্িগতি আনি বন দেহত আমারে ৷ দৃঢ় করি বলে মুনি গাথের কোওর ক্রিদের অধিকার ভোর ভাগারী ওপর।

न्धिती पान ज़िल्ल मक्न आंशिर्त डांडांडी टांड्रंव वेन ज़िरवक उर्गाद्व १ न कथा खिन्यां गांजा जांजा जिलांम जानना जानेनि गुका किशिग अवर्तनांना । प्रांत न्ता कतिम (वधे। यह क्षित अखदत मृथिवी क्रांडिश्रं (वहां पांह जना खरत । পার মির লৈয়া সাধিতে মহামূনি इतिकार्याक (पर निर्धि नक गोनि। न्धारगुरड घड अतं वस्यडी ওছাকে না দেয় বিশ্বামিল মহামতি। পাত্র যিত্র হলে শুন গাধির কোউরে (काथाय विभिध्य इतिकान्य न्निवरता। अं खेनि (क्रांदी कृति प्रांग् स्हांक्षिष দৃথিবী শ্না রাজা আচে বার্ণিশী। मवा। नाही लिल न्य कहिलाम जिन जन थां किएउ ठटल वांवान शिवांमा। মূনি বলে শুন রাজা আমার হচন आयारक पिया पांच मांउ (कांटि कांचेन।

वाजा वल (भिमानिक ना कहिरव म्ला अं उ तिन वह पित मांख (कांसि (अंतर्ग । मांउ दिन नंदय व्रांजा शंह्यां (शंन (इन करिल शिय़। य्वात नेथ जानिल १ আগ্রার কথা ভালত হরিফান্দ্র রাজন অাগে দেহ ভানার নাত কোটি কাখন ৷ স্বাার স্ছিত রাজা ঘুজি করিলা कि पिया यूनिव जोशि किथिन मृशिव। সব্যা হলেন পুভু হলি ভৌষার ভার আ্যাকে বেচ নিয়া এই হাটের ভিভরে ! न्दी लहेगा ठटल दांजा हारहेवं जिउरत দাদী কেন বলি বাজা ডাকে ওয়মবে। এক বৃহ্ণি জিল সাবিবৃত্তি করে अकि हि मिनीत कमा जाकरव जांबारद ! दुश्चित वरनन उपर नुक्र इत्न प्रामीत मुला निरद करिक किथिन।

হাতা বলে নাছি জানি ঘিখা বচন प्रामीत यूना (शिमां भि ठाति (काहि कार्यन। न ख्या छनित्र विन पिव वांका रेवल ठांति (कांडि कांचन पिया पामीरव किनिन । प्रमितियां वृद्धिल यां या यानेनांत वाम यांद्रात कांनज रिति कांद्रम क हिपाम। जक्राल रित्रिया नूया योग राज्या छां इर दलिय़ा विनु (एगाइल वाङ्। अवार् रालन (९१६मर्गिः कति निर्वात হিনি কড়িতে কিনিয়া লছ আমার নক্ন ৷ न रूथा खनिया विनु इहेन वांज्ल (उध्य (में होत उद्य किथा। नोहेव उपन । अवा वत्न (य अन फिर्व अंग्रांत उत्व (मरे जम उक्त कर्रित क्लिंड हा कारी करिया विने वरनन वास्त फिन पुंडि पोरेटर अक (मह उण्ना प्रामी किनि दुश्काल पांप डानिनांद स्रांतन म्यल ल्हेयां शिल् स्निव विष्याति ।

जान (एगिया उटर जानिल उटनिरिन অলু জাল করিন ছরিল্ডিদু রাজন। मांउ रकां हि लहेव घां हि तरह मांउ इंडि नांग् ता हिलिह विश्वित ग्रहांगिड । न कथा खेतिया यहां ने यांप जां विल यांजीय छोज मियां द्रांजा इरिटे ठिलि शिल् । शिक्षांति रेवरम वार्वानगंजिएत । তৃপ বান্দিয়া সাম্রাইল হাটের ভিতরে। नाछत् किनिएव दिन जिरक अष्ठम्बद् क्लांन नारम राजि जिल रीमा जारजारत । দে বলে লৈতবুক্ষা আতেও আয়ারে अक्षि नायत छोटि गुंकत ता गिरादित । न कथां खेनियां वांजा विलिक्त वठन আমি যে কহি তাহা করিবে পালনঃ ক্রালু বলে শুন অছে পুরুষর্তন उपाय म्ला नर्य करउक कांकेन। রাজা বলে নাহি জানি মিথাগ বচন जानेन यूना निव जिन (काहि कथिन।

न कथी खनियां र्वाइ विलास ना रेकल जिन (क्लिंड क्लेक्टन पिय़ी नक्टर किनिन। मांउ (क्लंडि (मांना निय़) पिन युनिवरव रीत नारेगा मृति ठलिल उपारिता निर्देश किंन् वल खन पाइ न्यवत् उत কি নাম তোমার কহ কাহার নক্ন ঃ ক্তহিতে লাগিল রাজা করিয়া পুরস্তা वान यां एवं नाय युड्न इतिकान्त १ হরিশ্চন্দু নাম ভোমার কত বলিব বিরাগ कागन बलिय ছिन्न कागन बनिय इन्।। नष्त नहेग्रे कान् यांग् आनेन यांम इतिकार्क ग्राहोगी रहल इति प्रामा কালু বলে ছরিদান বলি ভোর ভরে न्त्रेक्य धिल व्राणित्व वादानगीजीत्व। श्रिपाम रालत कति निरदप्त সভে না বলিবে মোরে করিতে ভোজন। বারানশীর ওীরে ঘথান মরা দাছ করি यदा नोहिन्दित नेकान काहत कि।

क्या म्निग्रं शेष्ट्रिशन निज घरत ভাক দিয়া আনিল রাতা দকল শুকরে। वलिएउ लाशिल इतिकान्त वारन्त अक क्यों लेक्ड़ अव क्रिय नीनत। एनि नेवा करिन एकिव इस्थान उधारित यन युत्र यू जिव रक्यता। এक मठा ने लिख मकल ने करत लिंदी रिवर्त कि दि रव एए अक (प्रोड़ जा तुर । इतिक्तम् योका पोलिन म्कल लेकदव लिति छविर्व कविव अक (भोड़ छात्रवा ওয় ক্রিয়া চুল রাজা বালে কুটি চলি বারানশার ভারে রাজা করে দৌড়দৌড়ি] রাজচিছ রাজার সকল দুরে গৌন पारितित (रण द्वांडा) उभान रिविल। अवार्ग विक्ति (इरियो द्रेश्चित्त परव ্রক সের তওল দেয় সালা নারীর তরে। তিন পোৱা কহিদান মান তিন বারে अक्ट (नाग्रा भाग मना युर्गाता वादा।

বুক্তিল বলে শ্রন স্ব্যা আ্রার বচন তোমার ভাগ মাইয়া ফেলে ডোয়ার লন্দন। কালি হইতে আমি করিব দেবাম্বন তোমার দুলা পাঠাব প্রার করিতে আছির।। শ্রু আছর্বে তাওক তোমার কোওরে আর কিচু বাড়াইয়া দিবত ভণ্ডলে। अवार्थ वर्षा (य ज्योज्ये कि विरव यागन मिरे जोजा नालित जायांत तन्तन। म्यूवर्ल महिल नहेल म्यूवर्ल जोकिड न्म जुलिए विश्वाधिर नुद उलीवतन निज् তাল ভামে ফুল ভোলে আপনার মনে এক দিন আইন মুনি বনভ্যালে। তাল ভাপা দেখিয়া মূলি কুপিল মনে अयत क्रमां जानि रूत् रहान ज्ता ! ব্যান করি তানিল মুন গারির কেতিরে मधु ज्लिए जाहिम हरिक्टेन्द्र (कांडिर्त । হাক্তানের দরে মাতা হাত্রি দরে বার कालि यमि आहरम जांव वृतक भारव माने।

या विल भीने फिन यन उरनेरिन वर्गान कारल हिर्गा मतारे प्रतारक स्वत्रा ल् 58 कारन रेहन यथन म्हार्या कियल पूष जूल उ यांग् दांजांत तमन। ু মু তুলতে চলে রাতার ক্রেডিরে श्चित करिल स्वार्ग उति विद्नि शिव्रं ठूल । न्यु ज्लिए ना घाडिश म्तित उत्नावतन आरित प्रीटित प्रांत जायांत तकता । कित्राम तत्न याउं (क्यदन गांकित च.त प्र्याभे दुश्चिन जन ता (प्रत्व (जीयांद्व। ভাতন পুণ্র হৈলে করে মা বাপের ভতান (उपितं कन गाहियां यांकित मदर्सल। লাহি রামিল শিশু মাঘের বচন न्यु जलिए पांग् वाजाव नमत। हेर। तनि माधुरित युत्त उत्पंदत नाना जांड वेष (अंदन द्रांडा नम्दन। जां चिष्ठ पूर्वि जुनिल उसिन পারিজাত তুলিয়া তুলিজে পারনা

शंकम नोडपूर (वर्गा जुलिका हिजल (१) निकार (उरिन मकति हेर्न्स् । जारानीय शाक्ता जाकि जिजारिन डोटलटड डाजिल काने जूटकटड शाहिल १ अवर्राक्ष लिखुत (दिज्न विरम्त उर्तन च्याउ निज्न निश्च म्या चारित निश्ना जांदर्य (वना हिल हिली नहत उत् म इंग्डोर चूं ना ना डाहिल बढ़। एट रेवमा कवि द्वाव कहिएल दुर्गालन अस्व ना आहे दाँधन क्रिव प्रवाहित १ अवार्ग वरल (९११ मर्गि कि व निरवएन रिप्रारियं ज्योंनि शियां (स्थितं जारत् नम्नः न्य (एणिएड महा कि विन शेशन ম্নির তপোবনে আসি দিল দ্রশন। उर्भिटरन ठां हिया (व इाय का अयो लिए व বৃদ্ধের ডাড়ে পড়িয়াচের রাজার কুনারে। म्य (प्रिया क्याः मेड्न जाथां स्व चेजिन कलांत शांज डाक्तिन डांग्ल ग्रत्न ।

नूश व्हांतन करत मनां कहिएक कमन (क्यां मिति तीन चे च कि उन मन। (क्रोध) (शंदन अ (इ पुंचू इतिक्रिक्, तिकिन जामियां (एण्ड उपांत यविन नगत। शिया कितिएक पृष्ठा पिल नोर्धावन অভিনতে প্ৰিয়া আজি তাতিৰ জীবল ৷ म्य (कांत्ल कवि मवा कविराज शंग्रन अग्रन त्या नाहि त्य त्या न्दर्वा यहन । न्धा (कोटन कति मवा) कविरेक कम्मन जनारेया (कोन यनि वनिराज युश्काल! मूं शासिक स्वर्ध स्वर्ध क्रिन निश्राम न्य रकांटल कवि शिल युक्तित्व नाम । निरिष्ठ कि दि खेन महल दु जिल आरिन भारत पुरंभ छा एन तस्ता মরা কোলে করি কেন করিচ ফন্সন यित्रल उन्हा जोटि जन्मिटन यवन १ यहां लहेएए यहि तृघि वाहानणीडिए स कांसि हिंडा कि वि जा जिल्ह सिर्दर।

মর্ণ লৈয়া পেল স্ব্যা হারানশভিবির उत्रा लहेग्र (तिन युक्तिन थोरक चरव ! মর্ণ লৈয়া গেল স্ব্যা বারানশবৈদ হাতেতে মুদ্র করি আইদে ছরিদান ৷ হরিদাস বলে আঘি মরা দাহন করি মরাপাত্ দিবে মেবির পঞাশ কাছন কড়ি! इतिएमि वरन उोयोग कि इनोग निक्धि তোমারে মে বলি ঘাটি আন নাছি হয়! जना पांटिट रेन्स (नाज्राह क्यांत বিবীতা করিল মোরে হাড়ির নাতর। क्यों वलत (भैमांभि वलिट उग्र वर्गिन विविश्वां कविल धार्व नुश्चालव प्रामी। अवार्ग वरल यां कां कत चारहत नोहिन চিরিয়া দিব আমি বস্ত্র অর্থানি। এতেক শ্রনিয়া তবে স্বার বচন হাতেতে মুদুর লৈয়া আইদে রাজন ৷ न्य लहेगां मवा। निज् आधां छ दव इति केन्द्र विलिया महारे केरिय धरुम्बद्र ।

কোণাকারে পুতৃ হরিশ্চন্দ্র রাজন আবিষয়া দেশহ ভোমার মরল নক্ন। इतिकान् विलियां मवां कार्य विदायांत তেহালে ও রাজার হৈল তবে জান। হরিল্টন বলিয়া রাগী করিচে কন্দন ভামাকেত বলিলা হরিশ্বেরাজন। मवा वर्ल इति । यह जिल क्षेरिल আয়ার কলে পাটনি পজ্লি ছামতলে। কেথিয়ে অয়েরিগয় চিলাম রাজার রমনী असल निव्हाम करव चारित नारिति। इहिमाम वरल निरम वलि उपांत वोह मकलि नामहिल किज्हे ग्रात नाहे। দোমদত রাজার ক্ল্যা দ্রাগ ভোমার নাম ভোমারে বিভা করিলায় ভাতি অনুপ্র। কহিদান নামে ভোমার হইল ন্দ্র আমার রাজ্য নিল বিশ্বামিত্র ডপৌরিল। न रहिंग खनियां द्रांशी ठाहिए नांशिन क्नोटल निर्णाना जिल उथित जिलिन ।

उथानि चूधा रक्षांल कदि कतिरात कम्पन किंगा अज़ियां शिल वांने कहिउ नमता। रिमा कितिएउ पृष्ठिय फिल नांत्रांग्न অগ্নিতে পৃত্নি অ'জি চাড়িব জীবন। চন্দন কাজেতে তথল স্থানাইয়া চিত্রা यरित्र व्राणिन न्य नंश्ल निज याज। १ ঘেই মাত্রতে অগ্নি দিবেন ডিডাতে (इन क्रांत्न रिमर्शिज रिज़ित्नन हारउ! অগ্রিতে পৃত্য়ি ফেন তাজিবে জীবন আমর্ণ জীয়াইয়া দিব ডোমার কদল ৷ पद्मा इन्ड वृलाइल वाल दक्त शीग् विषय्ताना पहुत्व शिन एक् रहिन ठांव । हिन रहांत्न रहांन् आजिन दल्ल द्रांजांव हांहे उधित् जायात् म्बर्लंड होत् नारे। প্রিকান আফিয়া তথা কলে রাজার মানে अधिरिक जायरिक लोग मृहिल क्षेप्रित ! রাজা বলেন গোঁদানি করি নিরেদন नुक्त्य प्रायन निव कि कार्ना

রানরৈ হাতেতে সোনর কন্ধিন জিল ভাহা দিয়া রাজা ভার দায় দুচাইল। म्नि राल जने उने मकल मार्थ रेहन यिथा त्रंजा कतियां जना शिंडेरेन । ঘেথানে আতেলে হরিফান্ রাজন (अहेगांतन स्ति जोमि प्रिल प्रश्नेत। यात राल खनह इतिकान्य त्राजन আপিনার রাজ্যে তুমি কর্ছ গমন। রাজা বলেন গোঁদাখি করি নিবেদন কেমনে রাজ্য করিলে কছ তপোরিন। স্থা পুথ লইয়া রাজা করিল গমন আপনার রাজাতে আইল রাজন ৷ অঘোর্বাতে রাজা আদি দিল দ্রশান রুগজন্মী ঘড রাজা করিল তথেন। प्टा त्रांजा कित्रिल कि हिरांम नगत রাজমুয়ী ঘক্ত রাজা করিল আর্যুন।

म्बर्हां महिं ठाल रेवक्ले जूवान क्रूव विज्ञान जापि (प किन मजारन। অব্তরে দুঃচ্যিত হৈ ল দেব পদাবিরে डांक्यां जातित्वत तांरू म्निर्द्धः म्बर्ग तह उहार इति व्हिन्दू न्नेयदह न कथा खनिया नांवप ठलिल स्वदर ! यीना याजाड्या पाय नावम उरनारिन व्य लहेत्र स्वर्ग द्रांजा कविटल श्रान। यूनि नुनिर्मा द्रांजा स्तर्ग यांडे टरल म्नि रत्न पांष्ट् द्रांजा (कान नेनाप्तन । ম্বৃদ্ধি রাজাকে তবে কুত্দি পাইল আপনার পুঝা সায কছিতে লাগিন। अष्ठ स्थत्तरङ मिस्यिकि मिसी कांद्र नुरुद्धि लिम् जानील जिन् रुक मारिमारि । আগ্রার রাজ্য নিল বিস্থায়িত্র ডপৌরন আপনা বেতিয়া আতি স্থিলায় কাঞ্চন। नुनारहथा (घडे रान्स रहिंदिक लाजिल किंदिए इय नाशियां निक्न ।

র্থ নামিল রাজার দুঃশ হৈল মন ভাল মন্দ না বলে রাজা হইল মৌন। म्बर्ग थाकिया य कि करत (एवर्गन इड्रिक्टिन्द्र कहेक कि कवित्व उक्तन। বিনাব্যয়েতে শস্য রাগিধের ঘেই জন হরিশ্চন্দের কটকে তাহা করিবে ভদ্ধ। ক্ষেতে হৈতে শদ্য দাৰ আনিয়া ফেলায় इतिक्ट्रियं कहरक (मह नामा गांग । ন্তন বস্থা ক্লিয়া-ঘতন इिंकिटियुत कहेक निरंत (महे वमन ! এই निग्म कित्रिल मकल (एवरीन অর্দ্র পথে রছিল ছরিশ্চন্দ্র রাজন। মুগ নাছ গেল রাজা মত্য না পাইল হরিশ্চন, মহারাজা মধ্য দথে রহিল। ক্রীতিরাম পণ্ডিতের ক্রবিত্ব বিচয়ব হরিশ্চন্দ্র বাজার কথা কিলুকছি বিবর্প ? আদা কাগু গাইল কহিদাস রাজা न्यम्यान नात्न (लाक जन न्जा ह

कि हिए। स्मित् (विधे मिशेत नांग तिर्त अशर द्रांजा इडेल उपपारी निर्देश यन पिया खन महाद्व अनीगानि (य कथा खनित्न इय नाने विस्मिठन । অপ্রাক্ত রাজা রাজ্য করিতে বড় দুগে म्रेरिड ना पिराप (लांक जानेर्धात मुगा। মনের দুঃগেতে সগর করিল গমন অনেক কাল কৈল শিবের আরাবিন। তুম্ভ হইয়া বলেন ভোলা মহেশ্বরে বর মাগিয়া লছ রাজা ঘে সাবি অন্তরে ! मशेत वरल जानेशक यस वज् पृथ्य বর দেছ দেশি আমি অনেক দুণ্মুথ। হাসিয়ে বর দিলেন ভোলা মছেশ্বরে माहि हाजार पूथ हेटव उपितं चरत । বর পাইয়া দরে আইলেন সগর ন্পতি णिटवत वहत पृष्टे नांती है इन शब्विडी। কেশিনী সুমতি ভার দুই স্থার নাম দিনেং পৱ দাব বাতে অনুপ্र।

एल याम गर्ड रेश्न न्मरमयय (किणिती नुमव हिल म्यू उन्हा প্তা দেখিল যেন অভিনবকাম অপ্যান্ত্ৰা বলিয়া তাছার খুইল নাম ঃ স্মতির হয়ে গেল গর্ভিবেদন ठामांत अक लांड चुमार उधना। লাও দেগিয়ে সগর কু শিল অক্তরে डांन्रज् वलिएा शालि प्रिलक लिखिता । কোণে লাও ভাষিয়া করিল খোনং मां हि राजांत नूश रहेल जिन न्यां । अधिशिषि करत प्रति एकिएउ क्नेम ঘাটি হাজার আনে রাজা দুর্থের কলম। प्रके भाडेरउ६ यनुषाकनं वेरव माहि হাজার পুথে সগর হাকারে। मि हि डाडांत प्टा भान पिरलन विघाडे তালু কালে মরিবে ভোরা নছিবি চিরাঘ। দিনেং বাতে সেই সগরন্দন চয় যাদের ভারা ছইল ঘটাল :

ঘ্যান স্থার রাজা ছাতের মারে তুড়ি मारि হাজার কোলে আইমে দিয়ে হামাকুড়ি। ঘ্যান হইল তারা দাদেশ কৎ সর मकल प्राह्म विडा प्रिलन मगर माहि इंजिरियं साहि इंजिर्व वध्यार्रे স্থে বাজা করে রাজা অঘোরার নগরী! (यासनेस याश्वराद्धा समान्यंतिष তাংশ্রমান নামে তার ছইল নন্নে ! ঘাটি হাজার পুতা ওার এক হৈল নাতি দেখিয়ে সগর রাজা পরম-পিরিতি। অশ্যন্ত্রা সদ্ভি ভাবেন মনেমন সৎসার অসার সব সতা নারাঘ্র। অসার সংসারে কেন বদ্ধ হয়ে মরি নিভৃত্তে বিদিয়ে আমি ভজিব শাছরি ৷ ভাবিল সংসারে আমি না থাকিব আর অনুচিত কর্মা সব করে দুবাচার। घटउक क्रां उग्रांतन (गाना (गानांग्र निर्दे श्रंड शलांड वाक्तिय प्रत्न जला

ঘতেক নার্গিন জল ভরিষারে আনি আচাতিয়ে ভামে সব জলের ফল্সি। ভাগ্নি দিয়ে পোড়ায় সব প্তালেধকের ঘর কছিল মকল প্তা রাজার গোচর 1 म्ट्यं ठित्र खिन नोशिन उत्राम অশ্যান্ত্রার তরে হাজা দিল বনবামা বনে গিয়া অশ্যান্ত্রার হরদিত মন ? अ०मारव्य वलान हो लिल नांबाय्न। অপ্যান্ত্রা লাঠাইয়ে বলের ভিতরে ঘাটি হাজার পুতা লৈয়া সুমো রাজা করে। ক্রতিবাদের মুখে তুম্ব সরস্বতী অমৃতসমান কৈল আদি কাণ্ড লুডি৷

এক দিন স্পার ভারিয়ে মন্মেন অশ্বমের করি ঘক্ত অঘোরিট ভ্রন। কত পুথা করিব রাজা স্বর্গের ওপর কত রামির নিয়ে পাতালভিতর।

পৃথিবীর রাজা ঘত আমার নামে কাঁপে ভামার বংশ ঘেদ তিন লোক ব্যাপে ৷ এতেক ভাবিয়ে ঘত কৈল আৰু শ্ৰন (पांड्रा इंगिएड पिल घडिक नम्मन। বাপের আগোডে তারা দাগাইয়া কাই এক ঘোড়ার পাজু ঘান্টি হাড়ার ভাই ৷ পুত্রের বচন শুনি সগর বলে ভায় দ্যোত্রা আনিতে পার ঘানন যজ হবে সায়ে। ইন্দের সহিত আগ্রাহইল বিবাদ अहे घर छर छ विद्वार नुसाम । (चिंज्री व्रांगिरिंड घोग्र मगवनम्न শ্রনিয়া ইন্দের বড় ভয় হৈল মন। हेन्द्र वरलन दुक्ता (कान वृक्ति कित्र বুহ্বা বলেন তুমি ঘোড়া কর চুরি ৷ प्रित पूरे प्रदि रहेल जन्मकात ঘোড়া চুরি করি ইন্দু ঘাঘ পাডালভিতর ক্লিল মূনি তপস্যা করেন যেথানে ঘোড়া লয়ে রাগিল রাজা তার বিদামানে ।

ব্যান করিয়া মূলি ঘোগে বসিয়াতে ঘোড়া বন্ধিয়া ইন্দু গেল তার পাতে অন্তকার বৃষ্টি সব ঘূচিল ঘান ঘোড়া হারাইল বলে সগরনদন। ठाहिए ता नाहेल न्यिवीडिउरव পৃথিবী মূজিয়া তারা চলিল পাতালে। ঘান্তি হাজার ভাই কোনাল হাতে বিরে চারি কোশ একেক কোনাল আতে পরিসরে (कारी कविया (परे विदेव किम्प्रानिव मुस्स अक किरि डिजाय निया क्रम्यं नेरक 1 চারি দণ্ডে কুঁড়িলেক চারি সাগর জাগর কুড়িয়া গেল পাতালভিতর 1 न्वर्य प्रस्तिन पिरा उत्रं यदी। भारत ঘোড়া বারুং দেখিল ক্রিলবিদায়ানে। ভাকাভাকি করিয়া ঘান্টি হাজার ভাই (पांज्य (ठारव्य नर्शालि नाइलाग्य अहे हैं रहे। ম্নির গাঁঘেতে মারে কোদালির পাণি विश्व च अरे व हे ये। य प्रकाशिया

কোবি চক্ষেতে অগ্নি বাছিরায় রাশিং মাটি হাজার পুড়ে হইল ভস্মরাশি। এক কালে ফ্রয় হৈল সগ্রন্দন আদি কাণ্ড গাইল কীতিবাস বিচয়াল।

नक व न्यत इहेल घड डावरणं स धांजा नहेया न्य ना जाहेन पिण। जाश्राकुरंत न्धा नांग जाः स्थान পুত্রের করিতে তত্ব তাছারে পাঠান ৷ বুড় বাপের আজা পাইয়া চড়ি নিজ রথে अरक अरक नृथिवीरंड नांशिन (प्राधिरंड। रा नरथ न्रवन इस प्राप्त भानर (महे नथ पिया उरव नांडान माडान १ जारी (प्राणिल) शिश्र नृत्व मारीत नीन यदन अक इन्ही (एणिए अम्बर्ग मिथिती विविद्यारिक प्रभान अन्त পুর্বাঘ করিয়া তারে বলিতে সম্বর ।

इसी दरल अडे नाथ पांड जा० संग्रांन पांजा (ठांद्रत कांटल इहेउ मावदीन। প্রর হছতে গেল ওতার সাগার श्विउदर्भ अक रुखी (प्रशिक्त थुन्द्र । তার ভাল্ব তাৎশ্রমান লাগিল সুবাতে न निर्ध (प्रशियांक मगर्ने नंश यादि। শুনিমা তাছার কেথা লাগিল কছিতে भिटिरवड (चर्ड) उरव घर्ट अहे भर्य। उथा यपि ना नोहल (पांड्रांद त्रवांन निक्टिय स्रारीद्र शिय्रे पिल प्रवर्गन ! व्रक्तव । वह इन्ही (प्रशिल श्रेन्प्रव पृथियी दित्रिप्रांटि प्रणंत अपेत् । (मर्डे मर इन्डीत लाई खन कर कथा ভূমিক্ল হয় ঘটন তারা নাতে মাথা। প্রব দক্ষিন দিগে তার মব্যাথানে (पांज्यं वांक्यं (प्रणियं किनिन विप्रयांत्त । দত্তবত হৈয়া ভাবে লাগিল সুবাতে न नरथ (प्रियोक्त स्रावन्य गाटन ।

किरिए नोशिन किनिन ग्रशिधि আশার কোপানলে পুড়ে হৈল ভস্মরাশি। শুনিহাত অংশ্বয়ান ঘুত্ৰ স্তবন মেই ২৭ লেভে গোসামি আমার জনমা অশ্যস্থার পুতা আমি দগরের নাতি তোমার মহিমা বলে কাহার শক্তি। छा० सुप्रांत राल मृति स्रेत महोमिड ক্মেনে হইবে মোর বংশের মুক্তি। स्रार्शिकारिक शिक्षां सानिष्ठ नांव वस्यवी তবে দে তোমার বত্শের হইবে মুক্তি। জিভামিতে লাগিলেন সগরের নাতি কেমনে জিনাল গমা কোথা অবিভিতি। (काथा (शत्न नाहर शक्षत्र प्रज्ञान रण्ड (प्राथि खेनि यूनि राक्षांत जनय। গিপার জন্মের ক্রথা করেন পুরুষণা আদি কাল রচিল পণ্ডিত কণ্ডিরাস ৷

এक पित (१) लिंकि विभिग्ने नेत्रंग्ल পশু মুখেতে গান করেন ত্রিলোচন। শিপায় বলে রামাথ তদ্মুরে বলে ছরি नक म्ला नक नाम शान जिन्द्रादि । লফ্মীর সহিত ৰসিজিল মহাশ্য শুনিয়া শিবের গান হৈল দুব্যয় ৷ प्रक्ने जिनिहरेल ठक्नोलि (मरे गमा जनालन नेडिउनेवनी। मिटे जन दुश्सी छात्न क्याउल তুলিয়া রাগিলেন বুক্সা ঘরের ভিতরে ৷ সেই গন্ধা আনিতে ঘদি পার বস্মতী তবে মে ছইবে সাগার্ব শের মুক্তি। ঘাহ্য ত্রাংশ্রমান তোমারে দিনু বর (अंग्रांत व० लं जामित्व शक्षा नृधिवीडिउत् । धांजा रेनग्रा जा०-खेगान जाधारीय नुरवरन मकल कथा कर्ड जामि मगरवंद नारण।

वाज वादेन शिया किनिटल इ म्रांत তার কোপানলে পুড়ে মৈল সবর্ব জনে ৷ শ্রানিয়া স্গার রাজার শোক হইল মানে नूयामारक निवरित करवन कन्मता। घागन जना रहेन विश्व किन प्रभा छिणित कांजियां कि उर्ग मर्जात कांगी। मिं हि होजीत पूट्य भाने पित्नत विघारे ত্রলু কালে মরিল না ছৈল চিরাই। অশুচি হইল ঘড় না হইল সায় क्रियाउ नीर्वन युक्ति डार्वन डनाग्र। মাগে আচেন গমা আইমেন বস্মতী তবে দে হইবে তোমার বংশের মুক্তি। অওশ্রমানে রাজ্য রাজা করি সমর্পর গ্রমারে আনিতে মাজা করেন গায়ন। अक्षा ना नाह्या गर्राद्व वाट्य (नांक যরিল সগর রাজা গেল বৃহ্মলোক। जा० ख्रात वृष्ठा ऋत् ज्यायारी। नशत् দিলাপ নামেতে হইল তাহার কোওর 1

न्धा वांजा पियां (शल शक्षां आंनिवांदव অনাহারে তপদার দেশ হাজার বৎসারে। शक्षा ना नाहेग्रा तिन म्हर्शित अनेत দিলীপ রাত্য করে যেন দের প্রনরে। অপুথক রাজা দৃঃশ পায়েত বিশুর पृष्टे नारी धृहेद्या शिल उपयादियां नशत्। চলিল দিলীপ রাজা গমা অনুসারে কঠোর তপদ্যা করে আতে অনাহারে চ কভু জলাহার করে কভু জীনাহার বুহ্মার দেবা করে দেশ হাজার বৎসর। গন্ধা না পাইয়া রাজার পারীরে বাতে পোক यविल हिलीने वांजा शिल वुक्तालांक। অরাজক হৈল রাজ্য অঘোর্যা নগর স্মর্থেতি চিন্তিত বুহ্না দেব পুরন্ধর। न्दर्व अतिशां कि विष् इरवन मूर्याव रण (क्यात जिन्सियन वर्ण इडेन निवर्वर्णा। अक्ल (एवउ) पूकि डाखन ग्रानर उपधिता भेशिरेग पिल पुंजू जिलाहरत।

मिलीर नेव पूडे खी आंटि निज (परणं मावर्जी महित् थांकि शिलंड किलांगा। বলদ রাগিয়া তারে বলেন ত্রিরারি আমার করে পুথাবতী হবে এক নারী। শুনিয়া তারা দুই নারী শিবের বচন বিবিবা আমরা কেমনে হইবে নন্দন ৷ শিব বলেন ভোমরা দুই জনে করে রভি আমার বরে এক জনার হইবে সন্ততি। ने वत पिया शिलं एव जिन्दाति সুধন করিয়া গেল দ্বিলীপের নারী। দুই জনে আঁতে তারা পর্ম পিরিক্তি কত দিনে এক জন হইল প্রত্যতী। (प्राट्ड जानिन यपि (प्राट्ड अम्बर्ड দেশহে কেলি করিতে একের হইল গর্ভা দেশ মাদ হৈল গার্ল পুদ্র সময় यां प्रानित नेता हिल (एणिए लारां डग्रा) পুথা কোলে করিয়া কানেনে দৃষ্ট জন হেন পুথাবর ফেন দিলে ব্রিলোচন !

অদ্ নাহিক মাত্র মাণ্,দ চলিতে না পারে (प्रिायां शिमार्य लिरिक मकल मण्मार्व। কোলে করি নিল ভাছা চুৰজির ভিতরে (प्टलिकाद्य निया (शल गंत्यूत छोदत । हित क्रांत (प्राधिन विनिध उपनितिन ব্যানেতে জানিল দুর্গ্রের সকল লম্ভন । ग्नि रत्न भूत्य घाउ नित्थ (मायाहिया क्नो (प कि विति कि इ जो जूत (पिया । नैता नरत रमांग्रह्मं (सुह्ह शिल सरक অপ্রক্র মুনি ঘান শুনি হুরিয়ারে। जारि ट्रांडे वाँका मूनि ठलिए ना नीत्र জিওয়াল তেমনি করে পথের ওপরে। এক দ্চিত মুনি তাহার পানে চায় मूनि वल जोगांत्र (प्रणियां जंजिष्यः। जायादा (पणिएए एपि कत अनेश्म আমার বুহ্মশাবে শ্রীর হবে নাশ। ঘদিবা ভোমার শারীর ছয় এমন আমার বরে হও ভুমি মদনমোহন।

অশ্বক মূনি সেই বিষ্ র সমান ঘারে বর শাপ দেন কলু নছে আন ! পর্য শুন্র হছল অপ্রকের বরে ওিটিয়ে দাভাইল সেই রাজার কুমারে। ব্যানেতে জানিল ডাগ্রবক ডপোরন शर्भिक्ष वरहे अहे मिलीनेतन्तन। তাকিয়ে আনিল মুনি দুই নার্রি তরে পুণা পাইয়ে হরসিতে দোঁহে গেল দরে ৷ मक्ल यूनि आमियां जात्त ऋ यिल क्लांन हरिर जना हेर्रि हिथ नाम। ক্ষণ্ডিরাম পণ্ডিতের কবিতা বিচহন আদি কাণ্ড গাইল ভগীর্থের জনম 1

পঁচ বংশারের হৈল হাতে দিল থাতি পত্তি পাঠাইয়ে দিল বশিষ্টের বাড়ি। চাওয়ালে২ দম বাড়িল ঘথান তারজ বলিয়ে গালি দিলত বুক্তান।

মনেতে বাজিল দুঃশ না দিল ওতার মনের দুমোতে আইল আপনার ঘর ৷ কাঁদিতে ১ ভগীর থের গমন गग्न यिष्टित तांजा कितिल गग्न । আঁকাশে হইল বেলা দ্বিতীয় পুহর মাতা বলে পুতা কেন না আইল ঘর ৷ তদ্রুর হারাইয়ে ঘেন ফুকুরে বাঘিনী काँ निर्म ठिलिल घथा रिलिस ग्रामिति। बिलिस बल्त यांडा ना कर कमत द्राधित यिक्तरत मूध मीरव प्रमान। जामिया जनती (फ्राँट पूर्व तिन (क्रांतन বদন মুজিল পুথের নেতের জাঁচলে। विलाउ लाशिल जगीत्रधत जननी কোন দৃঃথে দুঃখী তুমি আমিত না তানি ৷ কারে বাড়াইব কারে করিব কার্মাল विक्ति गुक कि वि पिति थोटक विकिणील। কোন রোগে রোগি তুমি আমিত না জানি अस्टल क्वित एउ अर्ल रेवपा आनि।

छ शोत्थे वरन यां उप कहि विदायांन রোগ দুঃশ নছে আজি পাইনু অপমান। দদ বাজিল মোর বালকের দলে কোর জ বলিহা পালি দিলেন বুক্তিনে কোন ব০ শে তন্ম আমি কাছার নন্দন ইহার কার্ল মোরে কহ বিবর্ণ। न्द्राव पृथ्य इहेटल संद्रा लादी वार्थी न्य माम्यारियां जनती काष्ट्र कथा। अशिद्वत इडेल माहि श्रात जनग क्तिन स्तित भारित है इन उम्मय्य । সংগে আতেন গধা ঘদি আদেন বস্মতী। তবে সে ভোনার বংশের ছইবে মুক্তি। তিন পুক্রম করিল গমার আরাবিন তহু গমা আনিতে নারিল কোন জন। उधात योन विनीन शिन म्हर्शत डनेर्त्र শিবের বরে ভোয়া পুত্রে धরিন ওদরে। ভগে তনা তোমার ভগার্থ নাম मर्वावयान उना उपांत जावादीय विद्वारा श्रीतियां यां प्यंत्र कथां जगीत्थं इाप्स হাসিয়া কহিছেন কথা মায়ের পাশে। আ্যার স্ত্রিক শের কিচুই নাই কৃদ্ধি তালু সেবায় কেবা পায় গন্ধা দেবার সন্ধি। उरव जांगि दीव यपि जगीवय नांग গপ্পা আনিয়া করিব দগর্বৎশের ব্রালং क्रांनिश्मा कहिएल छ शीव्रथं य जननी এক্তনে তপদ্যার বাদুনা ঘাইছ তুমি। ना वृहिन हर्शिव्य जननीव स्वतन यन पिकारिक शिया विनिष्कत स्राता ঘাত্রাকালে করে রাজা মাঘের সমর্প प्रक्रिन (नज् जांत कहिरक मुन्द्रन । মাঘের চরবে আদি করিচে পুনতি পুথমে সেরিতে গেল দেব স্রপতি। অনাহার করিয়া মনু জপে নিরন্তর ইন্দের দেবা করে সাত হাজার বংসর। মন্ত্রে বদ দেবভা রছিতে নারে ঘরে जगीत्राथत उरव हेन्द्र मिरा आहेल बरव 1

কোন বংশে জন্ম ডোমার কাছার জন্ম বর মাগে লছ যে অভীঞ তেমির ছয়। पुनाय कविया हेत्यु वर्निन रठन म्लोक्ट्रिन जन्म ध्ये इ दिलीनेनम्ब। अशिद्रत इहेल माहि अहम् उत्र किनिल म्नित् भारिन हिल डगाम्। म्रा जारक शक्षा यपि प्रश् मूर्वने उ তবে মে আ্যার বংশের হয়েত নিমুতি। ইন্দু বলেন শুন বলি রাজার কুমার তামা হৈতে দর্শন না পারে গমার। शिक्षा जानित्व यपि जायि पिन् वत এক ভাবে ভজ গিয়া দেব মছেশ্বর হ अक्षां जातिए नाथ इहरत नामाए ওহা মুক্ত করিয়া আমি দিক সেই দত্তে। ইন্দের চরতো রাজা করিয়ে পুনতি रैक्लारणं (अविद्ध शिल (एव नेखनेडि। একড়া বুজুরা আরু আকন্দ বিল্পাত डेशांउरे पुष्ठ रन जिप्राणत नाथ ।

কভু জলাহার করে কভু অনাহার এমত তপদ্যা করেন দশ হাজার বংমর। णिव वलन खन वांना राजाव नम्त जनाशदित उनमा। उगि कव किकावन। গিমা আনিবে তুমি আমি দিনু বর এক ভাবে সেব গিয়া দেব গদাবর। शक्षा जानिए निर्ध निर्देश नीमए मिडे क्रांल शेक्षा विविव शिया मुखा। निर्वत वठान भून कित्रिय पुनिष्ठ शिरलिंट्रिक ठलिएय शिल घथी लक्सीनंउ। এक फिन जगीत्य (क्लिडि यनु जल्ने भी धारणात्व उने करत (दोरपूत आंउरने। শীত চারি মাদ্র থাকেন জলের ভিতর प्राठ उने कि बिल ठिल्लिंग विभाग । মন্ত্রের বদা দেবতা রছিতে নারে ঘরে वत पिछ जाहेल मुज् जगीत्राथत उत्त। তোমার তপ্সা দেখিয়ে আমার চমৎকার মাগ ইন্ধ বর দিব রাজার কুমার।

डिशीत्धं वलन चुंड् किति निर्वात अशिद्वत इडेल माहि डाजांत नम्ता क्निलिय मीटनाउ रहेन जम्मग्र পরিজেল পাইলে তারা মুক্তিপদ পায়। खनिरम् इरिमल नुज् प्रिय ठक्रभीनि পির মহিমা কাবু আনি কিবা জানি। **डिशीत्थ यल शिक्षा नाहि पिख जु**गि ভোমার পাদপদ্মেতে পান ত্যাজিব আমি। শুনিয়ে তাহার কথা পুভুর হৈল হাম বুহ্মলোকে তাতে গমা চল তার পাশ। वुक्तलांटक जिल घउ आधाना जल विष्याप्रांट न्ड्रितन मकन। दुक्तांत मपत्न चुजू पिल पत्रणंत अयुष्य अरिएस दुक्तः प्रिल्नन आमन। भागा मिएउ यान वुक्ता मरत नाहे जन विष्यापाएउ नेज् र दिल्ल मकल १ क्यू अल जिल शेक्षां उसन मत्व निष्ड जास्त्रवारस शिरा युक्ता क्या नार ।

मंज् रानन रेवछर मार जारज न्धिरीरज ভারা আফিয়ে মুান করিবে ভোমাতে। रिक्षरतत् नेपरत्नू योगना कत् जागि তাহা দ্রশদেতে পবিত্র হবে তুমি ৷ शिरांटक भाउन वाका कि ज्ञानार्थ আপনার হাতের শার দিল ভগার্থে। আগে ঘাছ তাম শুগ্ল বাজাইয়া घांद्रितन शक्षा (उधांत नेक्कां (शांज्रांद्र्यां। वुक्ता वलन जगीव्य जूमि नूनावान তোঘাহৈতে তিন লোক পাইল পরি ত্রান। আপনার রথ ওারে দিল বৃহন্তা মূলি यहे इत्थ ठिं जारति यां ज्या । র্থে চড়ি জাগে২ শন্ন বাজাইয়া চলিলেন গমা তার পঞ্চাত গোড়াইয়া। म्बर्गियोमी जामि करवं रोक्षाय मुनन ভগীর্থের মাওায় সভে দিন দ্বর্ধা বান ৷ আদি কণ্ড ক্তিবাদ ক্রিল বাগান मार्श इहेल शंक्षांत्र सन्ता किनी नाम।

वुक्तलांक रेटाउ शिक्षा जांत डशीव्य আনিয়া মিলিল গমা সুমেক পাৰ্বত ৷ ৰ ত্ৰিপ সহশু ঘোজন পবৰ্বভের গোড়া ঘাটি সহশু যোজন সুমেকর চূড়া। अहे जां पि कहिलां य में कहिलां य यूल সুয়েক পার্বত ঘেন সূত্রার ফুল। जांत **या**ता जांक अक प्रकिन् शड़ेंद उद्यात शक्षा प्राप्त वर्मा व বার ব শ্বাসাপা সুয়েক প্রতত্তে ঘোতৃহাতে দাড়াইয়া আচে ভগারখে। স্মেকতে হৈল ভোমার অবতার আ্যার না করিলে তুমি বংশের ওদ্ধার ধ গন্ধা বলেন শ্বন বাণু ভগার্থ रकान पिरा यांव आगि नांहि नांहे नथं ह ইন্যের আনিতে পার ঐরাবত হাতি তবেত পৰব্ৰত হৈতে পাই অব্যাহতি চ ঐরাবত প্রতি চিরিয়া দেয় দাঁতে ভবে গিয়া হাছির হই আঘি সেই পথে।

গমাজন দিয়া বুক্রা গুভুষ করে দুজা (उक्तंत्रा शिक्षे नाम निहेल जमुजी। डगीद्राधंद उर्व वरनन ठक्नेनि अहे शक्षा रेलग्रं गांड विज्ञवानी। शिंहजारे वृक्तहजार यहां नीने करत क्णांत्र नंतरनं यपि मव नीतनं उरत्। म्रात्न क्रिक मून्य विलिए तर् मित्र (महे गिप्तां लहेगां त० रणतं अक्षांत कृति। पड़ रालन ग्रांड अन्ना ने उडिनारनी ইহার বত-শের ঘত পুক্ষ ওদ্ধারিতে তুমি। अउ यपि कहिल्लन पुंजू जिनिर्ध नुज्य यहत्न शक्षा नांशिन सामिति। विधिवीए जारह जातक विविधित আমাতে আমিয়া পাৰ করিতে অপ্ল। युक रहेया अंद्रा घांट्य स्तर्शिया আমি মৃক্ত হব পুভুকাহার পরশো।

डारीय थ तलन या राजा ठिक्यां भी পুরেক পুরুকরের ফেবা করিয়াতি ভাগি। প্রপার চর্তে রাজা করিয়া পুরত जांत्रवांत शिन गथा (एव मृत्नि । প্রাম করিয়া বল্পে ঘোড় করি হাত कहिएउ लोशिलित कथा हेत्मूत मास्त्रं । यक्तलिधिक किल अक्षा पिल जानीया পড়িয়া আতেন গমা স্মেক প্রব্তে। নীরাবত পবর্বত চিরিয়া দেয় দাঁতে उरव शक्ता (प्रवी वाष्ट्रित इन (अडे नर्धा । अतिया ठलिल हेन् ठानि नेतावरड आमिया चिलिल (महे म्याय नेवर्राउ। আছক্ষার হৈল এর বিতের শ্রীরে जायांत ममाप निया कर्ड गिरादा। जांगांत मान शक्षां प्रति वरकः अक तां जि ডেবেড প্ৰবৃত হইতে করি অব্যাহতি। ঘ্যান কছিল এরাবত এই কথা यलीम ऋतिल सारा (इडे ऋति स्थिते।

ग्राता कथा नाहि वांजांव ठत्क नेत् नानि দেখিয়া জিজাদেন তারে গগা ঠাকুরানী। আনিতে নারিলে ইন্দের নীরাবতের তরে (कान पृष्ठराग कांन्स वान् कहड जायादत । डिशीत्थ वलान मां शंका डांशीत्थी ইন্দু আলিয়াচেন এরাবত হাতি। এরাবত ঘেবা কছিলেন আমার তরে পুতা ছইয়া কেমনে কহিব মায়েরে। গমা বলেন আমি তার বুঝিনাম অথ রাজভোগ মার্য্য শর্রি আতে বলবত। আড়াই চেও পানির ভেজ সহিতে ঘদি পারে বল তারে সভি রাভি রব তার ঘরে। এই रूथा जगीव्य रूष्ट नेवांवरड खानिया शक्षीत कथा ने दांवड यांखा। তারি মান করিয়া প্রত্ত তেরে দাতে চারি বারা ছৈল ১ পা স্মক প্রব্তে। ব্যা ভদ্য গম্প অলক্ষনদা স্থেত চারি বারা পজিলেন প্রতি চারি ভীত।

वम् नाय शक्षा होन न्वर्व मार्शद ভদু নামেতে গমা গেলেন ওত্তরে। (श्रेड) नाय शक्ष (शत्नन निक्ध्य म्बर्शित् मिडिएलन जनकतनमा म्थियी अनरत्। এক চেও মারিলেন ঐরাবতের ডরে বাকে মুগে গেৰ জল হীদাহীদ করে। আর চেও ঘেলে তার বেরায় পরান इन्हों वत्न शक्षां या क्य प्रतिश्वा यां विलियां रखी यहि हैं एउ निल भाड़ আর চেও তুলে খুইল পবর্ত ওপর। पनिष्टित येदारवड परिद्या उद्धाम আদি কাণ্ড রচিল পণ্ডিত কীর্তিবাসা

সুমেক ছইতে গান্ধা লৈয়া ভগারিথে আসিয়া মিলিল গন্ধ কৈলাশ প্রতিথে কৈলাশ ছইতে পড়ে পৃথিকী ওপরে ভাছার ভরে পৃথিকী টল্মল করে।

ह्य रावडी हेएए रिश्ति ठिलिल नाउरल धाउहारउ प्राथिदिय जगीत्य वरन । পাতালেতে হইল তোমার আগ্রেমার আমার কেমতে হৈবে বংশের ওদার । शक्षा वलन वान् खन डशीवरथ পৃথিবী আমার হেগ না পারে সহতে। लित यपि जामिया मत्दन जलदीत তবে পৃথিতীতে পারি করিতে তবতার ৷ शक्षांत ठढ़ रल पुनश कतिएए पुनिष्ठ আর্বার গেল ঘ্যা দেব পশুপতি। এक वर्मात रैकल लिए तत् आंवरिन শিব বলেন আর্বার আইলে কি কার্ন। डिशीत्थ वरल शक्षां फिल जशनारथ न्धिरी शक्षांत्र जांत्र ना नाद्र महित्य। ভুমি ঘদি মাওায় আসি বর জলবার শ্থিবীতে হয় তবে গমির অবতার। গৌরবিসহিত তবে নাতে ত্রিলোঁচন তে'মা হৈতে পাব আজি গমাদরশন।

মশ্বক পাতিলেন হর কৈলাপের তরে आतम राती गरी पेड़िन मंडुनिरर । শিবের মাতার জটা বড় ভয়ন্ধর জটার ভিতরে গমা বেড়ান বার বংমার ঃ ভগার্থ বলেন মা ভোমার অবতার আ্যার কেয়তে হবে বংশের ওদার । गिन्ना वरन्त वान् खन जगीत्य জটা হৈতে বারি হইতে নাছি পাই পথা ৷ (अनिनिध दलिए छोटकन (पांड्रांट विशंत जभ इहेल ठारहन विश्वनार्थ। जिंदे। ठिविरम् इतं फिल्लिस शिक्षांद्व (महिभारन जीर्य (य इहेल इतिहारत । হরিদারে ঘেবা নর মান দান ফরে তাহার প্রোর সিমা বুহুরা বলিতে নারে। अक दीवा (शन भित्र मोडानिडिउरव (डिशिवडी वरल नाम इहेन पीडांटल। हरीवय यांन उथा रिशी (एवीव आर्डा आमियां मिलिल शक्षां जिरदलीत आदी।

शक्षां प्रमुनां आंत्र महम्बजीत भाति जिन विश्वि वर्षन नाम जिट्नी। यांत्व न्यांत्र (घवां नव मान करत् मकन नात्ने मुक (म थात्क महीं ने द्वा। जारता यांच नशीव य नहीं वानाइंग्रं বারানশীতে গম। ওতারল আমিয়া। यन पियां खेन वांत्रान्योत अनाभान वांत्रानमी जीय हिल पहित्य कांद्र ना এক কালে কাটেন হর বাহ্মতের মাতা শিবের বুক্তভাগ ডাছার শুন কথা। वुक्तरेरडा ठां निल्लक ग्रहारएरवत कांटल ज्यूकान्य कांत्यन (पर्वी नांवर्डी कांत्य। (सनवां काहित्न इव बुध्यत्ने यांजा বুজ্রবে হৈল তার পঞ্চ অবন্ধ। खितिए। (भो होत कथा ग्रहारम्य इध्म निधिवीरङ (तीन शक्तां जांत नांने तांरणं। वृष्ठ ठानियां उत्य शीही ने इत शिक्षां जीदब्र एं जामि प्राथाहेन रव।

क्णांरण जामियां इद किल नद्रणत বুক্তহত্যা পাপে ছর ছৈল বিয়োচন। णिव वरनन (प्राधित्न भिड़ी शक्षीत निर्मा পক্ষ কোশ ঘৃতি হর দেন গভিরেমা। সেই পঞ্চ কোশ ত্থি নাম বারানশী ভাহাতে ছাড়িলে তনু শিবপুরে বনি । नक वांजि शक्षा उथा कविद्या विश्वास डिशीव्राथंव जारक शिक्षां कि विल ने प्रांत । व्यारश यांग हशीरत भूध धायाह्या ত ভুম্নির ভাতে গমা মিলিল তাসিয়া। গাতের পাতায় লতায় তহুমূনির ঘর গমা শোতে ভেমে দায় দেশিতে স্কর ठक्ष्यानित्न यूनि डांशिन (रीय़ांन भिष्म कतिया स्व जन करत पति। क्उ पूर शिया जशीत्थ छित्या छोय किर्या शिन शता (प्रति एकिएड नां नीय १ जाठिम्रिए गर्भा (प्रवी तिल्ल (क्लान जतन पिएए यूनि वहेउल वारिमार (विग्रांन।

ভার তরে ভাগিরথ লাগিল সুবীতে
আচন্দিতে গমা থোর কেবা নিল পথে।
মুনি বলেন রাজা শুল ভাগিরথ
গমার আনিতে ভোমার নাছি জিল পথ।
আমার ঘা ভাগে গমা কেমন মহুক্
বুক্রার নিকট গিয়া কছ ভাগিরথ।
আন গিয়া বুক্রা আমার কি করিতে পারে
গগুল করিয়া গমা রাগিয়াজি ওদরে।
মুনির বচন শুন্যা লাগিন তরান
ভাগি কাণ্ড রচিন পণ্ডিত ক্রিতিবাদ।

ঘোত্হাতে ভগীর্থ করেন স্তবন
ভুমি বুহ্মা তৃমি বিষ্ণু তুমি ত্রিলোচন।
ভোমার মহিমা ওন জালে কোন জন
মনুষ্য শরীরে ডোমার কি জানি স্তবন।
সগরের হইল ঘাটি হাজার তন্য
কিশিলের শাঁণে তারা হৈল সমভ্যয় ।

रिश्मांत अपरवर्ड भिरांत ज्यवजात আ্যার বত-শের ক্ষেমনে হইষে ওদ্ধার ৷ यनित (एर्ड (क्रिने तो थर्रक अउसन ক্শা ছইল বলেন ওারে তহু তপৌরন। মুথো হৈতে বাছির যদি করি গমার জল अहिन विलिया उट्ट म् चिट मकल। দক্ষিল জানু চিরিলেন মুনি মেইজলে জানু দিয়া গমা বাছির ছৈন সেইহানে। वाति रेडल १सा (पवी जङ्ब अपरव जाङ्बी विलियां नाम इहेल म० मार्त । लानिष्ध राज्य या एवंडेगारन खनि সেইমানে হৈয়া ঘান ওতার বাহিনী। কণ্ডির নামেতে মুনি চিলে এক জন তার সমান পাপী নাহি এ তিন ভুবন ? जनग जरिष (म (दण्डा (मर्व) कर्त उनि वमी चउ रेड्यां उनित थांटक घरत । कां के को हिएउ एम शिव्यं किल वन बारिम् वेदियां उद्ग विवित्न जीवनः

घरात्उ जामियां उरिक क्रियां रक्त लहेयां ठलिल जांदर घरमत ह्वन । वाग् महल यां ० म शिलंड शाह्यां রনের মবোতে অদ্ রছিল পড়িয়া। কাকেতে লইয়া ঘায় গমার মবো দিয়া कारकत उरत अहे कारन अकान (प्रणिया। अक्षेत ठलियां योग कांटक (भारोजियां शक्षां व अनेव पिया यांग् ननाहेया । দুই জনে তার্গ তথা পতে জড়াজড়ি-रित्र (घांरिंग्ड ज्यम् शिराजिल नेजि। (यह यांज जिस् रिल शिक्षा नेत्रान ठउई ज इहेग्रा (म पांत्र क्रिक्स । হেন কালেতে বিজ বৈকুপে থাকিয়া कां ज़ियां लहेल घयप्रतर योतियां। कामिएउ२ भव घायत किक्रव জিজাসা করিতে গেল ঘমের গোঁচর ।

विषय क्रांडिन (ग्रांमांनि विषयं नाहि काव আজি বড় ঘ্য রাজ সভে পাইলাম লাজ্য কাণ্ডর নামে পাপী দে ত্রিভূবনে জানে তাহারে বৈকুপে হয়ি লইল কোন ওলে৷ শুনিয়া দুতের কথা ঘম রাজা রোঘে জিজাদা করিতে গেল নারায়নের পাশে। কানিতে লাগিল ঘম বরি পুভূর পায় विषय काञ्नि विषय्यं नाहि प्राय। পাপীর ওপরেতে আঁমার অধিকার আজি কেন পুতু তবে হৈল অবিচার। ক্রাণ্ডর দ্বিজ পাপী হিভুবনে জানে उद्देश रेवक्षि जातिल (कात अती! श्रेतियो परम् तथो तावायन श्रीम म्यिवीरिं शक्षां (शक् आंत् मान किरम । গমার মাহমা কথা কি বলিতে তানি মন দিয়া শুন তবে মহিমা কহি আমি। ঘত দুরেতে ঘাবেক পর্মার বারাস আমার দেহিছি ঘদি ঘাও তার পাশা।

লুড়ে মরে তান্থি লৈয়া চেলে গপাতলে

চততুল হইয়া সে আনিবে ন্দ্রগণিরে
গপাতীরে থাকে গপাতল করে পান
সেই পরীর জান্য ভূমি আমার ন্দ্রান।
নিষের করহ গিয়া যত দতগানে
আমার দোহাই ঘদি ঘাহ ইহার ফানে।
ভানিয়া পুতুর কথা ঘমের হৈল হান
আদি কাণ্ড রচিন পণ্ডিত ক্যিতিবান হ

কণ্ডেরের তরে পিন্ধা মুক্তপদ দিয়া।
গৌতের নিকটে পিন্ধা মিলিল আদিয়া।
পিন্ধা নামেতে মুনি প্রব্মুথ্যে ঘায়
ভগীর্থ বলিয়ে পিন্ধা লক্ষাৎ গোড়ায়।
ঘোড়হাত করিয়া বলেন ভগীর্থ
দ্বর্বদিগ ঘাইতে আমার নহে দথ।
পান্ধা মুনি লয়ে পেল নাম পান্ধাবতী
ভগীর্থের সংসতে চলিল ভাগীর্থী।

नानवानी फिल यांजा नेजांवजी इ उरव মুক্তিপদ ঘেন না হয় ডোমার জলে ৷ এক বার গেল গমা ভৈর্ব বাছিনী আর্বার ফিরিলেন সাগর নামিনী। অজয় গমার তাল হৈল দরশান পত্নীবুনি বাজান ঘতেক দেবগৰ। भारीयीन पारि (घरा नव मान करव मण् रोजांत व मत् भित्य थात्य म्हर्भित्त शक्षां लहेएए जशिव्ध ठलिल मञ्जू ठरकत निराय जाहिल नाम हैरन्तु गृत । शक्षा जल्ला हेन्द्र कविरलन मुनन इत्मुख्त वनिय् पारित इहेन नाम। इत्मुश्र चारि एका नत् मान करत अकन नारन मुक रूप थारक स्तर्नात्त । তলিলেন গগা মাতা করি বড় সুরা চন্ত্র নিয়েছে গেল নায় মেড্ডলা। যেত্রায় চতিয়ে আইল কন্ধ কান্দ্রাপ ध्यञ्जला बिलाए नाम अह स्मर्काइल १

शक्षा लहेए ए एांन जान निषठ रेह्ए। जां मित्र जिलिल गर्भा डोथं (प निष्यां श अशिवित अंत नवषी स्न अक इर्गाज शक्षा उथा कहिला विश्वाय । त्रथ ठिड् डिशीइथ यांन आधियांन आंत्रिय जिलिन श्री नोग मख्या । मछत्राय डीय जान न्यारशत मयान उथा रेहाउ रांसा कतिल नेग्रांत । जादा गार्घ गरी प्रक्रिन कविग्नं, विहरत्राप्त्व चांर्ड शक्षा उख्रावन शिया। अक्षा बरलन बान् खन हजीव्य কত দুর আতে তোমার দেশের পথ। এক বংসর আমি আসি ডোমার সনে (उांग्रांत्र र०,ण जमा रेहल (कान स्राता डशीव्य वलन या १३ नेए यरन न्वत पक्तिनित्र एरंब यतास्ति। (घष्टिभारित उर्शिल कि निल शक्षश्वित मारवंद मुरम अहे ऋथा खेतियं। जि जांगि।

এই ऋथा। प्राप्त शंकीत उरत विल (महेणारन महणुम्णी हैन म्द्रश्रही। আচিলে স্পার্বণশ ভক্ষরাশি হৈয়া रिरकूर्ण ठलिल मण्ड शिक्षांजल निर्देश । इन्ड ज्लिएम् शक्त जशीवरथरव प्रियान अडे उपयोत वर्ण (एग स्टार्वासम योत । এক জন র ছিল জলের অধিকারী আর মব চতুর্ত গেল মুর্গ প্রী। य०-न मुक्ति इहेल (प्रिष्टिंग ज्योतिरथ গমাতে পুলাম করি লাগিল নাচিতে। পর্মা বলেন দেশে ঘাও রাজার নন্দন সাগারের সঙ্গে আমি করিগে মিলন ! ग्रहारीश रेहल तथ्य माराव्यस्य তাহাতে কতেক দ্বা না হয় কথন। গমানাগরে ঘেষা নর শান করে मक्न नारने मुक भा पांच महर्निद्र । ক্রীতিবান পততের ক্রিত্ব মহত্র शक्ष्य क्यांनि लांक युक्त रेकल वशीत्य ।

গান্ধা মাতা দেবী আইলেন এই ভূবি এ তিন ভ্রনে শুডিকার সুর নর তারিলী সান নিবারিলী কলিয়ণো এমন অরতার।

रिनार वम्म्याजी याहाराज शक्षांत मिलि रिना रिना रिना कलियाश

लेउक धोजत थोरक शक्षे चित्र वर्त मुखा खेन चया ठय॰-कांत्र लोशि।

পদ্মিগান থাকে ঘত তাহা বা কহিব কত করে সদা তুয়া জল পান

দুরে রাজচক্তর যার আচে কোটি হাতি দেহ নহে পদ্ধির সহাব ।

গ্রাণ গরাবশী দারকা মথুরা কাশী গিরিরাজ গুহা যে মন্বার

এ সব ঘতেক তীর্থ সব নারায় । সব তীথে গিমা দেখা সার।

शक्षा जातिरंड शिल माहि इंजांत व भाव पनवर्वात (तीन तांजा अध्याविम नतात । রাজা হৈয়া করেন দুজার পালন भोषाम नांघाउ है न उद्देश नम्ना जाधारीगंट व्यंजा उत्त कविन (मोपान हितावध व्यक्त रेक्न गति विदिव वाम। शक्षाजीरत थाकियां करत शक्षाजन नान शक्षा जानि जगीत्थ उाजिल नेइने । দৌরাদ করিল রাজার শালা তপ্র वाःक्ताबद्ध मिन उद्भाष घड जिल दिन। মন দিয়া শ্বন রাজা সৌরাস্চরিত্র श्रीतल (प नान योग् निही व निविद्य। अक पिन (शंन द्रांजा य्रांयां कदिरअ ম্ন চাছি ছেরে বাজা বনেতে । এक व्राक्तम (महे खी महित रेल्या मोपारमद कार्ज सम उचित्र शिवा । त्रांक्षमकने क्रांक्रियां (म वार्ष्युकने रिद्र पृष्टे जात (कलि कुर्ड नेडाराग्व डीरव ।

हिन काल (मोप्राम (महे वार्युटक (प्रशिश् गृतीरत्त्र क्रांत्न उरित्र योतिन विनित्रा। हिन क्लांक द्रांकिमी द्रांकांत उद्भ वरन विना (पारम न्यांधी याद्य न्तर्राद्य कारन পরিনামে জানিবে হইবে ঘত পাপ মহাপাপ ভুঞ্জিতে হইতে বুক্সশাপ। এতেক বলিয়া রাক্ষসী গেল বন মনের দুঃথে ঘরে রাজা করিল গমন। পাত্র মিত্রের তরে রাজা ফরিল মেলানি বশিশু মুনির তবে ডাক দিয়া আনি। ম্নিরে কহিন রাজা সাব বিবর্ণ এই मोर्न (क्यात इहेव विद्यांठन 1 घर्णत (घ कार्च) उद्देश च्रत्रेश उत्त অপ্যের কৈল হাতা শাভ্রের বিরাদে। घटक नूर्न प्रिल तांजा घटकत प्रक्रिनां विषां कि विद्या चादव शिन मक्य जना। हिन क्लि इंकिमी डांर महनमन আ্যার বাক্য বাথ হবে জানিল কারন।

জাপনার নিজ ক্রপ দুরেতে ত্যাত্যা বশিশু মুনির কণ ছইল ভাবিয়া ৷ भोराम शंजीत कारत पिन एउंगन আমারে করাহ রাজা মাণ্ম ভাজন। রাজা বলে তাশ্যাও্ম করিল আহরল उडे या॰ म भाडेवाद्य डेह्रा शिल यत। नेत मका। कित्या आहम यहायूनि তবেত মাণ্মা রন্ধন করাইব আমিং विलं, स्रेत क्षेत्र का प्रत्र का जिल्ला रृष्ट दुर्क्क निवयं दिविया जामिया। यन्दि। व यां भारतियां कविन वस्त বশিশুতে ভারিল রাজা করিতে ভোজনা यज्ञातनत वाका यनि न हिए ना नात्त (उन यं (शन व्रांजा) व्यत्तव णाला। বিনিলেন মূনি তবে ক্রিডে ভোজন यानुष्यत अ१० म तां क्रमी जिन उउक्ता थाल (कांटल शहरा उनकारी शिन चरव ष्विणिश्यं स्नित क्षित्र वाष्ट्रिन डाह्यद्वा

यन्त्यात यां॰ म पित्रं कत उनेराम वुशक्तताक्षम जूबि इउउ (मोर्पाम। 23 नान फिल एपि रिलिस ग्रामित মুনিকে শাণিতে রাজা হাতে লইল পানি। অকারতে শাপ দিলে আমি নাছি দেঘি এই তলে পোড়াইয়া করিব ভস্মরাশি ৷ ছেন কালে রাদ্রদী রাজার শাপ শুনিয়া मार्त रेहर उर्वाहित रेह्य रिन नेला हेय।। रीतिन कतियां जातिन विणिध उरनिरिन রাক্তমী আমিয়া মাণ স মাগিল ভোজন। य्तिरक लांन पिछ द्रांजा शंख निल नाति निष्यि कर्डन जांद्र प्रयासी शंनी। किरि प्रमुद्धिया द्रांजा डांद्र यत्नर এই जल जांगि शृहेक रहांन स्राता म्बर्श भूडेटन जन (एवं १) ने यात नागिने यविरवक (एलिल नोउंत्ना। निथिवीटि (एलिलि महल नमा योग (महे जल प्टिलिल द्रांजा आंत्रेतांव लीव ।

পুড়িয়ে গৌল রাজার দুয়ানি চরএ কর্তনাদ নাম রাজার হৈল তেকারন। বশিশু বলেন রাজা শাশ দিন্ ভোরে রাক্ষদ হৈয়া থাক গার ব শরে। लाक्षारम रेतनी वांजा यांक्सनावन কত দিনে ছবে মোর শান বিয়েচন ৷ य्नि वल शिशाजन नीर्व प्रवर्गन তবে মে ভোমার শাপ হইবে মেচন। वुक्तविक्रम वांजा हिल शोपितम বাহ্ন পাইয়া রাজা তিরে দেশে । अभितं व प्रातं मूर्व इहेल अधन जिन्दिन आहांत्र ना शिनिन दुर्क्सन। ওত্তরিল গিয়া রাজা প্রাদের তীরে न्यपुक रहेया विज्ञाल वृक्कउरल । সুবীয় অজান রাজা বৃহ্ণ নেহালে अक वुक्तिपंडा आंदल मिरे वृक्त्रजाल ? বুহ্লদৈতা বলে ও ছে তুমি কেন ছেখা আয়ার স্থানে তুমি আইলে আমি ঘাব কোথা।

खनियां उद्यंत कथा (मोपाम द्रांत्म वुक्तरिष्ठा (प्रिय यांग्र थांदेशंव जारम । বুক্লদৈত্য রাহ্মদে বিবাদ দুই জন क्य यांम यल्याम क्रिक्त अयन । দুই জন স্মান ঘুদ্ধে কেছ জিনিতে নারে পিরিতে মৈত্রতা করি বিদিল বৃহতলে। मवर पृथ्य पृष्ट जन करवन मुक्षण विलिक्त लानिन धादि बलन भोपाम । কুহ্মদৈত্য বলে মিডা শুন বিবর্প বর্দত্ত নামে আমি জিলাম বাহ্ম। অনেক কাল বেদ পজিলাম ণ্ডকর ঘরে रउक रत्नन पश्चिम किन् पिय़ी योश (योखि। শ্রনিয়াত ওপহাস করিনু ওকরে धिक वर्त वुक्तिपिंडा रिश्ने थांक शिर्हा अनेत्रा গমার জল ঘাদন পাবে দর্শন ত্যান পাইবে মুক্তি বুক্তি।

भित्राम बलन गिडां डनीग फिल्नन भारत शक्षाजाल व उच्च पृष्टे जान करव । शक्षाम् विद्या जान डार्श्य शिष यांजांग कतिया शिरांजालय कलिय। हिन क्रिल पृष्टे जत्न जांधिनिन ज्राद् अक. विन्तु निश्चल मिर्य्य यो आरित । विलिट (घ लांशिल डांशिव उपनावित्न लिरवत जागुड डांगे मिवड रक्यान। বুঝিনু বুক্তিল তোর বিদ্যার নাছি লেশ अक्षिजलाद नां कि इय़ लिंच जावलाच। তথন তানিল ভাগৰ তপোৱন ग्राम्कम वरहे जशीवरथव नम्मन। কুশার্য় করিয়া গন্ধা দিল তার গায় বুহ্মহত্যা আদি পাপ এতিয়ে পলায়। আজিলেন দৌদাদা বুক্সরাফ্রদা হইয়া रैवक्ष ठलियांताल शक्षाजन नार्या। नहें कार्ल वुक्तरिया करह ए यम्तिरव मुद्दे जत्न युक्त रेह्या शिल तिज घरत।

গাসার মহিমা এই কি বলিতে জানি আদি কাত রতিন ক্তিরিশন মহামুনি।

(मोर्गाम शालन धिर स्टर्भ छ्रत अ्रांम रहेलिन त्रांजा जायादेगे जूवन। म्हांम कवितान वांजा जतक वर्णव विलीनं हरेन द्रांकां कार्यार्थारा नराव । দিলীপের পুপ্র হৈল রঘু নামে রাজা পুত্রের সমান পালে লোক তান পুতা अटकड हिनीनं त्रांजां न्थियो अनरत রুলু নামে দুপ্র আর হৈল তার দরে । প্তের বিক্য দেশি ভাবে মনেমন অশ্বয়ের ঘক্ত আমি করি আরম্ব। (घोड़ व्राणिष्ड प्रिलन व्रम् ए नम्स्त य्निश्ने आति घक रिक्ल आंत्युत्न। (पांड्र) मिया किनीन कहिन डांत हैं। हे घण्ड ने त्रिक राज प्रमान में विष्य ।

সহশু ঘোড়াতে তার টানে র্থামান চোকা রাগিবারে র্ঘু করিল প্রান । डेम्, वलन दुक्तां (कान वृक्ति कित् ध्यारित (अपि ज़िया किलीन निरंत स्वर्गन्ती। এउ पनि हेन्द्र वृक्तांत उदत रानि বুহ্না বলেন তার ঘোড়া কর চুরি । চাওয়াল র্দু ডোমার কি করিতে পারে ठिलिएनन डेन्द्र (पांज्रं ठूबि कविवादित । पिरम पूरे प्रदे रेम् जनाकांत कति (पांड़। लहेए। हेमू (तीन म्हर्भ नृशी। पांजा इति हिंदा फिट्य हिलीननम्त ইন্দু বিলে ঘোড়া যোৱ নিবে কোন জন। नग् व भारत्व निशु मल नाहि न्रव व्य ठालाहेएए फिल हेत्मुव उनरव १ अहमा (पांड्राय वय (जानांव व्यापांन কটাক্রে বেজিল গিয়া ইন্দের পুর্থিখান। डेन्द्र रक्षांथा वनि उन् चन कर्राङ् जाक আজি ইন্ ডোর ডারে পজিল বিপাক।

মার্থ বলিয়া রঘু লাগিল ডাক্তিডে ৰাহির হইল ইন্দু চড়ি নীরাবতে। র্ঘুরে দেগিয়া তবে ইন্দু দেব হানে यविदांव उदव (कन आहेल म्हर्गवादम। মাজি হৈয়া সহিতে চাহ পবর্তের ভার গলায় কলন্দি বান্ধি দরিয়ায় সাঁড়ার । মারের বিরি সহিতে কেবা তবে পারে का अग्रांत स्हिंग अहिम आंग्रांत डलेख र রুঘু বলে ভাগার ভাকে রুল নাছি জিনি ঘার ঘড় বল বুদ্ধি জানিব এক্ষনি। আঘাকে তাওয়াল দেশ আপনা দেশ বীর চাওয়ালের রবে আজি হৈয়া থাক স্রি। তিন বাল মারে রঘু ইন্দু দেবের ব্রেছ এরাবত সহিত ইন্দ চিহের ঘোর পাকে। हेन्द्र तत्न डांन बनि वरद्राम कांउग्रांन বান এতিল ঘেন অগ্নির গুথাল। प्रमं वांन हेन्द्र उधन नृतिल प्रकान प्रण दांदल क्लिसिन इत्नुत प्रण वाल 1

पृष्टे जत्त वां अव्सिं (यापा (यन ने।नि मुडे जरन पुरत करत किंह नाहि जिनि। রুঘু রাজা জানে বাল পাশ্রপতস্ক্রি হাতে গলাতে তথান ইন্দ্রে করে বিদ্রা এরাবত হছতে পজিল ছামিডলে (लिशिव मिकल्ल वांचित व्राथ निया (जोल र (पांजा निया जाहेल वारनेत विपायारन সাত দিন ইন্দু বালা অঘোরী। ভূবনে। अधिक करिया दुख्य घड (प्रवरील जानित ठलिया आहेल जायांचार ज्वन। रक्ता वलन फिलीनं ज्या न्वावान তোমरित वृष्य अहे यज् धनवान। কিবা বর দিব রুঘু রাজার ঘে তরে त्रम्व० न विल घण मू स्टि म० मार् २७ एपि विलिट्निन वृद्धी युनिवय তবে মুক্ত করি দিল দেব পুত্র করে। রুদু বলেন এই ফাডা করে পুরুদরে धित अतांत्धि तां इयं अधारीतां निराद !

द्वार काल के स्थान क

धकरत् प्रक्तिभी पिएउ कतिल जात्त কিবে হা দক্ষিলা দিব আজা কর মোরে ৷ ওক বলে অলু মাণি অলু করি হয়া टोबिद्धि दिए। त (एउ टोफ ट्रांसि (मान) १ ये वाका पणन अक कहिएनन कथा মানে ভাবে এতেক দ্বর্ল পাব কোথা ৷ মভে বলে রুলু রাজা বড় পুঝাবান जात रामि आंगि शियां म्यर्व यांशि पाना সাত দিবসের তরে করিল নিয়য मांउ फिरम रहे जांति फिराउ कांग्रंत ? अंड मिवज किंद्र एक दि निय्य তापिति। निर्देश क्रिम मिल एवं मेन । বুক্তিরে নিষের নাছি রঘুর দ্য়ারে ওতরিল গিঘ়া র ঘুর অন্তঃপুরে। মৃত্তিকার পাত্রে রঘু করে জল পান पिणियां वृश्किति व पूर्ण करतं जन्मान। মৃতিকার পাত্রে করিচে জল পান डांल जत्नत ठानिः यांशिर कांद्रेलाय देन।

(प्रियो र्किन्न)य याय नाज इत्या व्राणिल व्यक्ताल व्य प्रारव्ड (प्रणिया जानिन नागाल द्रांजा व्यक्तालं ठवल যিদ্রার জল দিয়া করাইল ভোজন। कर्न् त उम्मूल फिल यांना ठकतन जिज्येभिएउ लोशित्लन नोएम्यांघरन १ খুক্তল বলেন রাজা ভূমি প্রাবান ভোঁমার তরে মাগিবারে আমিয়াচি দান। ञां दिनाम्मा (मिणिनाम (उपमित् जानेताद्वं तांत् किंदां प्रित्उ जांग्राद्व । দেশি ভোমার দশ্য ভর লাগিল ভামারে এমেজি ভোমার ঠাঞি বন মাগিবারে [द्रांजा वरलन जुधि कड योश विन घांडा यांत उपरा जिय ठांकृत द्वांक्तन। अनिया ताजांत कथा त्रांक्तन वरल मांज् पिया (पयन डांडांय कां उग्रात्न। রাজা বলে ঘেরা মাগ না করিব আন बिन्यो ता पिरु ना नाय जीरान।

श्रीविष् उलिएं। विनं वार्त मिल इंड টোদ্ধ কোটি সোনা মাণ্ডা ভোমার সাহ্রাত। রাজা বলে এক রাতি থাকে মহামনি क्रांनि मुंडांरेड रीत प्रिय लिया घांडे उ ज्या। 13 विल वृश्कित वर्गाणिल निज **म**द्व जानिनि स्रीहिया यूला सांग्री सप्तिरित् । किन क्लिडि मिना विदेश खदा पिछ नार्ड प्रणं छोन्न खांहि कांनि म्यित छोर्गदा इ धिन्द्रांड किविया किहिएत नेजाराज ভৌমার নগরে নাই এক কোটি বন । হেট মাতা করিয়া রাজা হইল নিঃশব্ধ अहे करिल उथां यूनि आहेल नांत्र । नोपा जर्वा दिन इंग्लो विमाउ जोमत यनि वलन (क्त वांजा विवम वहन। র্জা বলে মহাশ্র শ্রন কছি তথা ৰুক্তিন মাগিয়াতে বন আজি পাব কোথা। शिमिए लाशिलिन नांत्र यश्यनि ইছার ওপায় কছি শুনহ আগলি।

रल कोलि कुरगरत कविव महाधन भारत्र उ विभिग्नं भारत घड ठोश रीत। এডেক दलिया (शेल नांत्र उपनेशिन অঘেরিশ নগরে রাজা বাজায় বাজন। আজা করিল রাজা পাত্র যিত্রের ভরে ज्यां मांज क्र यांव कूरत्य (पणिवादि । সাজিল কটক বাজে দুন্দুভি বাজনে रैक्लांटणं दिमियां (हाथां कृत्वत वीता खंता। कुरदरइइ प्र किल अधारित नगरू স্ইাতে লাগিল তারা পাত্র মিত্রের তরে। পাত্র যিত্র বলে কি বেড়াও মুঠাইয়া भ्राप्त निज्न कालि कुरवरत नहेगा। खनिया विशिन पूज ठ लिल ज्यानि 2हे कारल रिक्लारणं शिल नाइप्र यूनि । লার্দ বলে কি কর কুবের নিশ্চিত্ত বদিয়া उद्यात अने द्वा तम् आमित माजिए।। স্বল নাছিক রন্ রাজার ভাগেরে होम (कांडि मिनि! विने गांतीक उदिरिक

अध्यक्त यानि यापि नांत्र यहां प्रति करतत रतन प्रम (ठीम् रक्षि निर्धि जागि जानित क्रिक् रित फिल्निन शिलिया मूउ शिश्र डाञ्चाद्वर फिल (प्टलां हेश्र । পুভাতে ওটিয়া সেই বুক্লিবকুমারে ভাণ্ডার সহিত দোনা দিলায় ভোয়ারে ৷ धाविष् वित्या यनि ज्हेल पूरे कांन ठोन क्लंडि वरे क्लि जिस् नव प्रांत । कोल क्लिडि मिता जाद्र मिल्तन शिल्स পুভুর মাতায় বোঝা দিলেন বান্দিয়া। रिन लिया अक्द कारक प्राथित उधन अव वाल 13 रिन हिन (क्नि जन। लिए। वरन वृज् व्राजा वड़ नेवावान मणं छोम त्कां हि यांद्र मियां छिल मांत। य्ति वल विभि जोगि शहन क्रांनत्त विनवां प्रमागतन विविद्य जीवतन। अहे रिन इंग्रि लिय़¹ हेत्नुव डांडार्व चक्रकाल (पन देन जोनिय़ां (एन धांद्र।

वित लहेए। ठील हेन्द्रिए। याति दुश्चित वरनन उक नीविष्टिलन (यादि ৰুদু ৰাজা সোনা দান দিল যোৱ তবে ৷ कड़ ग्रानित दीन तांशह डांडार त 23 विल विन उथा थूडेल यूनिवरत्। ইন্দু বলেন বাপু সত্য কহ কথা ওক্ত্তি শ্রনি তেনি সোনা পাইলেন কোথা। বুক্তিৰ বলেন সোনা মাণোজিল মোরে রঘুরাজা সোনা দান দিল যোর তরে। व्रायध्य विल हेन्द्र कारल पिल हांड রুঘুনাম না করিছ আমার সাহাত। ক্তু নিদু বাহি ঘাই র্দু রাজার তার ফেতে২ ফিরি নিত্য অঘোর্ব্যা নগরে। অন্যন্তরে নিয়া গোসাঞি রাশ এই বিন বিলের বাদে রঘু মোর বিধিষে জীবন !

বিন লৈয়া বর্দত্ত এল ওকর পালে।
তাপনার বিন দেখি কুবের মনে হামে
গিয়াজিল ঘার বিন আইল তার পালে।
ব্দু রাজার ঘশ বিভ্রবনে ঘোঘে
আদি কাও রচিল পণ্ডিত ক্রিরিবানে।

রুদু রাজ্য করে দেশ হাজার বংসর জজ নামে হইল যে তাহার কোওর। পুথের দেখিল রাজা পুথম ঘৌবন পুথের রাজ্য দিয়া গোল বৈকুপ ভুবন। জজের সমান রাজা নাহিক সংসারে পুথের সমান রাজা পালে পুজার তরে। মাথর রাজার কন্যা ইন্মুমতী নাম পরম সুন্রের সেই ইন্মুর সমান। ইপ্লাবরী হইতে কন্যার গোল মন কহিলেন কন্যা তবে বাপের বিদামান।

অনুদার হইতে আমার আতে মন अखन व्रांज्य जान कविया नियान। घउर घर्षतांज श्यितीर रेतरम মাথরের নিমনুনে সব রাজা আইসে। न्थम धोवन धवा प्रिष्टि म्न्द्र বয়স অবসে ভেঁছ র ছিতে গেল ঘর। অঘোধ্যা ছইতে ছৈল অত্যের সমন मङ्ग्रादी। जज शिय़ां विमल उधन। नेखेत ग्रितार एवन किमल (क्लांतरि विमिल मकल वांजा जाज मस्या कि दि। রুদু রাজার পুঞা অজ দিলীপের নাডি न्थिवी मछत्न यांत् अक पछ कांछि। अरकर कि इंडिए नाम इंडेरव विस्तुत তিন কোটি রাজা আইল মাথরের ঘর। সভা করিয়া বিদল ঘত রাজাগন এह कांत्ल **यां**यत तांजा कदत निरंतपन । এক কন্যা বিভার ঘোণ্য আতে যোর দরে जांकां कर (महे कनां जानि म्यामारत ।

भेद्रिनाध्य प्रम (एन नां कर्त्र क्लैंत जन उरव मध्य जाति कता। रैकल तिरवपत। আমার কন্যা বর্মালা দিবে ঘার তরে তাহারে রাগিয়ো বিদায় করিব সভারে। ভাল্ বলিল মকল রাজাগান বাঁটে ইন্মুয়তী আন করিয়া সাজন ৷ কেশ আঁচড়িয়া ভার বান্দিল কুৱল নানা দুষুর মালা তাতে করে বাল্মল। क्नीत्न जिन्हूत पिल नग्रत क्जुन ठान्द्र अयोन कन करत यान्यन। চিত্র বিচিত্র পরে পায়েতে পাশলি বিধাতা গড়েচে ঘেন ফনকপ্তালি। मयांनर मारीत इन्ड दितिए। মত্ত গাজপতি রামা চলিল সাজিয়া ৷ যেই জন ইন্যতি কৈল নির্ফিল ছুমিতে পড়িয়া ভেঁছ হরিল চেডন। চেত্রন পাইয়া ওঠে তত রাজাগান ध्य अहे खना। नीरत उन्न मार्थकः जीवन।

(क्ट वर्ल कन्गे (यादि कविल निविध्न) কৈছ বলে কন্যার আঘাতে আতে মন। তারে পাত্ করিয়া যে করিল গমন ছিমিতে পড়িয়া তেঁহ ঘুড়িন রোদন। कि (वर्श कू॰ मिउ कने (प्रिशाल आंग्रांदि আমারে এড়িয়া তুই ভাজিবে কোন করে। अटकर (एणिन घटउक व्राजानी অজ রাজার কাতে আদি দিল দরশন। বিদ পাইলে তুম্ভ ঘেন দরিদ্রে মাতি গলে মালা দিয়া বলে তুমি আমার পতি৷ বর্মান্য দিয়া ঘদি ক্রা পেল ঘর लजा भारेगा अपि नलांग मकल। বনেতে আদিয়া সতে হৈয়া এক মতি অতাকে মারিতে সভে করিলেক ঘৃতিঃ अक्ताल महारे थांकि वरन लक्षेर्य অজ মারিয়া ইকুমতী লইব কাড়িয়া। मक्षिश्यां वरन अंतरं तरह स्रात्तर এথা মাথর রাজা করে কন্যা দানে৷

কন্যা দান তার তরে করেন কৌতুকে नाना उड़ रिन फान फिल्नन जोड़रक। जिन पिन किल व्यंजा यांधरव्व चर्व जांत मिन यांन वांजा जायांता तरांद्र ह इन्द्र गडी लिया द्राध रिकल जारताहन দৈন্য সামন্ত লৈয়া রাজার গমন। নিদায় অতেওন রাজা শুইয়াজেন রথো बर्हे स्वांटल क्रिकार्शन जाण्डलिल निर्धाः यांत्र विन त्रांजा जांत्र निन ज्यां मिणियां डेक्या डिंह रेक्न यांजा। कांठा निम्रांट पुंजू हिग्रांव (क्यात নিদুগ ভপ্ন হৈল ইন্দুয়তীর কন্দে। রাজাগন ভাকে ভাতে,ভয় নাছি মন यलीन (एशिल डेन्प्राजीत वपन। অজ ৰলে পিয়া আৰু না কান্দিছ ভূমি डेन्य्य जीत स्था तांजा स्किल जानति। তিন কোটি রাজা আচে র্থ আগেল্যা जायादत काञ्गि नत्व जायाद्व यातिया ।

অজ বলেন শ্রিয়া তুমি বসিয়া হে থাক সকল এক বাবে মারি দেশছ কৌতুক। এक वांन वह यमि विजीय वांन यांति व्रमूव (मिहां डे उत्व वार्थ विन्क विवि। এउ विन केन्क लिया प्राथिति इत्थ অত্য দেশি রাজাগন লাগিল তাকিতে। नानंक (पणि मि॰ रहत ताहिक वसु जान এক্তিয়ে দিলেন অজ গলাবি নামে বাল চ এক বাবে গলাবৰ বাৰাইল তিল কোটি আপনা আননি মরে করে কাটাকাটি। গল্পবর্ত্তালেতে কার নাছিক যে আটা এক বাবে তিন কোটি রাজা গোল কাটা ৷ তিন কোটি রাজা সেই ঘুদেরতে মারিয়া অঘোর্যাতে গেল রাজা ইন্যুয়ণ্ডী লৈয়া। অজ রাজা ইন্মতী পর্ম পিরিতি क्ठ काल रेव ब्रांभी रेश्न शक्विडी। एणे याम शब् हिन नुमवम्यय न्य रहेन (यन ठत्नुत अप्रा।

কলে শ্বনে দেয়ি ঘেন অভিনৱ কাম দশর্থ বলিয়ে তাছার খুইল নাম। দশর্থের কত আমি কব ওলগুমা মার বুল ছইবেন আগনি ভগবান। কীর্তিবাস পণ্ডিভের কবিশ্ব বিচক্ষণ গাইলেন দশর্থের জনমভ্যন।

দশহথের বয়স ঘথান এক বিশ্বর পুলা শোরাইরা দোঁছে ঘরের ভিতর। পুলুবনে ক্রিড়া করেন হাস পরিহাসে নার্দ চলিয়া ঘান ওপর আকাশো। পারিজাত ফালা চিলে নার্দের বীনার্য বার্ডাসে ওড়িয়ে পড়ে ইন্দ্রতীর গার্য ঘেইফার পারিজাত হৈল দর্শন ইন্দ্রনী মুক্ত হয়ে গোল ন্রগা ভুবন। পুলা চাড়ি ইন্দুর্যরী গোর ন্রগালির কাঁদে অজ রাজা সেই ইন্দু্য্ররীর তরে। ক্তত বা ক্ছিব মেই হাজার বিলাপ না পারে সহিতে রাজা ইন্মতীর তাপ ৷ সেই পারিজাত মারে আপনার গায় पूरे जतन मुक राय स्तर्भात् याय। नार्धे या नावनी जिल (फीट्ड म्हर्गपूर्व भाने जुरम जिनायां किलन नृथिवी जिउदा पूरे जन शिल यपि उधन स्वर्भन्त দশরথের বয়স তথান এক বৎসর। जाल कारल निजा गांजा गतिल पृष्ट जन দেगिग्रांड ठिन्डिंड दिगंस उरमेरिन। मिड मूध रेनएए शिन जानेनात मरत भक्षिल नाना लांचा प्रणव्धव उरव । লাঁচ বৎসারের রাজা ইছল ঘ্যানে অভিষিক্ত হৈয়া বৈদেন হাজিদিণ-হাদ্নে। ভৃণ্ডরায় মূনি তারে অশ্র দিলেন দান ঘত্র করে শিমাইলেন শর্ভেদী বাব। রাজ্য করেন দশর্থ ঘেন প্রকরে मृत्याह मयान नात्न नुजा यश्वेनुक्रंत ।

রাজার ব্যান হৈল পেদেরবৎ সার আদি কাণ্ড গাইল ক্তিরিবান মুনিবর ৷

प्रभाव थ सहावांजा जना स्वाविक्रण সবর ওলেশ্বর রাজা সবর্লোক আইমে রাজচক্তরতী রাজা সভার ওপর বিভা নাছি হয় বয়স তিন শত বৎ সর। দৈতের ঘটনে রাজার ছইল নিবর্তন্ত্র হেন কালে দশর্থের বিভার আর্ম। क्लिंगन (प्रांभेर द्रांजर क्लिंगन प्रधिरद কৌশল্যা নামেতে ক্রা আচে ওার ঘরে। कोणनात्रं कन वांजा (प्रणिया यूह्रिंड कारत कनग विचा पित वाजा महिन्छि । পুরেছিত বাহ্মেলেরে আনিল সত্র দশর্থ আনিবারে ঘাহ দিসেবর ৷ আ্যার সংকাদ কছ রাজার গোচরে रही ना। नारमाउँ कना। विज्ञा दिव उर्दर।

ভাহা বছ কোশলাব বর নাছি দেখি मगर्टथ निया कना। इहेर (प म्मारी। म॰ वाष्ट्रा विन् ठिनिन मजुत শীঘুণতি পোল ছিজ অঘোর্যা নগর। युक्तिन (प्रणिय़) व्यंजा करवन मुनाय আশিঘ করিয়া কছেন আপনার নাম। কোশল দেশেতে ঘর কোশলপুরোহিত ভোমারে লইতে রাজা মোরে নিযোজিত। রাজার সং-বাদ তার ক্রাণ আতে ঘরে किग्ना नां याउ कना। पिरतन उपार्व १ তত কণে ক্ন্যা আর নাহি কোন দেশে তোঁঘারে দিবেন তারে মনের হরিছে। রাজার স্পত্রার এই জানানু ভোমারে বিবাহ করিতে চল কোশলের ঘরে। এতেক শুনিয়া রাজা স্ল০, বাদ বচন भोज्य र्रे लिया यांजा कर व समर्भ । বিবাহ করিয়া ঘাবৎ নাহি আদি দরে उर्व नालिश व्यंका उपपारित नगरव ।

व्य लिया (पानाहिल व्रथ्य आविध (मनांगल महिंद वांजा ठल मिन्गिंड। নানা বাদ্য বাতে নামে বিদ্যা বরীগান ভেরী কাকারি কাতে না যায় গানন। नकाण महलू वांट्य नारणांग्रांज अक्यांत তিন কোটি শিন্ধা বাতে অতি মর্মান। বাহাত্তর কোটি শাস্ত্র বাজে ঘণ্ডা ওফ্যাল मर्गं (काहि ভाउस तांज खनित्व उमान। দেই সহশু নানাই বাজে তমু ছোটিং उत मर्गु प्रायाय यन नेट काहि। তবল বিশাল বাদ্য বাতে তয়চেলি ग्रहानुंलग्र कारल एयत इग्र शखरील। বাদ্য ভাতে দশর্থ চলেন কুত্হলে। র্থবেগে গেল রাজা কোশলের পুরে দশর্থের পাইয়ে বার্ত্র কোশলের রাজা পাদ্য জর্মা দিয়া করে দশরথের প্জা। শাস্ত্র ব্যবহারে রাজা কন্যা করে দান नाना तर् ऋी आंठांत करत त्रांगिल।

শুভদ্ধনে দুই জনে করেন চাওনি
দুই জনার কলে কলো করেও মেদিনা।
নানা রত্ন দিয়া রাজা কন্যা করে দান
শাদ্রবিহিও রাজা করিল সমান।
ভাদ্রেক রাজ্যেওে নিজ দিল অধিকার
ফিলাইতে দিল তারে চারি ভাগের।
ফৌশল্যা লইয়া রাজা আইল নিজ দেশে
আদি কাণ্ড গাইল পণ্ডিও ক্টিরিবানে।

গিরিরাতে নগরে কেক্টা রাজার দার জুলো রাত্য করে রাজা অনেক বংশার। কেক্টা নামে কন্যা পরম সুন্দরী ভার কপে জালো করে গিরিরাজপুরী। স্মান্তর হবে কন্যা হেন জাতে মন পৃথিবীর রাজাকে করিল নিমন্ত্রণ।

দশর্থ আনিভে দূত চলিল সহয় निव्रिड शिल पूड उद्योधीनशेव १ युक्तन (प्राधा वाजा करवन चुनाय जालिय कवियां कत जानन जोगाति। গিরিরাজ নগরেতে আ্যার বস্তি রাজকন্যার সম্মুদ্র ছবে নরপাত। আনেকে অনেক রাজা শ্রন নৃপ্ররে ठल भीष्ठां ख्या शिविवां जन्दव र সম্মান্ত্রম্পন কৈল অতি সুশোভন मस्रोप निश्मि द्रांजा ठलिल उर्धन। व्रथरवरी प्रभाव्य शिल मडाम्रात সভা করে রাজগন বদেতে যেথানে। म्याम्यतम् । जो हेल (क्रक्षी म्यत्री তার কণে আলে করে গিরিরাজপরী। কেক্য়ী দেখিয়া সভে অনুমান করি म्बर्ग क्रांज्यं कियां आहेल विप्रारिति। কিবা রম্রা ওবর সী আইল তিলোত্যা कनात करने अन्या पिएड नारे किन् मीया। भेरवर द्वांज सना (धन जिल हेग्राडी সেই ঘেন বরিলেক অজ মহামতী [हेन्द्राजीत करनेत कथा (तीन (प्रत्मेश বিভা ক্রিডে রাজাগান এলেন ছরিছে। ইন্যেতী বরি লেক ডেজ মহারাজা अव दांजा शिल (मिला नाड्या तज़ लड़ा। नेद्रय मुख्य दांजा दांजाठक वर्जी मणंत्रथ महान इंजि। नाहि वस्टिडी। प्रशंद्य थोक्टिउ दहिरद क्लि जन এই ঘুক্তি ছেট মাতায় করে রাজাগাল। भारति हा पानक पाणमा अकार प्रनंदरथव कारल शिया प्रिल प्रवर्णन। वित निश्चिल उस धन प्रविद्युत याडि গলে মাল্য দিয়া বলে ভূমি আমার পতি। म्यामादवत यांना पिन प्रभाव थाव शाल ছেট মাতা করি রহে লজা্য সকলে। রাজাগান বলে কন্যা বড় বিচয়ন দশর্থ থাকিতে বরিবে কোন জন।

সকল রাজাগনে করিল সম্রাদ্রন মেলানি করিয়া সভে গোল নিজ দ্বান। কন্যা দান করে রাজা পর্ম কৌতুকে মনুরা নামেতে চেড়ি দিলেন জৌতুকে। পৃষ্ঠে কুজের ভার লভিতে নারে বুড়ি স্বর্থনাশ করে তার ঘার ঘারে থাকে চেড়ি। বহু রুত্ব দান রাজা পাইল বিস্তর অপ্রেগে পদাভিক চলিল সম্বর। কেক্য়ী লইয়া রাজা আসি নিজ দেশোঁ

কৌশলা কেক্ট্র তারা দুই সভিলী
দশর্থের সঙ্গে তারা আচে দুই রানী।
দিওছল রাজ্যের রাজা সুমিত্র নাম বিরে
সুমিত্রা নামেতে কন্যা আচে তার ঘরে।
কন্যার কন দেমি রাজা ভাবে মনেমন
ব্রাহ্রন পাঠাইয়া দিল অঘোর্যা ভুবন

রাজ্যক্রতা রাজা স্বর্লোকে জানে (प्रव प्रांत्र र निज्ञ कर्दि प्रांत्र निय खंदन। यांचाने जातियां वांचा कर्डे महत प्रमद्रथ जान पहिंदा जात्विश नशक । র্শজার আজায় বিজ চলিল ছরিছে नित्री उतान विज अधिविशेष (परने। व्रांक्सन (एणिय़) व्रांका करवन मुनाय ज्योनिम कविद्यां कर्ड जानेनांव नांघ ! সিৎছলপুরে ঘর সিৎছলপুরেণিছিত ভোমারে লইতে রাজা পাঠাইল স্থারত। म्यिदा नायाउ कना। नद्य म्यदी তার কেপে আলো করে দিৎহলনগরী। उउ करने कना। जात नाहि (कान (प्राम (उधिरद मिर्वन मान नंत्र इति ध । कनाति कथा खनिया प्रभंतथ इत्धिउ বিভা করিবারে রাজা চলিল স্থরিত।

रकोणना । रकक्षी जांद्रा जातन पृष्टे जन ম্গিয়ার চলে রাজা করিল গমন। नाना वारा प्रभव्य ठल कुछ्हल ওতারিল গিয়া রাজা নগর দিও হলে। বার্তা শ্রনি হর্ষিত সিৎহলের রাজা नामा जर्मा फिट्स करत प्रणंत्रथत ज्ञा। দশ্র্থের ক্রণ দেখি হর্ষিত মন (यत वत एन कना। विश्वत महेन। नांनीय्य कृति (दौर्ड नेत्र इतिस বৃদ্ধি শুদ্ধি দুই জনে করে অরশেদে ? शिति लिए पृष्टे जन कविल ठांडनि দৌহাকার কণে তালো করেত যেদিনী। नुस्ल्यांत् त्रांजा कहिल लंग्त অল্সে অবস রাজা নিদুর্য অতেওন। निया कां डि अर्ठ प्रमेर्थ म्नेर्द भाषात्र अभाग रहो जिल्ला विस्तुत् । वामि विडा (अहेगांत रेक्न प्रणव्धा (जोज़्रक नाहेन उच्च रीन पिया यांदा।

বিদ্যা হইল বাজা রাজার মান্তাতে ফুমিত্রা সহিত রাজা চড়ে নিজর্থে। স্মিতার কুপে রাজা বরিতে নারে চিত रेरोव्य क्रांजिन द्रांश इडेल स्हिउ। স্মিত্রা দেখিয়া রাজা করে হাহাকার व्राथव अने व वाजा करवन भेरीव । হাসি বিভার পর দিন হয় কাল রাতি च्यो न्यम अस् ठांडे ना थारक म०्डि । कांन इरिज की एपि कर्व नव्यंत (महे ची (फोर्जा) इय नां इय भाउन। अधियो लहेसा वाजा जामि निज (एएन छा छ द्वारत न्रा न्रा इति ए । रकोणना एक क्यों डोवा वानी पूरे जन ফুঘিতার দেখি কেব ভাবে মনেমক। স্মিত্রার কণে রাজার মজিবেক চিত আর না চাছিবেন রাজী আমা সভার ভিত ৷ নির্ব্যি দেবে তারা পাবর্তী শন্ধর मूर्यिज् । पोर्जाना इंडक अहे यांगा वह ।

जिन वांनी लिया वांका जारक क्ष्रहरल স্থে রাজা করে রাজা তানেক বংসরে। দ্বা হিন মছারাত্র মনে বড় দুলো সাতশত পঞ্চাশ হিভা করিল কৌত্ত। आउलंड नेशांटलंब नुरीत जिन शिल (कोलना। (करूपी जांत म्यिज। ठांक्रांभी। अवल अधिनीत शांद्या अशिवा भुनारी जांत करने जांत्ना करत जाधारी। नश्री। ছেন স্থা দৌভাগ্যা হৈল রাজার বিসাদ কাল রাত্রির দোঘে হৈল এতেক পুমাদ। मार अव उपिक व्राजा (कक्षीरव परमा इर्गाज मिन मणेत्थ जांदव लिए। थोरक। তিন জনার ভাগা কত করিব গালন या महात शिर्ड जना निर्दन नार्धाव। সুথের সাগরে রাজা আতে নির্ত্তর ज्यमार्कि रेर्ग (शंल जायावागं नशंद । (इर्श्वितीत त्रम रेहल भनित राग्न उक्षेत्र व वृद्धि नाडे जायावा ज्वन।

কৌতুকে থাকেন রাজা স্থা সম্বাদ্ধ রাজ্যেতে পুমাদ হৈল ইহা নাছি জানে 🔉 मकल जाट्यारी। नूत रेशल तिश्रभंद হেন কালে রাজার কাচে এলেন নার্দ ! পদ্য অর্ঘ্য দেন রাজা বিদিতে আনন মুনির করিয়া পুজা বসিল রাজন য नांत्रप वरलन फणंत्रथ कृति निर्वपन তোমার ठां । जाहेन अक कार्या नियम् नश न्त्रत्व विधि करवन मक्न म॰ मांद्र তোমার রাজ্যে অনাবৃদ্ধি দৃংশ সভাকার 🕻 श्रीन लहेया राजा ज्या जात स्टा নরকে তুরিবে রাজা প্রাগানের দ্পুমে । রাজা বলে কার আমি নাছি করি দণ্ড कि कांत्रले यन (यांद्र वर्ल वांजाभाषा प्रथा नीय नेजांशन जानन क्यां क्ल रकान (पांचा नेजारान (यांद्र यम वरला। माव्य तत्न मण्यंत्रा खन त्यांत वांनी । द्रांहिनी नक्ष्य पृष्ठि पिया शिन लेति।

23 विन नांत्र यूनि कविन रांधन इरथे ठिक् इंग्जि। प्रिप्ति (बक्रं व्रंजन । डखर पिछा (शन रांजा शहन कोनन जनजङ (यहार वांजा नंध निक्तिन । नम नमी (मारा व्रांजा और नाई जा पिची मार्शवर पराध समू महल । বেলা অৱসানে রাজা বন্দেন বৃহত্তল माति स्गा पक्की आंटज (महे वृक्क डांटन १ भिष्य वर्गात् इडेल्ल (म निस्त्र लिजू) डांशी पश्चिनी कर इत्था पश्चित्राज्य मासा অনেক কাল ছৈল যোৱা এই বনে বদি कड जोत नाहेव कछ निउा अनेवामी। म्या र॰ लिंद द्रांट्या यिम प्रथा नां हे जाति (ठीम वर्मत आहात ग्रक्क गाहिए नाहे नानि । অনাৰ্চি ছইতে ব্যক্তে নাছি তন नम् नभी मद्रांवत उद्देश्य नाहि जन। शंकार इहेग्रा व्याजाव (ठाछा नाहि करव इंजि मिन ची लिया थांटक जा 8 न्द्रा ।

কম পাইয়া আর কত থাকিব অনাহারে। অভএব চল বুভু ঘাই অন্যন্তরে। मिसिवांज वरल नियां सेन यांत यांनी ভোমার বোলেতে বন চাড়িব এফনি। সভানুগ হৈতে মোর এই বলে বাস (ऽ।िंडिर्रेडेलाग्र अहे ततन नेक्स नर्याण । যোর দৃষ্ণা নতে দুঃশা হইয়াতে সংসারে महिएए जारिकन त्रांजा पूर्शिए जस्तर এই থানে জনম মোর এই থানে মর্ন ভোমার বেশলে চাড়িতে নারিব এই বন। निक्ति। ठटलन नेक्ती खन विवर्भ পাপী রাজার রাজ্যে থাকি হারাবে জীবন। জল বিছনে আকল হইল পরাপ मगूरपुर जीद्र यां हेयां कित् जलमीन। এই कथावाउं। जाता करह पृष्टे जतन वृक्ष उत्त थां किया वाजा पणंत्र थ खता। নার্দের কথা রাজা নাইল প্তাহ্ন আমার তরে নিনা করে বনের পশ্রপঞ্চী।

वृत्यिनां य हेन्द्र द्रांजा द्र दृष्ट ठजुर स्ता अक कटह (म जल दि करत प्रा ष्णां व निर्धार किल र्मू नां य विदत छेन् जानि भां हो हेन जा एए विशे नगरत । उत्त जानि इत्य (यांत प्रणत्थ नोम डेन्द्र वांक्तियां आति आधावारं ज्वता। স্থাতি পুভাত করে রাজা মনেগৈ ঃথে जनांग प्रभात्रथ वांजा पूडे पंकी (पराध ध नेक्ही तल्लन नानिनी खनक निक्रिंशी য়াতে রাজার নিনা কেন কৈলে ভুমি। कळन कथा प्रभव्य खनियां दक्त कारन भंद्राजिपी वरिल वांजा यावित नेवारल ह এতে क विनाद निक्ति न्ति छ दि তাকৈংশে প্রচিল গিয়া তিন্ন লৈয়া (বাঁটে) नसी ननार्या धांत नार्या ज्याम ও ফার্ বাহ্ম করে রাতা। দিতেন ভাগ্রাম। प्रभावध बरलन नेसी ना नेनाहिं उद्य कांभियां फिहियां देवान दांगांग उनंदि १

শ্রীর বাকো অপরাধ নাছিক তোমার তোমার বচনে জান হছল আমার। এই বলে ঘত আচে আম কাঁঠাল আতি হইতে দিলাম ভোমার অধিকার ৷ नक्षी मत्मिशियां वांजा ध्रेयां वांमायद ওতরিল গিয়া রাজা অঘোর্যা নগরে। অমরাবতী গেল রাজা দেবের সমাবো দেবগান দেনো রাজা সার্গ ছেন গার্জ। তজ্জন গর্জন করে রাজা দশর্থে ঘুক্ষিবারে আইলাম আমি ইন্দের সহিতে। (एदरील बदलन द्रांजा (कांवे किकांवल (उांघांत मासि (परतांज तां कतिरव त्वा রাজা কলে যোর রাড্যে হয় নাই বৃষ্টি অনাৰ্চিধ হৈতে মোর নচ্চ হৈল স্চিধ। যোর রাজ্যেতে বৃদ্ধি না হয় কোন কাঘে অনাত্ডিও হেতু ঘত পুজা মে'র মজে।

টোল্ বৎসর অনাব্চি নাছি হয় বান नुजारीन पृष्टता धारित करत जनमान । বৃচ্চি করে দেবরাজ রাগ্রক বস্মতী লভুবা জিনিয়া তার লৈব অমর্গবতী। अरउक खेनियो उत्न घउ (एर) त युक्ति कविल हेम् (प्रवर्शत म्यान । डेन्द्र वरल प्रणव्ध अस्त किंट्यंवल यत्मा विक वल लक्षा ताष्ट्र यत । (एवरील वल हेन्द्र ना कत् अहकीत দশর্থের ঘুদের কার নাছিক নিস্তার ঃ गद्राडमी मगद्रथ गद्र नाहित्न हात ভার দলে ঘুদ্ধ কর মরিবে আপলে। যাবৎ মনেতে রাজা নাছি পায় তাপ রাজার সমে গিয়ে করে মর্র আলাপি 🏾 (एक्श वर्षका डेन्द्र न'हि करत जान পাদ্য অর্ঘ্য দিয়া রাজার করিল সমান ৷ (इन क्रांत्न एणंड्र थ क्रांत्र मध्यितिन মোর রাজ্যে অনাব্দি হয় কিকারল ৷

দেবরাজ বলে রাজা শুন মোর বালী শনির দৃষ্টি পড়ে গেল নক্ষত্র রোহিনী ৷ জাতাইতে পার ঘদি রেশছলীর দৃষ্টি তবেত তোঁঘার দেশে হয় মহারুচ্চি ৷ ठिनिएलन एर्भेत्रथ हेटनुत् वहरन व्य ठालारेयां शिल लंगिविषायांता। শনি ঘরে কলি রাজা মহাতাক চাতে नि पृष्ठि कविरल व्राथव प्रजा किँए। শনির দৃষ্টিয়াত্রে রথেয় তেঁড়ে দৃত্য আকাশ হইতে পত়ে র্থের অঞ্চ ঘোড়া কিড়িল রথের দড়া রহিতে নাহি মূল भारकर भए उथ करत हेल यल । किष्ठ किर्त तथ गरीन उनर्त হেন জন নাছি ঘে রাজারের রক্ষা করে। জটাত্র নায়েতে পক্ষী ওড়ে অন্তরিক্ষে जाकारन थाकिए नक्ती व्यागान पराध । ভুমিতে পড়িবে রাজ! রহিতে নাছি খুল চুল ছইবে রাজার শরীর সকল।

হেল কালে করি ঘদি রাজার অব্যাহতি দুঘিতে থাকিবে মোর ঘশের মেয়াতি। দশর্থ মহারাজ বিমা অবিধান হেন রাজা হারায় পুান যোর বিদায়ান কাতর হইয়াতে হাতা হ্যিতে পড়িতে হেন কালে পহিন্তাত দুই পামাৰ্থ পাতে ৷ शक शिं व्रिक्त उद्योग यहां वीत ভাছার ওপর দশর্থ রাজা ছৈল দ্রি। ষ্রি হৈয়া দশর্থ রথে ঘেড়ি ঘেড়া देजा जाद नेडका वात्ति पिया धांज्र । मांत्रि। जिल्लांत भीय याति त्लंक जांदे আৰুবার চলে ঘোড়া আকাশের থাট ৷ व्यंजा वल्ल लेति (जना थाक्क अधिरात পুৰি রাগিলে যোর এই কোন জনে। রুদু পিতামহ কিরা সেই জজ পিতা এমন বিপদে করে এও বড় চিন্তা। তুলিলেন পক্ষিরাতের রংথের ওপরে যবুর সম্ভাঘে রাজা জিজাসিল তারে ৷

जांक्रां क्रांड्यां यहिष्य इयिष्टल हिन कांत्न जुशि (शांत रेश्त जन्मता) (कांन (परण थांक ज्ञा कार्ष नम्मन পরিচয় দেহ যোরে তুমি কোন জন। পক্ষিরাজ বলেন আমি গৃধিনীর তাতি যোর জোগু ভাই পক্ষিরাজ যে কমাতি ! জটাত নাম বিকি আমি গকত্নক্ৰ অন্তরিক্ষে ভূমি আমি ওপর গগা। আকাত্ত পাইয়া পত দেশি বিদ্যমান পক্ষ পাতি রাগিলাম তোমার রখ্যান য দেশর্থ বলে পহনি ভূমি মোর মিড मुंब प्रांत प्रिंत त्यांत यक रेकना हिउ। व्राथं रूपन कांसे भागार्थे। जानि তদন কাণ্ডেতে রাজা স্থানিল আণ্ডনি। पूरे जतन रेग्ज करत जािंद्र कति मांसी प्रमंत्रथत रेयज इहेन जिहे ।

জটার শহির কথা শ্রনে যেই তন স্বর্ত্ত তাহার জয় করেন নারায়ন। বিদায় করিয়া পদ্ম গেল সেই দেশে আদি কাত গাইল পত্তিত ক্তিবিদ্যা।

জারবার গেল রাজা শনিবিদামানে मण्य पाणि जान जो न नोहेल याता। শনি বলে দেশর্থ আইলে আর্বার যোর দৃষ্টে কেয়নেতে পাইলা নিস্থার। अर्धाव०-८ लोब हाजा प्रलेख य नार्ध ইহার দারেতে তন্য নিবেন নারাঘ্রে। রাজচেদবত্তী রাজা ভিচ্চ অবতার তেকার্বে মোর দ্চে পাইল নিস্বার। ठक् त्रिया प्रभारत्थ भित वला कम्मा क्रांज्या (इव जाडेम न्स्यातन। (कानम् छ मृद्र छ चार्त नार न छ हे नंदीरद्व काच थाक्क देश्या पांच कार्ट । প্ৰৱ কথা কছি রাজা ভাছে দেও মন থেমতে শিবের পুথা হৈল গতানন। एना निल्लन शंजनिङ शोवीव नम्बन (पिणिकरेक शिन उथा पत्र परकान। (एदरील वस्त यां उ जा हेत जारएए भ जाहेन मकल (प्रव मित तारे आहरम। मू उ निश्वेष्टियो मिरलन जाधात (१) कित जीता एकिएड जिन् रेक्नाम निग्र । खडम्राधे शिवा (घडे मूछनीतन कांडे जारांत प्राप्त (प्राप्त रेश्य (शन हारे। দেগিয়াত দেৱপাল হৈল চ্যক্তিত नूर्धाव यथ ना पितिराय नावर्डी हिचिड । (पर्वो वलन अद्योगत जांक (प्रवर्भ) ভাষার পুথের মৃত নিলে কোন জন। দেবগাল বলেন শুন পাৰ্বতী মাড়ে र्णित्व प्राधि डम्म रेहन शिक्षान्त मांडा । न्त रस्य नरेए यात्रिष्ठ यांत निश

मेलारेशं घान नानि स्ति नारि नाग দেবতার আড়ালে গিয়া শনি যে লুকায়। लेल इरख्ड (प्रवी आहेरम ग्रहारकारन भावरंडी इ रक्षांने पिणि पित्रीय कोटन । अकल (प्रवर्गानी क्विंटिक खुवन আপনি স্জিয়া শনি মার কিকারন। ভূমি আদ্যা শক্তি মাতা জগতের গতি তোমার মহিমা বলে কাহার শক্তি। আপনি দিয়াচ বর পরম কৌতুকে मित् परित (एएए जात्र याजा नाहि थोरक र ভোমার বর পাইয়া কৈল ভোমাতে পরিহ্বা ভূমি যে মারিবে শনি কে করিবে রহা 1 বুক্রা বলেন শনি মরে কিকারল দ্রি হও জিয়্ছির ডোমার নদ্র। আজা করিল বুহ্মা পরনের তরে ম্ও কাটি আন ্যকা ওওর শিয়রে। इत्मुत नेवांवड भारेषा शक्षानीत শায়ন করিয়া চিলে ওতর শিয়র ৷

মৃত্য ক্রাটিয়া তার আনিল প্রন রক্ত মাণ্ডেন জিঘ্রাইল হৈল গাজানন। মানুষের আকার হৈল করির বদন দেশিয়ে পাবৰ্তী বড় দুমাঃ হৈল মন। मक्ल (प्रवर्शत नूधा प्रिधाउ मुम्ब গাত্রমুগ্য বিদিবেক ওাহার ভিতর। বুহ্মা বলে ভোঁমার দুগে করিলাম রাজা আগে গরেশক প্রা পিচে দেকের প্রা। গলেশ থাকিতে ঘেষা অন্য দেব প্তে नृर्दरिया निष्ठ ए दि किस्त न ए कार्य १ नेवांदरङ्क स्टा जियां हेल नस्यांपद इच्डिइ (ल्लीरकः ड क्लिए । एव प्रकार । ওট্ডিঃশুবা োড়া দিল এরাবত হাতি এই रीत पिय़ां (यादि रैकला प्रवादि । অভিগ করিলেন সুক্রা পরনের তরে इ अ स्वि जान (परा निक्ध्य निपद । मिक्सिय निग्रत्व खंडेग्रा (खंड नार्य यांथा धेवन क्षेष्टियां जानि पिल उर्व गाउरे।

প্রাপ্ত প্রার্থ প্রেল নিজ ঘরে (इलाग् जालमा नाडे निक्ध्य लिग्रद 1 দেবিরে বিদায় করি পেল দেবগালে পানেশের জন্ম শনি কছিল রাজনে ৷ अडिए छो नेए छो यांत नीतन ठांडे আমার দৃষ্ণিতে কেছ রহ্বা পায় নাই। মন্দ্য হইয়া ভূমি আইস বারেবার अव्योज रेला एका एवं निकार निकार সূর্ত্বংশে জনা যোর স্ঘের কুমার যোর বংশে জন্ম ডেঞি পাইলা নিস্তার। কিকারনে রাজা ভুমি আইলে মোর পাশ বর মাগ রাজা তুমি মেরা অভিলাম। বলিতে লাগিল তাখন দশর্থ রাজন রে†হিনী ডোমার দুস্টে নহে বরিঘন। শানি বলে আজি হৈতে চাড়িনু রোহিনী দেশের তরে তল রাজা দিলাম মেলানি। আজি হৈতে ভোমার রাত্যে হৈবে বরিঘন च धिरव (जांगांत यण न जिन ज्वन ।

द्रांहिनी वृष्ठद्रांणि हरत (पहे जन সেই রাজ্যতে নাই মোর আগামন ং ভূচ্চ হৈয়া রাজারে শনি দিল বর শিনির বর পাইয়া রাজা চলিল সম্বর। मडा किति विमिन हेन्द्र निर्म (प्रविश्व हेन्द्र प्रगत्थ (घ व जिल अला अला मन । कहिलान मकल कथा भूतनादत उदह यांना डेलन नि गुड् (प कन नेकार्य। खेतिए व्रांजीव कथा हेन्द्र (एक शंदम এফলে হইবে কৃষ্ণি তুমি ঘাহ দেশে। जांड पित वृधि कि सि तो कि ति ह या इ ভোমার হাজাতে দিবসম্নের জবা विषाग् इष्टेर्ग् वांजा शिल निज पिर्ल আদি কাণ্ড পাইল পণ্ডিত ক্যতিবামে।

আজা করিল ইন্দু চারি মেদের তরে সাত দিন বৃদ্ধি কর অঘোরিগা নগরে ৷

জারত্ত সমত্ত আর দুোল পুদ্ধকর क्षेत्र (श्राच कृष्धि करद जार्घावेशं नशेत्र र नम नमी मरवायब मून रेशन जन অনাব্চি দূটিন বৃক্ষেতে ছৈল ফল। জল পাইয়া বৃক্ষ হইল জীৱনাব্ধি তপদ্যার অক্তে ঘেল মনোর্থ দিকি ! पान रीग्न मपा करत प्रजातनाक शेल স্থে রাজা রাজ্য করে অঘোরী ভূবন ? वांका करव प्रभार्थ। यन नूबक्त রাজার বয়দ নয় হাজার বংদার मांउ गंड नंक्षंग प्रग्वरथंत द्रयनी কাক পুণ্ৰ নাই রাজা বড় অভিমানী ! ভাগিত রাজাব কন্যা জিল এক জন তার গরে এক কন্যা তান্যল তথান। भव्य मुकदी कना उडि म्हित्डा म्बर्भाख (पिणि उर्त नाम भूडेल (इसन्ड) १ লোঘণাদ নাঘে রাজা দশর্থের স্মা जास (प्रत्यं पात जांत दिस्नत नांहि (नामा ।

मनेत्रथतं कना। रेहन (लोक्य्रा स्नि जानितांत परत लिए शिल खनाभाति। সত্য করিয়াতেল করিতে নারে আন মহাপুলাবান রাজা বিদ্যা অবিশ্রান। प्रभावरथव रूना। विश्व (लांग्रने। प्रव चर्व म्णंत्रथ त्रांजा कर्त्र ज्यापित्रा नगर्त् । रैपरवात निवर्वक छाटि ना पांग्र भाउन মূগায়া হৈ বিভে রাজা করেন গমন। হক্তী ঘোড়া রাজার চলিল শতেং মুগ চাছিয়া রাজা বেড়ান বনেতে। ভূমিয়া ৰেড়ান য়াজা নিষিড় কানন छानारकव उपनिवतन प्रिन प्रमित । শুমাযুক্ত হৈয়া রাজা বদিল বৃষ্ণতলে रिया महावित (एएए आत पिया जला । जनाक ग्रानित नेया मिन्ति नांग ग्रानि (काना कवि डात भा महावदित नीनि।

क्षिताय मूग वृक्ध अन करव भान व्रांजा वरल जन भान कतिराह इतिनी। भाउ। लडा गांहरम जारमरक मरवांवव তাহারে বধিতে রাজা ঘুড়িলে বিলুগণর। नंद्राडमी यांन तांजा नद्र नाहित्न हांत মুনি না দেখিয়ে বান এতিল রাজনে। ম্গ বলি এড়ে বাল ম্গ নাছি দেশি বাবে মুনি মারে রাজা দেরি নাছি রামি ৷ ম্প মারিয়াজি বলি রাজা জাতে তাক বাল বিদ্ধা হয় নাই হাতে পেলে তাক। म्शीत अमिएल (यस ठिनन आहि इ म्तो नरह म्निन्य यांग् तेज्ति। म्निप्धा वृत्क (परार तियं वान মহাত্রাদেন দেশর্থের ওড়িব পরাধ। युटक वान वाजियांक कथा नाहि अदत জন দেহ বলে মুনি হাতের অনুসারে। व्रांजा जा कित (एए मरवावरवं निन जल गुणा फिल्लन (इउन नाहेल ग्रानि।

মার্থার হাত মারে রাজার অন্তাপ वार्क्न (एशिय़) यूनि नाष्ट्रि पिन गानि। युनि वल पर्नेत्थ उप नाहि यन जियोद्व भागे पिया याधिक कड देन। क्नेरलएउ या थारक उर्न ना याव्र भाउरन भूवर्व जानाव रूथा भएड शिल याता। न्दिव जिलां य जां यि वां जां व स्यांव रअन कोत् वाहेल नकी माति निर्धर। मूम् मूम्दी नेकी विश्व अक छात्त गूम् नेक्षित उरत् यातिन् वैदिल। ব্যথ না গেল সেই পক্ষীর বচন তেনিও তেগমার বাবে হইল আমার মর্ল ৷ भाग लहरन (यांत्र (कांत जानेत्रारि আমারে মারিয়া বড় পড়িলে শুমাদে ৷ অন্ধ পিতা মাতা মোর প্রাফলের বনে আজি ভারা মরিবেন আমার বিছনে। এই বড় দুঃশ মোর হইলত মনে विक्रांत प्रभानाहि हैन अंत मता

जनारकद प्रांभ रहेग्रां जिलांग जांगि स्वीग् फल पिउर्ग क्षांग पिउर्ग भीति। আর কেবা ফল জল দিবেক তাহাকে অনাহারে মরিবেক আমা নুপ্রশোকে। এই সতা দেশর্থ কর্ছ আপনে जाया नएए घांउ जूमि निजा मांजांत स्रांति। ইহা বৈ ভোমার নাহিক পুতিকার লহে সৃষ্টি নাশ হবে মজিবে স°-সার। মর্লকালে সিন্দু মূনি নারায়লে ডাকে सावाग्न वरल मूनि मद्र व्रक अर्थ मूर्य । उरिं (एपि एण्यूथ रेहल क्यूरान বকে হইতে মনির শাসাইল বাল। जानेना गाहेगा जाहेनाम मृशी मातिवादक বুহ্মছত্তা হৈল আকি আমার ওপরে। यत्र। यूनि जूल ताजा लहेल कीरिंदिङ অন্ধকের বনে আইল কাঁদিতে। (रउ) उत्भावत्त विम जन्नक जन्मकी वांग्र तिज्ञ ज्ज मुत्म जग्रीन (प्राधि।

दुश्चिनी रालन खन ठीकूत दुश्चिन আজি কেন পুতার বিলম্ম এডফাল ৷ युं क्तन यत येन मेरील युं क्तनो আর দিন নিকটে পাইত ফল পানি ৷ আজি বুঝি গিয়াজেন দুর কানন उक्तंत्रत्व यिलम्य रहेल अउक्तव। এই কথা বাতা তাঁরা ক্ছেন দুই জন যরা কোলে করি গেল প্রাহ্মলের বন। श्रकान शाष्ट्रलव नाउ। यहरे करव व्राक्तन वह न्य आहेन मरत्। ठम् नारे पूरे जन (प्रिरिंड ना नाग् আইস পুথা বলিয়া ডাক্তিচে ওম্বায়। क्लिक्रिय अनेवाम क्रिव लेखिब छल जल (प्रश्वाम् व्राथर जीवन । দুই জন ভাক জাতে রাজার তরাস আদি কোণ্ড রচিল পণ্ডিত ক্রিতিবাস।

चूँद्य परि इउ उत्व वीरेए जारेम चात जात्र रेटाउ ना नीद्र नाज्याम् थित्र। চিন্তিত অন্ধক মুনি জন্মিল বিশ্বাস किया यांडा निर्धात करति कत् अन्यामा (एशिएड ना नीय मूनि विमन (विग्रांतन সকল জানিল মুনি বিগানের কারলে। দুই চক্ষে লোহ পড়ে মাতায় মারে হাতে মোর পুতা মরিয়াচে দশর্থের হাতে। অক্সমূনি বলে এম রাজা দশর্থে মরা পুণ্র আনিয়ার আমাকে দেখাতে। आंत्र कियां मणंत्र थ मोन पित उांत्र अर्मे अर्मित व्याप्त विश्व विश्व विश्व विश्व र चुं आत्मारक महित (मांत्रा तुं क्तल तुं क्तली मूश्रामारक घनुनाउ मुनि पिय जूमि। अउ मीन पिरलन जानाक न् नेवत यनि नान पिल यपि द्रांजांत अनत। श्रुड्यासु कृति वाजा विमालक माउ आयांत जांन घाडक नेश्रम्भ पिथिएउ।

ভুমি দেগ্রি খেন মুনি বিশুর সমান ভোমার বেশি সভা হওক কভু নহে আন। তোশার পালে মুনি মোর হরিষ জন্তর পাৰ লহে হইল থের এই পুথাবর।, जा सक वत्न प्रभंत्र ध जान्यक जारिज न्धार्मातक मान पिन् वत कति वास्त । ব্যানেতে জানিল অন্ধক্ত তণোধন ইছার ঘরেতে জন্ম নিবেন নারাম্। घार प्रभाव थे उपयोद्य पिलीय वब চারি দুপ্র ভেমির হবেন গদিবির। যোর শাবে পুপ্রশোকে তোমার মর পুথা হৈলে এগার বৎসর তোমার জীবন। ৰাথ না হয় কভু মুনির বচন মূনির শাণে ছইল মেরি অন্ধক লোচনা नेवर्क्यो कहि वाजा जोट्ड (यह ग्रन धि मोहने इडेल (यांत्र जन्मक लोहन। ব্রিকটা মূনির দুই চরল ভাগার ভিন্ধা মাগিতে আইল যোর বাপের ঘর ট ग्नि (प्रणि त्यात यो अतिन ममुत्य भाषा जांचा फिल जांदत विमिट्ड जांमति ध তিজাসা করেন তারে কিছেত্ গমন। ভিন্নাহেতু আইলাম ডোমার সদন। कालि रहेट जागि जाहि उनेवामी ভোজন করাছ মোরে তুমিত মহ छि। অতিথি করিয়া বাশা করাইল ভোতন विष्या रहेगा स्ति यान उप्पारत । এই কালে বাপা আনি কহিল আয়াৱে प्रथर- क्रब् मनित नेप्रयत्न । भित्र भ परिणास (यांत्र मुन् रेहन यतन अयन नीरम्य विलो लहेक रक्यात । पुष्टे ठम् यूजिएम् ल हेलाम नेप्रतृति ठव मिकि विल म्ति जानीवर्वाप विलि। वाथ नाहि इয় मिटे मूनित वहन এই হেতু হৈল যোর অন্ধক লোচন। তেনিংমত করিলেক আমার বাহানী जाकाक वाकाकी कविएए शिन स्नि।

আ্যার বরেতে রাজা পুণ্র বলি তান শাণে বর ছৈল রাজা ছবে প্রাবান। এই अउउ पर्गत्थ क्तिरत पालन প্রদাশ্ব আনি কর ঘজ আর্দ্রন। अक भाष्टल स्ति नाहेल राताउ মেই ফল দিলেন মূনি দশর্থের হাতে नेहे छल्न जिन्हारतन (एव ठक्रमीनि ठक इ जिंडर इ में कि उ जिया এতেক বলিয়া মূনি দশর্থের তরে কোথা আতে সিলু বুগু আনি দেছ যোৱে ৷ घत्रां न्य (छिल दिल द्रांजा पर्णद्राध न्य क्लंदन कति यूनि लांशिन काँपिए। हक्ष नाहिक ग्रिन (एप्रिएड ना नाग् रक्रिला करिया शीर्य इन्ड वृनीय । অপজিলে যে পুপ্র ভুমি তপের সঞ্চারে রোমার মর্বে মর্ল হইল আমারে। जनारकत नग्न राय्किल ज्या ऋरीय छल पिएज कृष्टीय पिएज नीति।

धकतिना नाहि कति नट्ड अन्तार्यात प्रित्र म॰-एगेरी त्रांट्य नाहि गाहि डाउ। जनग्र जविष जागि नान नाहि जानि তবে কেন অকালেতে হারালে প্রালী ! প্ৰবজনো কার কি করিল বিঘটন ওকনিকা করিনু কি ছরিনু ভাগা বন । अटउक दलिए। स्ति नांत्रांग्र जिल्ह नांत्रांग्ल यनु जिन यात नूशारणारिक। পতिবুঙা नां ছি জিয়ে পতির মর্নে. जाक्की जाज़िल पुर्व जाकारकत मति। তিন মৃত লয়ে গেল সরোধরের তারে जारगोत मुशन्त कांछ जानिन विख्यत्। টিতা ফরিল রাজা ওতার শিয়রে তিন জনে সোহাইল তাহার ওপরে ৷ प्रहे जन प्रहे फिल्ला नूश प्रदामाति পোতাইল তিন তানে বেড়া আণ্ডনে ৷ ि । पंशानित्त । अहे अरहां वरह इ डिरंब र्ट्यमियां अहिलन दोजा अत्यादां नगद्र।

বুক্ততোগ করি রাজা অজের নন্দ্র ज्यानि क्लिय्। शिल विलिष्धं दन। बिलिस यूनि शिय़ारिजन उनेमा कित्रिङ বামদেয় পুণা ভার আচেন দরেতে। अस्ल कहिएलन व्राज्य विधिष्ठ उद्य বুক্তাহতা করি আইলাম বলের ভিতরে। ইহর পায় শিত্ত করাহ মহাম্নি ক্রেমনেতে বুক্সহত্যায় মুক্ত হক আমি। यनि रत्न जकात्नाउ नाहि घड पान পুরুহত গায় কেমনে হৈবে পরিক্রাল । विठांत कत्राग्रम्नि लएग् (यप चूत्रांन योन्मीकि (ध शतु जरने नाहेन नेत्रिक्रीन श्रुठि इहेग्रा जिन वांत्र बनाहेल वांग व्याह्या नात्ने वाजा नाहन निव्यान মুক্ত হট্য়া রাজা গেলেন নিজ দরে সক্ষায় আইল ঘর বশিষ্ঠ ম্নিবর। कल यूल गाहिया यूनित समुख रहल यन কথা বার্তা পিতা পুথে কন দুই জন।

सां नित् उत्व वांग्राप्त लांशिल कहिएउ বৃহক্রহত্যা করি আইল রাজা দেশর্থে। जासक म्नित न्य मिक् मृति नात्य তাঁরে মারি আছল রাজা শরুভেদী বাঁনে 🖁 লোটাইয়া বিরিল রাজা আমার চরন বুহ্মহত্যা পাপ যোর করে বিযোচন। ज्यकाल किल्ड नारे रूप पक प्रांत তিন বার রাজাকে বালানু রাঘনাম। जल (छलारेग्रा (पन पिन उछ रेउला क्नित्तन विणक्ष ग्रानि खेनि नूर्धात (वांत्न १ अक व्रांग नारम (कोिं वुक्त्रजा) रख তিন বার রাঘনাম বলালি রাজারে। মোর পুতা হৈয়া ডোর এঘন কদাতার ঘাছ রে ভুমি বামদেব হওগা চণ্ডাল। (लां शहेयां दिविल मूनि वां त्वं ठव्न মুক্ত ছইব কেমানে কছ বিবর্প। यूनित (एएएएउ (कान ना थारक जन्मन विनिष्ठ नाशित्नन विभिक्त उत्निविन।

যে রামবামত মি বলালে রাজারে
সেই রাম জন্ম নিবেন দেশর থের ঘরে।
গিন্ধানে ঘটান ঘাবেন রঘুনাথে
সেইটানে রামকে তুমি আণ্ডলিবে নতা।
তাহার চরল তুমি করিছ নরশন
ভাটান ছইবে মুক্ত চণ্ডাল জন্ম।
মতেক বলিল ভাকে বলিল মহামুনি
গ্রহক চণ্ডাল হৈয়া রহিলেন তিনি।
ক্রিতিবাস নিগুতের কবিস্থ বিচক্ষল

রাজ্য করে দশর্থ যেন শুরন্ধর ফর্মেতে অসুর হৈল নামেতে সম্মর। সম্মর হইলেন দেবগানের বৈরি অমরাবতী জিনি নিল বৈত্য়ন্তী পুরী। ভার ভয়ে মরগোঁদেব রহিতে না পারি উদ্যুবলেন বুজ্যা তোন বৃদ্ধি করি।

বুহ্মা বলেন আন গিয়া রাজা দশর্থে সক্র অস্র মরিবেক তার হাতে। जानित जांद्रेल देन्त् जार्घादाां नशंव नामा जार्मा प्रभंद्रथ नृरज नूत्रमत् । ইন্ত্রলে দশর্থ ত্মি মোর মিড ঠেকিয়াতি শক্তটে রক্ষা কর মোর ছিত। সমূর নামেতে অসুর তারে মুই হারী ध्यापाड्या (एक्डां निल स्ट्रांन्ड्री। আমার সহায় হৈয়া যদি কর রল ভোমার পুনাদে তবে বাঁতে দেবগাল ৷ श्रितिए इत्ति कथा प्रभाव्य श्रीम সমূর মারিগে আমি ভূমি ঘাছ বাদে । अउक खनिए हेम् शिलन ऋरिए সমূর মারিতে রাজা সাতে দেশর্থে। সাজ্ বলিয়ে পজ্য়ে গেল সাজা রাহত মাহত সাজাতে হাতি ঘোড়া। ग्रुव ग्रमन (कह कारिएक कांग्रान বান্কি সাজিতে রথে লয়ে বিনুক বাল।

अधितात किंदिक मत नाहि पिर्णनाम क्टेटक्त पर्वाल लांशिन छांकांण। পায়েতে পরিল সোনা মাতায় টোপর বিনুক্ত বাল ছাতে রাজা বেরিল সম্বর। त्रथ रेनमां (पानिशेष्टेल त्रथ त आहि थि त्रथ ठिष्ठि प्रणत्थ ठटन भीषुरोडि। গৈত্য জিনিতে রাজা করিল গামন प्रणेत्राथ (प्रणिर्म कैं। निन जिन्तन । ठउए पित्व अने इत्राका ठल कुरुहला র্থ অশ্ব পদাতি চলে ঘড়েঘড়ে। अखित शिया द्रांजा हेटमुत नशिरी দেশিয়ে রাজার সাজ দৈতাগান বেড়ি। রাজার ওপরে মারে জাটি ক্রেড্রা অমরাবতী জাড়াইল রথের ভারে চ্ডা। प्रभावतथ वारन विस्ता कविन जर्ज्य ভম দিল সেনা রাজা রছিল মকেশ্বর ৷ क्रांति क्रांति पणंत्र प्रत्न मक्रांन অস্থাঘাতে দৈতাসেনা তাজিল পরাধা

नानां जम्त् कि करतन प्रभंत्थ क्रिंडेल जग्रतांत्जी नेत्रत्व नेथ। अमृद्वत (अनागंन अग्राद्व नुश्व प्रणव्दायव (मना विस्त्र कृद्व जर्ज्व। लक्कर वान नृत्तं मन्यत्तं (मना অমর্ণিরতী জাইয়া ঘেন পড়িছে ক্যন্ত্রনা। शिक्त विवत् जम्म प्रशंतर थत् मेरज यदन এমত আন্থের শিক্ষা নাছি বিভূবনে । नक सर्भ मुंकरव शंकावर्ष जिन क्लिंहि जानेना जानेनि तिन करत को है। का है। আশিনা আশিনি করে বাল বরিষল अल बार्ल निक्ल मकल (मनाराज १ সমূরের পজিল সেনা রক্তেতে জাঁডার प्रभेद्रधेव घ्राक्त (सन्। भिज्न जानीव । भिज्न मकल (प्रता रेष्डा अक्षेत्र प्रणेत्रधंत् वार्व (अन्तरं पिन्त विख्त । पूरे जन यां लेव् छिं करत यां रकर দুই জনার বাবে অমারাবতী দাকে ৷

ইনিতে অমরাবতী হৈল অন্তর্কার দৈত্যের রলেতে রাজা না দেখে নিস্তার ৷ नंतुरलपि प्रनेत्थ नंतु नोहरल हारन फिणिएड ना नांग रेपडा थांटक रकान भारत। কাল ওপদ্তি দৈত্যের নিকট মর্ন पूर्व थ!कि प्रभंद्राय कि दिए उद्यंत । সম্বের পাইয়া শস্ত্র রাজা পুরে বাল চুটিল রাজার বাল অগ্নির সমান। এতিলেক কাল রাজা তার শুন কথা कारि वाजा प्रणेव ध सम्बद्ध यांजा। মন্ঘা হৈয়া মারিল অস্র সমূর पित लहेशा जारण वाजा नारल नूबम्ब । डेम् बला पणव्य वस्त्री किला (यादि বর মাগ রাজা ঘেবা সাবি অন্তরে। प्रणेत्थ वरल हेन्द्र अहे (प्रष्ट वत (धन वृक्तहडार्ग ना थारक आंधित उनेत !

শুনিয়া রাজার কথা ইন্দু দেব হানে

সে পাপ ভোমাতে নাই চল তুমি দেশে।

অন্ধক মুনির কথা অপুবর্ষ কাহিনী
বাপ বাক্ষান তার জননী পুদুানী।

এতক শুনিয়া দশর্থ আইল দেশে
আদি কাণ্ড গাইল পণ্ডিত ক্রিবিনান।

পার মিরের তরে রাজা দিলেন মেলানি অন্তঃপুর দেশর্থ চলিল অমনি। মভারে অধিক ভালবামে কেক্য়ীরে বানেতে জর্জর গৌল কেক্য়ীর ঘরে। অন্ত মন্ত্রীবনী বিদ্যা শিথে মেই কালে। বিদ্যা শিথিয়া গৌল রাজার গৌচরে। মেই মন্ত্র রাজার জল দিল গায় স্থালা ব্যথা গৌল দুরে শ্রীর জুজায়। মৃত্ত শ্রীরে ঘেন বামল জীবন মৃদুদ্ হইয়া রাজা বলিজেন তুথন।

इंग्डिंग वरल प्रैंभ इस्नं कित्रल जाग्रात उपितंत मयान नि्यां (कह नोहि खांद १ वत् गांशि लह (घरां जिधि (उपांत কোন বন ভাগ্তাবেডে নাছিক আমার। अउ प्रति विलित्न युं जो प्रलंबर्ध घुकि कि इंडिए शिल कु जित्र अहिए इ মহার্জি মোর তরে দিতে চান বর কৈ বর মাণিয়া লব রাডার গোচর ৷ শুটেওতে কুজের ভার নভিতে নারে তেভি कुज नरह जांत मि तुरक्तत ठूति । কুতি বলে এফলে বরে নাছি দুয়োজন चागन कार्या थांतक उत्र सांशिव उभन । সুজির বচন কেক্য়ী না করিল আন श्रीम्यां कहिरा कथा द्वाराविषायांन । क्टिक्मी वरन आजि वरव नाहि नुरम्जन घारान वरत् थांटक कार्या सांशिव उभन। আ্বার সভোতে বন্ধি রছিলে গৌসাঞি घणन यातिव वह छापन (पन पोडे।

ब्रांजी वलन घणन वव ठाँव पान আলুক্ত অনোর কাঘ দিব নিজ পাল । (करूपी करत मठाविक्त (प्रवर्गन इंटम ना जानिया स्ती (धन विता हिल घराटम १ এই সভা পালিতে রাঘ্য যাবেন কন वुक्ता वरलन २७ प्रित्न यविल वावन। রাজ্য করে দেশর্থ হর ঘিত মন म्यमग्रात करवन मुजाव नानत। घारत (घ इरव डांहां रेपरव सव करव নামবুল হৈল রাজার নামের ভিতরে ! ক্রীর্তিবাদের কথা অমৃতস্মান द्रांगनाम दिना पांत मुराप नाहे जान।

বুলের ব্যথায় রাজা হইল ফাতর পাত্র মিত্র আলি রাজা বলিল মতুর। এই ব্যথায় আঘার নিফট মরন মুর্ঘাবণ্ডেল রাজা হৈতে নাছি এক জন।

री स स दिया जिल्ला किया किया निया তারিয়া রাজার তরে করিল পুরাম। खंड ऋरन (एराग व्रांजा ने शहरव निर्मुव पृष्टे घाउउ जांका द्रांजा हेश्त नुष्ठिकांत । अधिद्व वाद्भन भाउना कविष् प्ना नटह नाग्रकारत कुमा (प्रथक अक जन।। व्या मुनिएएए नण्य प्रशास उद्धि वृम्य फिर्ड क्लिन जन भीद्र । जाछ नुष्य (सक्यो द्रिजांत कार्ट थारिक व्राजी यउ पृक्ष्म नांग्न (त्रक्यी उर्श (प्राप्त । রাজার দেবা কেক্য়ী করে রাত্রি দিনে ছেন কালে কেক্ট্রী বলে রাজা বিদ্যয়ানে। क्यांशी विदन सीलांटकत् जना नाहि गिडि जांगि गूरण पित पपि नांउ जाता हिंछ। यांत चात्व थारिक वांजा जांत्र प्रशित् लारिश क्टिक्सी खेडेल शिस्र प्रगत्थत जारा। नेक्सिया जाहिल उन्हें नरभात दब्ब गुर भाद्र जम् नारे हा शिन्न ज्यान।

সুদ্ হইল রাজা ব্যথা গেল দুরে
রক্ত পু্য ফেলাও রাজা কেক্ত্মীরে বলে।
কর্পর ভাদুল প্র্য়া করহ ভদ্ধনে
বর মাগে লহ ঘেবা ইচ্চা ঘাঘ্ মনে।
হেন কালে বলে শুনি রাজার গোচর
ঘথ্যন মাগিব জাঘ্র তথ্যন দিও বর।
দুই বারে দুই বর রহিল ভোমার ঠাই
ঘথ্যন মাগিব বর তথ্যন ঘেন পাই।
রানীর কথা শুনি রাজা দেশর্থ হান্দে
আদি কাণ্ড রচিল প্রিত ক্রিবানে।

রাত্য করে দেশর্থ অনেক বৎসর একচর মহারাতা ঘেন পুরন্দর। শার মির ভাই বন্ধু সভাকারে তানি বশিশুদি আনাইল ঘত মহামুনি। সভা করি বসিল ঘে রাতা দেশর্থে অভিমান করি রাতা লাগিল কহিতে।

এउ क्लंब इहेन (यांत्र ना हिन मनुडि পরকালে যেরে কেমনে হৈবে অব্যাহতি। प्या थांकिला करत नामा उनेन आंद्रांत सत्राज वर्ण नाहि अक जन ध নয় হাজার বৎসর হৈল আঘার বয়ুদে अउ क्षांत्व ना इडेल ने ध्यत स्वार्य। অপ্থক আমি আমার মনে বড় দৃঃশ मुंडांटड में (एटिए लिक्ट अनेट्यूड स्था। उने (बा काल जांगि निज्लांक जौनि अञ्जलि कविरा पिष्टे उर्ना तत् मानि। শীতল জল ওচ্চ হয় নাকের নিশ্বামে (उधा रेहाउ शिन व०्भं जन प्रित किरम। বর দিয়াজিলেন আন্ধক মহামুনি क्षमा भूति यानि जानि यक क्र जुगि । शिषाण्य म्निवत स्कान (एएण रेवरम कार्चा मिका इस यपि (महे म्नि जाहित्स। কছিতে লাগিল বশিদ্য মহামুনি क्षमार्गित सन जना जाने वर्ष काहिनी।

বিভাগতকের তপ্সা দেশি বিভ্রন কাপে जिल्यन जम्म इस यपि म्नि मौति भौति । उनमा (प्रणिएए हेन्द्र जांदर यान्यम नाठाहेग्र फिल हेन्द्र फिराडी नेवन्र বিভাগুকের কাতে প্রন লকাইয়া থাকে भीटकत छन भाग युनि नेवन जा (एरभा १ छल्लाउ जागुक माणि दाणिल नवत क्लिपोरी मुरी यूनि कविल उस्त। ফলের সহিতে অম্ত থায়ে মহামুনি यश्वलरात य्ति इहेल उशिति। शुक्राप्ट भेडिया म्त्री यहावनवान उनमा करत्त वरन ठाति नीतन होता । उनमा करत्त म्नि नमुप्ति जल त्रव्या विचारतं त्रांतं रायायद्य । অপের বদন ভার বাতাদেরে ওড়ে रैप्र वरपोरी श्निव पृष्ठि उाग शिया नेटड़। उंशिक्ट (प्रणिश्य मृति क्रांस जारव्यन जाठिम्रिष्ड (इंड म्निव इहेल मुलन।

ज्याखारख मूनि खंशे रित्र योग शेरज जल थाकिएए (इंड प्टनीए क्लिएंड) প্লবর্ণয় মুনি করিল আচমন उनेमा। करवन विजाशक उपनिवन। विशिव लिएन कड़ू ना पांच ए छत्न ज्हांग् इतिनी जल भाग (महेभारत। जन भाहरम हिंदनी क्लाउ माम कांटि ঘাদের সহিত রেড সামহিল পেটে ! দৈৰভোগে ছরিলী আচিল পড়্মতী म्निरीयं। भाष्ट्यं। जिनि रेश्न शंडरिडी। দিনে২ গাৰ্ক্ত ডার বাড়িল ওদরে लग् यांत्र नुमव रेंडल नेश्वावद्याद्य । মন্ঘা আকার হৈল হরিলীবদন न्य (प्राधियां इतिभी जीति यत्नयन । মনুষোর তরে ঘেষা ভূমি বনেবন আমার গার্ভতে হৈল শরুর জনম ৷

न्य (प्रलाहिय़ां हित्ती शिल वन जञ्जूनी दूषियां निशं पुज्न कन्द्रन । তপদ্যা করিয়া বিভাগকের গমন বনের ভিতরে শিশুর জানিল রোদন ৷ বালক দেখিয়া মূলি ভাবে মনেমন यनुषा आंक्षंत्र (एपि। इत्निविपन। रीगांतन जातिल विভाগक उरनारिन হরিনীর গার্ভি হৈল আমার নন্দন ৷ পুণ্ কোলে করিয়া মুনি গেল নিজ ঘরে नुमुम्ये पिया म्नि (निरिधन जिर्दार १ नवीन कुर्णेत्र स्ता कर्षे हेल ण्यान দিনে বাড়েন বিভাগতকের নন্দন। পর্ম স্কর হৈল বিভাগুকের বেটা भाष्यग्रा विद्य (म क्नांदन भृति प्याप्ति। श्याण्य विल नांग्र थ्डेल म्निवद्व । जानिन जिन्मान म्भ इतिनी अपरत नुस्तांत सम्मान घणन (तप् स्मात्न तर्ताः

ঘারে বর শাপ দেন কভু নছে আন তার আশবির্বাদ হৈলে হবে পুপ্রবাদ। কীতিরাদের কথা অম্ভদমান রামকথা বিনা ঘার মুখে নাছি তানি

विनिष्कित कथां घपि रेशन जवमान স্থান পার বলে রাজা করে অব্রান । लिश्यभित नार्य स्ति जस (प्राणे पत् (महे स्ति ज्योमिश्राफित स्तित (कार्डेंड । प्रभावया वाज कर विवयन লোঘশার ঘানি আইল ক্রিমের কারন। उन्धनु वरल खन एणं व्य न्नेवव রাজার নোঘে অনাকৃষ্টি দাদশ বৎ সর 1 বুক্তাল পণ্ডিত রাজা আনেন সকল আধার রাত্যে অনাবৃ ঞি কি ছেতু হইল। অকুমারী কন্যা হইল প্রত্যতী এই पोरिप वृक्षि न! इय नत्पि ।

मनिश्न वरल पणि क्षमार्भिक्ष आहिरम পাপ দুর হয় আর দেবভা যে বৈমে ৷ नशरत्उ (लाग्रानां प्रतित्वत (प्राधनां श्रधागृत्र स्ति जाति प्रित (कांत जता। मिटे यूनि जाति (यादि एका दिए नादि অর্ন্ন রাজ্য আগ্লি দিব ভার ভরে। সুড়ি বসিয়া তথা চিলে এক জন আগি আনি দিব পেই মুনির নন্দন ৷ श्री नेक्षा छिए (मर्डे य्नि नोहि जातन ভুলাইয়া আনিব দেই মুনির নদনে। এক থানি নৌকা দাজি দেহত আয়ারে प्रमिष्टिउ र्क (त्रिन उधित डिउदा ! छोल व भरवंब (महे स्निव मन्डि :को कुरक जूनां उ घारव घृवडी म॰ इडि। वार्छो खनिया वांष्ठा (लाधनां हांस्म ने चूकि स्तिप्त जाति फिरत फिरले। मुबदर्भव लोक। वर्षा क विद्या शिवन বিচিত্ৰ পতাকা তাতে কবিলা সাজন ৷

लिकिति अनेत (मानांत करेपत পর্য ফুন্দর নৌকা অতি মনোহর। ওপরেতে শোভা করে স্বর্নের বার্থ চারি ভিতে নাবে গজমুক্তার ঝারা। नांना प्रान्धव हिल्लन थाईएउ व्रमान গুৱাক নারিকেল দিল আয়ু কাঁঠাল ৷ গঙ্গাজন ভিন মণ্ড অম্তের পুর वाजियार फिल नेव्य मूजवी। ক্তানিতে লাগিলেন সকল কণসী य्नित (क्निनानल जांजि रव डमातांनि। বুড়ি বলে কেন ভয় ক্রিচ ঘুবভী ভেমিরা সকল ঘাবে আমার সংহতি ! धागन नंदरिङ (यांत् आंक्तिन (घोरत ক্তে শত ভুলায়ে চি মহাম্নিগ। लोकां वाश्यां यांग नव्य इतिरम लग्रा वर्षा योग्र क्षमाग्रित (प्रामा

ঘেশানে তপসা করে বিভাগক ম্নি मिडे वरन कनगंशंन वर्डिल उत्नी। বিভাগুক দেখিয়া সব কন্যাগান কাঁনে डम्मतानि करत ने एक नीन पिर्म (कारने। उत्भिवतन जांक पथा क्षांभ्र यान আমিয়া মিলিল তথা সকল রমনা। तोकां इरेट अल मकल खनमी उन्न कर उन्न वीना (कह न्दर टॅंगिना। বুজিকে বেজিয়া গায় ঘতনারীগাল यूनिव निकारे शिय़ पिल प्रवर्णन। घुवजीव स्राथ गीउ क्लिक्लिव दिनि (वप क्रां ज्यां यनि यव जीव गीउ शेनि । স্থা প্রঘভেদ সেই মুনি নাছি জানে यूनि वरल म्बर्भ हैहरड आहेल (एक्शर) ব্যস্ত হইয়া মূলি দার হৈতে ওলে मधर - कतिल दुजित नेमउरल । মুনিপুতা পায়ে পড়ে ঠরি করে কো वांत्र १ ठुम्त्र फिल यमन कथाला ।

आहेम १ कित्र मूनि उां मजात्क वरल এতেক বলিয়া মূনি আসন দিতে চলে ? अक्रामित कुर्णामन जिल उदि गर्द रैवम विलग्नं आनि पिरलस वृज्दि । व्यविष्ट्र विष्यां वृज् जुड़ेन पूड़े कांन विछ्नेजा विना नारे किंद्र जन मान। অনা মনের পারা আঘার বুকা মন विछ्व मुग्मार विना ना कब्रि इस्त। य्ति वरल रडक (यात् डाना जीवन अहेशांति क्व आंजि विक् आंवित। पिया क्लीमन नाउ पिरलत यूज़ित প্তা করিতে বৈদে তাহার ওপরে। ठम् अलिह्यां यू जि नाटक पिल इंड মূলি বলে বিজু আলি করিল সাহ্রাত ৷ ক্তেন্ধনে হাত দুচাইল তথান नुमाप लश्रला म्नित्त जांत्कन मानमन। মুনি বলে হওক মোর ভাগ্য জীবন विक्त नुमात (तर कतिव उन्नव ।

क्रल रत्न इंडि (एन श्रीजन न ज তল বলি মাওয়াইল মই গাড়ে চ य्ति राल अहे छल त्कांथा शिल नोहे अदिश किंद्र देलघ्र । शिल्ल उदर अवि पार्टि। भाउग्राहेल कार्यायुव भाहेर अवस्त कारमञ्जूष गाडिया मूनि इडेन डनाम । रहनारीन बदलेन भाडेल सम्बस ইহার অধিক আচে মো সভার দেশ। म्नि वरल डेइ।त अविक यपि नाडे जिंग्रत् उन्ह (एण जांग्रिक्त गांहे। यम्रत ज्लिल यमि यूनिव नम्न ज्यस्व वसन ग्रमारेल नाइशिना আমিয়া মুনির পুত্রে কেহ করে কোনে (क्टर (प्रग्न ठूम वपन क्याल। युनि लहेग्री करत मण्ड हाम नित्रिंभ प्रिणिया ग्रानित पृथा रहेन अन्ताना । কতক মন ভুলাইল স্তন পর্শনে क्उक यन जूनारेन डका प्राभीत।

युनि वरल 1रे छल घथा (शंल निह मारी कित्र लाह (यांद्र मारी ठाल घांचे । বুড়ি বলে আঠি ঘদি লইয়া ঘাৰ আমি (कारिने इम्म करद नीरित दिडां छक मृति। আজি শিভা পুত্রে থাকুক একভারে अकल कथा अल स्ति कहिरव वार्षित है जुड़ा विलिया यपि (मूड थेरिक यतन उत्व कालि उनमाग् नां पात्व उत्निवितः । न्य अञ् यांग्र यपि उनेमार्व उरव তৰে কালি লৈয়া থাব ম্নির কুমারে 1 এই ঘুক্তি বুজি ভাবিয়া মনেমনে ক্তহিতে লাগিল সেই মুলির নদানে 🌬 বুজি ভণোবলে বদে বলে মহামুনি শিঘোর আশ্য তার দেখে আসি আয়ি दिलिए लांशिल उरंद्र क्षमार्भे स्ति ভৌত্র নেবক হইঘা সংগ্রে ঘাব আঘি। उत्राह्म अञ्चित्र योग खाम द्वारा घारत (मरण दुश्वार्का, इति उति स्रित श्वांम ।

হুতি বলে এক্ল বাণু ঘরে থাক তুমি সক্যাকলৈ ভোমারে লইয়া ঘার আমি। এতেक विनिया सूनि धूहेयां निज चरत अव्हल नार्देशन हर लोकांत उनरत्। मूर्वा जम्ड शिव्। घणन रमिन निक्तिय य्सि वरल ता जाडेल यउ क्षमिशेरन। ক্রণনের সোনা হারাইলাম অঞ্লের নিধি বুঝিলাম আমারে বকিত ছইল বিধি। क्लिए यूनि विस्म वृक्क उत्न विजाधक उनेमा। कवि आहेल (इन क्रांता। প্রেরে দেখিল মূনি বিচলিত মন मूनि वल रकत योजू कति क कनान । क्षमार्ग्दर वतन जांदरी गांउ छन जन আজিকার স্থের কথা কহিব সকলা। कल जल भारेग्रां म्नित मुम् रहेल मन পিতা প্রে কথা বার্তা কন দুই তান ৷ ज्ञि (चर्रे (भीटल काना उनमानं उदर म्हा इहेर अधिरोन जाहेन (यांत चरत ।

মুঘত ফল মাই নাহি ঘাবৎ জনম এত কণ দেখি নাছি এ তিন ভুৱন। कड वा कात्मरंड जहे। वरवरक यांडांग् ऋउ वा न्द्रत्याना र्रोधिया पिन जीय १ কি জাতি মৃত্তিকার চেটো সোভেত ক্লালে ু ভাতের ভানু ঘেন ভুবনমণ্ডলে। কি জাতি বৃহ্দের ফল সভার গলাতে প্রেত পীত রঙ্গু কতে লেগেতে তাহাতে। ভেমত নাহি দেশি বালু গাজের বাকল েখিত রক্ষেঘতদুর রক্ত পীত নীল। কি জাতি বৃক্ষের লতা সভাকার হাতে মলি মালিক কত গাঁখা আত্তিত তাহাতে ৷ পর্ম ব্রাহ্মণ সভার লোম নাছি মুখে জুলার সমান দুটা মাণ-স্পিত বুকে। তাহে ঘদি হস্ত করাই পর্শন ন্ত্রপান হাতে পাই হেন লয় মন। श्रीमालन म्नि खेनि पूर्धा वहरत नी प्रम आयात पूरा कड़ नाहि जाता।

विजाशक वरन वाने जाता जीगन কামাটারী রাহ্মদী তারা বেডায় বনেবন। यांब नेत्वा नांब वान वात्राहरू जियात्व नारि भिडेतन रेएवं भार्व नां भारत निस्तादा । अधाग्र वरल वान ना कर अयन এমন দ্য়ান নাই এ তিন ভ্ৰন। कालि पपि विशि मिनांग जो मर्जारब अक्रिलि विष्रांग् जांगि कहिन् (जागांदर । आंद्रा दांजि हिल सूनि पूध रेनदां पद उथानि वृद्यां उ म्निनाविन ने ध्याद्र । রাত্রি ণৃভাত হৈল রবির কিরেল न्य नरेगां मृति डार्वन मतमान। यपि आगि मत्त थाहि पूरा कित मारी रिम्म नक्ष हत्व (यांत उनेम्गा हत्व राम। করে স্থা করে পুথা দব অকরিন স৹-সার অসীর সর সত্য নারায়না नुष्यादत नुरवर्षि कति घरत थुर्ग सनि कांत्र मास कथा वर्जा तां कहि उ उगि।

उरिश्व वर्गिह श्रांकनिन जुनिन जुनभी उनेमारं कदिएउ जिल विडाउंक के घ। बुड़ि वरल वुड़ा यूनि छाड़ि (शेन ग्रंब मरड ठन जो न शिया म् नव रक्डिब । उ'ल कत्उनि वीना (कर न्द्र देशिन य्तर कार्टा आहेन मकल कने भी। प्रति द्वा दिन राज्य हो देश दिन वाख हिरा विद्यं स्ति वृज्ति ठवन। आयादि अज़ियं कालि (शत्न मेलारियं आवा वाजि का नियां हि जियां व नारियां ह মেই জল দেহ মোরে করিব ভক্ষন अधि क दि रेनग्रां ग्रांष्ट कवित श्रात. मक्न (नांदकाउ नृत्या की उर्वाध्यात वांभी न्द्रीत (वांत्न जूल शिवार्ग्य मिन।

কোলে ক্রি বদাইল নৌকার ওপর স্থাহ বাহ বলিয়া বুড়ি ডাক্তিনে দত্র ।

भौका वाहिया यांग्र यनि नाहेक जातन शिधाण्यस्य वाल विम ज्योत्त वार्म । लिशिनंदित द्री उत्र पिरे पित प्रमित जनातृष्ठि किल तृष्ठि इरेल उशान १ লোমণাদ জানিল মুনির আগমন भौगा अर्चा पिश्री तिल स्नित् नकत। लिश्यनोरम् कन्यो नारे पूरा विग्रात प्रभाव राधित क्या विज्य पिरलत उद्दित्। मणंत्रथत् क्ना उथा णांदा घांत् नांय मिरे खना। वाजा यूनिव उदव फिल फान । সম্বন্ধে হৈয়াচেল রাজা ডোমার জামাই मिडे यूनि जान शिय्र (लायनारप्त विडि। मिन्य यत्न कर्र भाज नाग्रक नुश्लांटक क्यात मांन विवित्त विडाधक। (घरे (मरणं रूप् क्याणं स्तरं डनाग्रांत অনাক্ষি দুচে দেশে হয়ত কলাৰ। ক্রতিবাদ পণ্ডিতের কবিন্তু অনুপ্র आनत्म विमिन्नां म्य श्रेम द्रायनाय १

ज्यानु वरलन खेन द्रांजा प्रभंदरथ य्निद्व वंशियां वृज् लांशिल कहिएउ। যুক্তি বলে লোমপাদ শুন মোর বালী ভূলাইয়া মুনিল্প আনিয়াতি আমি ৷ धपि न्नान (प्रय क्लारने विजाशक शिष्ट वांजा महिउ ज्या हरत चमावां नि। डांत्र हैं। है पित जूमि नेरिक नित्रिक्षान निरथटि कवियां तांग वक श्रीय खान। গক মহিদ্র পুজা রাগ্যহ সম্বর গীত বাদ্য নৃত্যোধ্সাব ছওক নির্ব্ধ शीउ बाद्या (दिभिया) उथानि उपियेन घउ (कांत इहेवां थांत्य हत्व नीमद्भानः। বুড়ির বচন রাজা না করিল আন निध निध करत श्रीय तक दक् म्रांत। প্রাশ্সের গ্রাম বলিয়া তার নাম अवर्व णमापुड नूबी पिता पिता श्रामा श्रमार्गंभ त्रशिलास (लाग्रने।एत् चर्त বিভাগক ত্রস্মা করি আইলেন কটিরে।

जांत दिन परत रेहाउ खेनि (वपनिन भि पित ता नाइया गंद्र आकूल रेंडल स्ति। जांकूल इडेग्रां मृति प्रांशिष्टेल उथा क्रांनियो बल्लन वाने क्षमान्त्र (क्रांथा। उनमा कित्रिम वान् आधि आहिलांग मर्ब हिं जोमि कथा कह पूरिण घरित है वनिष्ठर शिन कृष्टिरव्य प्रांटक मुद्धर बलि जोटक मुद्ध नाष्ट्र गरत। क्यू उन्हों जिय़ । प्रत्न इयि जन करेठउता रेश्न मृति १८५ वृक्ष जला হ্লেনেক রহিয়া তেতন পাইলেন মানি क्षमान्ति वरन कांत्य जाकाम अयनि। তাপতোর সুহস্মান নাছিক সংসারে घोर्चारत (परागन ग्रानि जिज्जोरमन उरित है মুনি বলে ভার বনে ঘত ওক লতা पिराग्ठ (उधार्व जांचांत्र वांचा (जांच किथां) है म्त नक्षीत उत्त स्ति लाजिन स्रीहिड जामद्रां (मरभाद्र श्राह्म श्राह्म यांद्र

खानियां। यांन विडां छक म्नि कड पृत शिया नार्ने शुभय अक्रानि । সকল লোকেরে মুনি শোকেতে স্বান क्षित व्राजाव श्रीय १ कह विष्यासीत। ঘোড় হাত্ত করে পুজাগান কন কানী श्माग्दित श्रीय देशंव ठांत्र जिनि। लाग्नाव कना। उरिक प्रिग्राफ (को ज्राक গাম পশ্ৰ জন্ম গজ দিয়াকে জৌতুৰেঃ <u> अहे कथा कहिएलत घउ ज्ञांशंब</u> কোঁব মন পেৰ মুনির অতি ছা
। म॰मां क तिए पूर्य करतर मारी जीत कुर्णन खरन म्नित गाछिल विणीत। ওথা অপুপ্রক রাজা অতের নন্দন शमान्त कतिरवन घष आत्युन । আগ্রারে আগ্রান্থ করিবেন দশর্থে मिरे काल इरव पिरारे नूर्धित महिएउ। এতেক ভাবিঘা যুলি গেল নিজ বাস আদি কাণ্ড রুচিল পণ্ডিত কিন্তিবাস।

प्रणेहरधेत उरहा स्मानु अहे कथा। यरला यूनिरक जौनिए इंग्जिं। प्रभेत्थ ठरन । भीगुरोडि (शल व्रांडा) लिधानीर द्व परव চতুরম সমে রাজা ছরিঘ অন্তরে। मणद्रथाज्ञ नांहेग्रां वांछा (नाग्नांम वांजा अंक अनिहारत त्रांका उरित करत नेका । निष्टां के रहा है के प्रिया वाचा किर्य करिया इड्यारिक (उभाव व्यशियन । प्रमंत्र थ वरल द्रांजा श्रेन (इर्व वांजी आंग्रांत वांधी लहेशा ठल क्षमार्भि गूनि। অনুতেশ্ব শাপ আচ্চেয়ে অভীও কালে म्यवान इहेव न्यांगि क्षमाण्य शिला । এত ঘদি কহিলেন রাজা দশর্থে लामपार लहेगा राल मूनिद मासांउ।

न्नांग कवियां वांजा (पांज करव शंरड (लाग्रनाद निविष्य लाशिन कहिएउ। प्रमंत्रथ अहे व्रांजा खंतन जागानि जुमि क्ना कत पति इस न्यातात । স্তী ক্লা বিভা আমি দিয়ালি ভোঁমারে मिट कना। जिनावाहिन अहे वाजाव घरव । ইহার জামাতা তুমি ইনি হন শশুর অপুথকে তাপিত বড় তাপ করে দুরে। रिशंदन जानियां यूनि यदनर शंदम ইছার ঘরে বিষ**্** তানাবেন্ চারি ত**্**শে। তান্ধক মুনির কথা কভুনতে আন भारतक जातियां स्ति कित्रिल नियान । क्ना जायांजा लिया ठाटन निज त्रथ ज्याविशंग जीरेल ब्राजा (लीग्रनांद र जिल्ला स्वानिक पात्र स्वानिक स्वानिक स्वानिक निमां क्षित करव यानिव मटि करवे ने जा। विलिक्ष आहिल आहेल स्वाहिती शिषाणीत तत्न कत पक आंत्यन

অপ্যের ঘক্ত রাজা বিচ্ছ আরাবন यउ म्निशन यांजा कर निम्युल। प्रमहर्थे विस्नुन (डान (पर्नर निम्तुल नेशियों पड स्निशंल जोडेरम । जान्हा जांशन्द्रा जाहेल (नीलम्हा नेत्लांस रैवलम्बाम जाहिन मृत्यमा शोउमा रेजमित (शांउम निनित्ति नर्भमर प्लइ (को छला जाईल निभाकत्। মরিচি মুনি আইল ভর্থ ভর্দ্বাজ छास्थिक श्रुनि आहेल कृम्य एक तथा । राशे यूनि प्रिधिष्ठ आहेल स्वत् इसि मूर्ज वाजा म्निशन वार्ज् मतन दूसि। मांजारलय आहेल किनित यांजाम अशिराविण्णं (परे कविन जम्मत्रं नि । विष्ठांन ठक्तांन आहेल सांविशि जलत डिउद्धत यूनि आहेल य-मार्क्न । अनक अनाउन आहेल अनम्बद्धांव (मोडित ग्रिन आहेल विष् अवडांत ।

चग्रमांत कृत्म थांकि जांद्रेन वान्त्रीति क्लात्वंत न्य जाहेल नाम विडाधक। ক্তেক আইল মুনি নাম নাহি জানি प्रणेत्रधित घाष्ठ जाहिन जिन क्लिहि स्ति। তিন কোটি মুনি ঘারে যেদেতে বাঁথানি বেদ পজিতে মুগো বের বি অগিনি ৷ न्धिवीख (क्ष्य जार्क अक नाम ज्य ক্তেহ অনাহারে আতে সহস্ বংশর। यांजाय किनन उद्देश (कोनीन निविधान नांवांग्रन कथा विना ग्राम नाहि जान। এমন আইল তথা তিন কোটি মনি हेरांत मारी एक लिया मण्या नाहि जीनि মুনিগবের উরে রাজা দিলেন বাদাঘর न्धिवीत वाजा जाहिएम जाएपाविष नश्वा মিথিলার আইল জনক রাজঘি यन यहां तां जाहेन तांजा यांत कांगी। অম দেশের রাজা আইল লোমপাদ নাম वस (परणेत द्रांजा जादेन नीनप्रनगाय।

यवििन्द्रव द्रांजा (निर्नित्म्व চুদাপর ছইতে আইল চম্নের ঈশ্বের। তৈলপের রাজা আইল তেজের নাছি সীয়ে कारिनि (क्रांटि कार्डन क्रांक्रिय विकिध्य १ योगित यगित जाडेल गिकांत क्त्नां লক্ষ কোটি রাজা আইল চাড়িয়া ওজরাট। ওদ্যুগিরি অন্তগিরি ঘত রাজা বৈদে पणद्रध्य नियनुत्व मव द्रांजा जाहिए। घउर व्राजा जाद्रम नृधिवीयधन अप्राणिति जाजिएएउ जाहेल अवल। মেদিনীভূবনে বৈন্দে ঘত রাজাগাল লানা রুপে আইদে সব সপে সেনাগান। अरकर कि डिउ नीम जाति क न रह लेका রাজা ঘত আইল আট্রান্দি কোটি লক্ষ্য এত রাজা আছল দশর্থের গেড়রে রাজচফবর্ত্তী রাজা সভার ওপরে। जां जिए क्रिन मां प्रणेट्रथ (एथा मिरलन र भारतत रुत मग्ठिउ (लग्रा)।

घउ वैन जाति जिल वाणिन डाउरिव नुरडाकर् रामा पिल मडांकर्त्व। यञ कविराजन त्रांजां नवपूत जीएत श्तिरील शिलन वांजांव पजणाल । जानि (धांजन मज़ (फिशिएज प्रीमंब एण (पांजन (महे जांदज नित्मत । ठांति (काणं दांनिस्पंटित घटकत (याधानार अरडाउ लाउक (पोजन (महे पजलाना । म्निशेन रेवरण शिध्र चर्वत डिउत घट छत् यात्य कर्तन (महे खंड काल । य्तिशेव रिक्न आंशि म्य मिं राष्ट्रत म॰-क्लू क्रिल उरव जरजद नम्ता प्रांधिष्टिल प्रभाव्य (पांच्कवि इंडि ক্ছিতে লাগিল স্ব ম্নির সান্ধত। চোট বড় মুনি আমি জানিব কেমনে আজা কর কারে আগে করিব বর্নে। क्षमार्भेन वरल विज्ञाधरकव नमन आशिए करू इ म्नि दिनिए देव बद्रन ।

हक्तांत्र (रही आहे तून न्ट्रांहिड अर्त्त वः ल कांशी मारम्द विहिउ १ ৰশিষ্ঠে বহিয়ে আগো দুবাও অভিমান वड (ठावि (कर नार करने कारापा। लांन जान व लाग्र मतल य न वरल बच्च जानक्षांत्र वांजा नित्नन मकत्न। अकल श्रुति अक कारल किल (रापर्वित विष निव्हित मूरिए (वर्गेम काशिनि । मिरे जारी निविज् कदिल स्निश्न তািুর কুণ্ডেতে নিয়ে করিল ম্পান । আত্রর ভত্তন তিল ঘর রাশিং अरकः जिल एउ अरुण कन जिय। अक य मत् वाक कत् द्रांका प्रभंत्रध (प्रवर्शेत इस (इधि। इहेन स्टार्शित । विश्वम्यावं (विधे वाजा प्रणानन विषय प्रियं लक्षांट महोय (प्रदर्भ । डेकु बल्लत नुक्ता रहान कृति अशेकारल ए.ना किरम लायन आश्वा

मुख्ययं नांशिर्यं प्रभव्य यक करव তার পুতা হৈলে তবে দশানন মতে। अहे पूंकि क्रियों घर कर (प्यशिन ऋरितार मगुषु शिल घथा नौतांग्रन । ठांति यूट्या तुच्छा शिवा करदन खरन क्ड निष्य पान नेड् एवर नार्थाप्त! परउटल लक्की (पवी करतन खरन जनस्भेगांग् खंडेग्रांटलन डरावान १ ज्यक्त (एउडा निया एडाईन क्ल रिवल भंदींद (धन नां धान शिमांत्लाः श्रेष्ट्रियार जन छ अने द्व वाम्यकि महम् छना विविद्या अनेत्व । मिवल्कत नुजि नुज् ऋत जावरीन जियात निप्य निप्य जाशित जाशेत्रवा विनि छ कर पूर नेजू अधिरुप्तन कोति यूर्ण वुस्त्रं यपि कविल खरन ।

स्रीरदारम अविद्यां एवं कमिन नादाद्व ठोति पिरंग (पिधिस्तिन घड (प्यश्ने । विमिया नुज् जशेवान रकल अक भाज (मडे लेट्यू इडेल (स्रोक ठाविनेत्र श्रुते। বিদয়া চাছিল পুডু দেব ভগবান यलीन (प्रधिल अव (प्रवित रुप्त । यलीत (प्रशिशं जिखारम्न नांत्रंश्ल ভোমা সভাকার শতু হইল কোন জন ৷ दुक्ती वरलन खन (एव नृद्ग्रद ज्या शिया कह कथा चेज्य शिवत । আমি বর দিয়াজি রাবলের তরে ज्यि शिग्रं क्र पृष्ट्य पुज्य शिर्व र দেবত্রক বৃহমুতি ঘোত করি হাত প্রত্য আংগেতে গিয়া কৈল দণ্ডবত ৷ অববান করহ ঠাকুর ভগবান আগেতে জানাই ঘত দেবতার মান ৷ আগম নিগম ভুমি বেদ পুরান जनारधत नाथ ज्या कत नित्रतील।

বিশ্বভাৱ ষেটা রাজা দশানন लक्षान्दी महिल दुस्यांत कति जातारित। ভার তেভো ভাগে দেব রহিতে না পারি (प्रतिशिद्ध) वरल योजि (प्रय हिस्क्रेवि । याग्रह मृठाहेल पुछ् यउ अधिकांत जरूरचंद्र अग्रा नारे नृधिवी जिउत् । চন্দ্রে কতেক ক্ষম নাছি তার জ্যোতি एण होजांत वर्भव स्राप्त एक्टांत त्याव। হকলের ঘুচিল আগাই ঘত জল অগ্নি নিবর্তান হৈল নাছিক পুৰল। ক্বের বিন ছরিলেক্ছ পাইয়া তরাস গুহগনের অধিকার হইল বিনাশ। প্ৰন বাঘু সমূরিল পাইয়া মহাভয় সমৃদ্রের বেগগতি মন্দেই বয়। নার্দ ডাভিল বীনা বীনায় ডাভে গাঁড जार्मन सर्द्र यज रेंडल विनेदिज। বসন্ত আদি অবিকার চাতিল চয়ে পতু নিতা ভয় পাই সব থাবলের হেতু।

नुक्तात तरत्य आड रहेल प्रज्ञंश जारत वर प्रिया वक्ता जानित नाहिल छत्। र्सांद्र यत पेटियां लाई युक्तांत वठन म्बर्ग रेहरड (अप्रांडिय़) फिल (प्रवर्गने। कां जिया शिन यं एत्वित कनगरत क्उ जानेमान मार्ड (ए (वंद ने देरेत् । ত্রিভুবনে রহিতে নাহি কোথায় দান यथा याहे उथा वांदन करव जनगान। নিবেদন মহাশয় তোমার চর্বে जानि विधियां द्वांवन वांगा प्रविश्व গুনিয়া পুভুর ফোর বাড়িন অন্তরে দাত পাইয়া অগি । যেন বাড়িল অপ্তরে। বিশতানন্দনে হরি করিল স্মর্প চক্ত হাতে লৈয়া পক্ষে করে আরেছে। म्हर्रिशंदम थांक मांड ड्यं नहिं आंद्र वांवरनरतं अहे जांचि कवि शियां म॰-हांव। शकरक ठिक्रियं घणन ठिल्ल जशस्थ अहे कारल पाछाल युक्ता पुजूब मांकांउ।

তামি বর দিয়াতি পুভু রাবনের তরে এই कोरन शिल पुंडू तांवन नां**डे** यरत। नरवव अमरत यमि लहीं जनम নর বানরের ছাতে তাছার মর।। मुंजूत मासार वृक्ता रूष्ट अहे रूथा জনোর নামেতে পুভুর ছেট হৈল মাতা। বর দেবার বেলা বুক্রা হন আগ্রেয়ান বিশত্তিল বলে রাশ ভগবান। क्छवां व पृथ्य नाव ननार नियन পৃবিথিবীতে ঘাব स्वर्ग क्रियान য়उज। হাতে অন্মে দ্র্যাদের লন্ধার দারি ইন্ মালা গাঁথিয়া দেন চন্দু জত্রবারী। আশনিত অগি দেব করেন রন্ধন यक्र वांडाम उरद करदन नेवन। হক্তা বছিয়া জল দেন নিতি নিতি গৃহ মাজুনা হরেন আপনি বস্মতী।

यध्यतं ऋषा भानत्न (उधातं श्रव श्रम রাবলের ফাহিয়া দেন ঘোডা হাতির দাঘ। শनित पृष्य दिज्यन जमा रेश्म अरेज कानेज रेडिया (एन कतक लक्षान्दर । জগতের কর্তা আমি বুহ্মা মহাম্নি লন্ধার ভিতরে চাওয়ালে পড়াই আমি। রাবলের সাক্ষাতে বেদ গাএন নার্দ विश्वत जिति शंबन कि विरु मिन्ता जना रेल एउ ज्ञा पित इहेल काउत आनिनांत म्हि मकल लग् ठकरीता। আর বুক্সা আর ইন্দু কর্ছ ন্তন আপিনার ফুডি সব লছ নারাঘ্র। अध्यक्त विलल दुस्ता कक्न विष्न ज्जिर पन पुज् ना इहेन जान। कहर वृक्ता अनीग्र वन त्यादि কোন ব ৽ - শেতে আমি তানাব কার ঘরে। কাহার ওদরে আঘি লভিব জনম অাঘারে বা পুণ্র বলিবে কোন जন।

युक्तां बरलेन जना नरव प्रभवस्थत घरव म्पारिक-रणंख जना क्लोणंना अपदर् । वुक्तांत वहत्न वहन्त हक्ष्मां भ मणंत्र थ दक्षेणंनागं जोश्राटक जांगि जांनि। পুরেব আ্যার সেবা করেতে বিশুরে তে মা ছেন পুপ্র আমি বিরিব ওদরে ৷ নরের গার্ত্তে আমি লভিব জনম বানহীর গর্ভ্তে জন্মগা দেবগা।। আমি নর হই তোমরা হওত বানর রাবল মারিতে ঘেন হইও দেখির। वुक्ता वलन छारी उना नह नांद्रांत्व नेप्रउप्त नेजिल्ला मार्गिया केन्द्रन । ভোমার অবতার হবে পৃথিবীমগুলে हर्या प्रत्नेन याच्य नाव कर क्रांत्न । जामाद्र क्रांक्स श्वांया शाह्य वाह्य शिंड घनुना जाशि महिएक ना नावि। नम्भी व द्रोपरत कार्यान ठाना वल (प्राधि लक्की (क्षेथा) भून पांव उत्राध ।

শুনিয়া পুভুর কথা বুক্রা মুনি বলে প্রনিয়া পুভুর কথা বুক্রা মুনি বলে। প্রনির্দা দেয়ে বিজ্ঞা তুমি জন্ম হবে চামে জনকের ঘরে জন্ম মিথিলার দেশে। মতকে বলিল ঘদি বুক্রা তুপোরিন আদি কাণ্ড গাইল ক্যতিবান বিচক্রন।

নারায়নের জনাক্থা থাকুক এই থানে আগেতে কহিব এই লক্ষ্যীর জনয়ে। যেথানেতে বেদবতী চাড়িল জীবন সেইথানে হৈল দিবা যিথিলা ভুবন। তার রাজা হইল জনক নামে প্রিলি দুংগ্রের কারনে রাজা যজন্ম চলি। হাথে লামনে রাজা চালন্মি চলে উন্বানী চলিয়া ঘার ওপর আকাশো। তাহা দেখে জনক হৈল কামেতে যোহিত আঁচনিয়তে প্র্যির বীর্যা হইল মুলিত।

रैपराधादां निधिर्दा आंजिल क्षेज्य डी शिषित वीर्वा निज्न चिप्ति शिर्ड रहेल उथि। जिम्बर्गाउ म्थियी शं विद्या डामिया अरिल डिम्ब लाभिलानिदारल । তিদা ভারিয়া জনক করিল ফান্ कना। इज् पिणि उरिष्ट लझरित स्थान। डडी ठडी कहि कैरिए कैंग्जि कनारेशानि आंठिम्ब्रिट आक्रांटण इडेल रेत्ववानी। ठामब्य रेश्ट अहे कनारंत जनम তোঘার কন্যা বটে এই কর ছ পালন ৷ শ্রনিয়া জনক বড় হরিষ অন্তরে ক্রন্যা কোলে করিয়া জনক আইল ঘরে ! य्वीरेडि लांशिल (य जनरक त तांनी किंद्राद्र पृथ्य प्रियं जानिला कनाग्यानि १ জনক বলে চানছমে কন্যার জনম আমার কন্যা বটে তুমি কর্ছ পালনঃ खनउ। नाहिक (मृह वाजिन विख्**र**क पिरत पिरत वार्जन लम्बा जनरकत घर इ

रक्ण राजिल (यन स्वित्य कांग्रव उसे उचित् (यन नामा विम्यादन । মুদ্ধিতে বিরিতে পারি স্ক্রাকাল श्रितः याधिउ निप्निष्पात जान्ति। भव्य म्यवि रेशन (यन (र्यन्ड) णिद्रांत्न इहेल उन्ता नांच युहेल मीउं। नम्त्रीत करनत किंवा कहित ज्लत यांत्र करने ज्लिखन जानेति नात्राप्त । (परे जत श्रुटन अरे लक्जीत जन्म रीत नूश नद्यी जांदर प्रत नांद्राय्व । ক্রীন্তিরাস পণ্ডিতের ক্রিড্র বিচয়ল जांति कांछ शोहेल नक्तीत जनग्र।

মিথিলায় হৈল যদি লম্পীর জনম অঘোর্যায় জন্ম নিতে যান নারায়ল। দশর্থ যজ করে এক বংসর যজশালে আদি দেখা দিলে গদবির।

न्त्री एक राजा निमा एक व अन्ता किरी हि कुछन कटल छहर रमग्राम्। वह करने (लगा जामि दिन सावधान (करान (विधिन क्षमान्त्र उदनातिन। यनि वराग प्रणव्य ज्यान्वावान (अंधांत चारत जिनास्ड आहेन डिनेसान। इन कारन जाकागतानी इडेन ह्या का तिए जनान वांकरन कि एउ अश्वांता क्षेचागंति यति प्रिल प्रदेख आंध्रि एक হৈতে ওঠে চকা বিষয়ে আকৃতি। वेछ्यानु श्रमान्त्र उास्उ प्रिक्त क्षेष्ठि जांदा प्यतन मिल जाना स्वयं प्रांत १३६ । (अरे क्टल नांद्रांघल कदिल न्टरण চকতে মিশ্রিত হন শুভু জগদীশা। जुनित्नक ठक मूनि म्यूर्वा थारन प्र नंत्रथत श्रांत प्रांत प्रिन खंड कार्ता। जास नार्वे किया करों इसन वह ठक रेहाउ हरक छ्रियां व नमन्।

श्रात ठक शांख पिन वाजा बत्य शांख অন্তঃপুরে গৌন রাজা পবিত্রের পথে। किर्णना (करुयी विमिया पृष्टे द्रांजी अक डांश जिल ठक किल पृष्टे भाति। তাগে ভাগে দিল রাতা কৌশলার তরে लिंघ डांशिशानि फिन (कक्षों (फवीरत । ठक प्रिया घडणात्न शिल प्रभंत्रध হন কালে স্মিত্ৰ আইল কানিতে ! ষ্ট্রন্থানে আমি রালী চাত্লি নিশ্বাম कात प्रा भाष्ट्र वाजा ना किन जाशामा দৌর্ভাগ্যা নারী আমার বার্থ জীবন जागरत विक्या भाडेवा कउ नीरव देन। छनिया (कोणनार्व प्या जन्मिन जनुद्व বলিতে লাগিল রালী স্মিত্রার তরে ? भुडिय जिं उ जाहि । ग्रन डिनिष्ट हिंगिती আপন ভাগের তোমায় দিব ভক্ষানি। ইছ তে ভোমার ঘদি তলোত নন্দন আমার পরের সমে বরুকে সেই জন।

अग्रिकः वदलन मिषि अहे पिष्ट वत পুথে করি দিব ডোমার পুথের নছর। অগ্র ভাগে রামিলেন আপনার তরে (णम जाराभावि फिल म्याजा फिरोदर १ हि॰ जिंका किक्यों डांडा वरम (पराध चार्व মান্য করি ডাকে দেই সুমিত্রার ডরে। তাপন ভাগ ভোমার তরে দিব অর্দ্ধানান তামার সত্য এই দেবী পালন কর ত্মি। আয়ার চকর তাংশে হয় যে নন্দন আমার পুথের সন্ধী কর দেই জন। अधिया बरलन बलि अहे इहेल बद्ध তোমার প্রথের আমি করিব কিন্ধর। এই বলি শেষ ভাগে দিলেন ডাছারে जिन जनाएउ ठक भाडेल अक कारल । এक जा⁰्रण नाव्यां । ठावि ज^{्र}ण रेह्यां তিন রাণীর গরেঁ তলা শ্রভ হলে পাইয়া। ছেথা ঘত সামি করি রাজা দশর্থে ব্রাহ্মনের তরে ধন লাগিল বিলাতে। ব্রাহ্মনের তুম্ব কৈল দিয়া নানা ধন সভে আশীন্বদি কৈল হও পুথাবান। বিদায় হইয়া মুনি নিজ দেশে ঘায় আদি কাও গান রাজার অশ্বমেধ সায়।

হেথা তিন রানী চক করিল ভক্ষন
কোটি স্থা জিনি হৈল তিনের বরন।
বৃদ্ধা হৈয়া জিলেন পাকা মাতার কেশা
চকর ভক্ষনে হৈল পুথম বয়স।
বিবাতা সকল মায়া করিয়া ঘটন
নক কালে প্রত্যতী হৈল তিন জন।
দেশর্থ তানিলেক এ সকল সক্র শতুর লক্ষন হৈল তিনের হৈল গর্তা।
এই মত গর্ত্ত তার বাড়ে দিনেহ
দুই মাস গর্ত্ত তথা হৈল তিন জনে।

চারি মাদ গর্ভেতে পুতীত হৈল মন भक्ष ग्राम शार्डाङ खनिन जिज्राता। न्यम शर्खन कथा कहिएउ लखा यानि यूग ठम् रेहल यिन नुडारडत्र मंगी। व्हालिया कूट इत् यूट्रा अपत हिक्न य्जिकांत जहारनाड मारांडे घांग यन। चन चन हैं। हे अर्ह जानम नग्न পাণ্ডর বর্ল অন্ধ মানিল অভর্প ! क्ष वर्न देश्यां अन पृष्टे खत्नय (विदि शास्त्रा ना त्राह्य वच्च निजा वन हेटहे। এই याउँ रेट्यू शिन शाख्य वक्तन ন্য মাদ গাৰ্ভ্ৰতী হইল তিন জন 🛊 দেশি দশর্থ রাজা আনন্তি মন नक शवा पिया किल शिर्द्धत भौतिन। न्वर्य जात्नात उनमाति छ त्वत कांत्र अ (कोमनारित पिथा पिन मुड नार्वाधन। এक जिन क्लिनंना। (य खेत्रिय) खन्त ठर्ड्ड क करने (प्रभा पिल नावाध्रत।

नाही ठक राष्ट्रा निष्ठा नांत्रक द्वांत्री এই करने पिया पिन ठीक्य शह विश भ्याजारव हकारल एउ लडेल नाउपएन यां विलिएए (कोणनांदित जीकिन उधान ह সুবের্বতে আমার সেবা করেচ বিশুরে मिडे नेत्वा जिनानांग जिंगांत उपरित र आनित उपयांत शाई लियां कि जनस न्य विल उत प्रियां कर ह नीलत । এত বলি অদেশন ছৈল নারায়েলে किणेलारं वलन कियां प्रिणिन स्ति । किंगि मुक्न कथा द्वांजा प्रनेत्रथ या विल्या जायांत्क जिल्ल जिल्लार्थ। শ্রনি দশর্থ রাজা হর ঘিত মন हिन वृथि ज्ञा हत्व जनस्व व । युंध्कर । उरव पान कविल प्रावल अहे करने एम शांक डांड रिहल नृज्य जारा नुम्जा नावी इहेन उधन अधि। (एणि एणंद्र आतिन्द्र यन ।

अधन उधन नांदी श्रेटर नुमन अहे इव भीन कर्द नशब्दामी मह। धिरे जिन इसिक रहेरद नांद्रांस्ल आरहाण घुड़िएएड विमल (प्रवंशक। खंड शुर एउ मत तमिल स्रितर प्रमा पिता यसना मकल उर्वाशास्त्र 1 किंग्लात रहेल जांदी शर्बरयपन जातु अनंदर् नुरयणं कत्रिल नांशिशेन। यवै रेठज यांम छङ्का कारायनवयरि अञ्च काल इधिक रहेन कम्नोनि ह शब्दिप्रना नाहि नाहिक (भीनिक छंड ऋत्न नांत्रांग्न रहेन इम्डि। ভান্ত হোন স্বালিলেক বাড়ি (क्रिसि मूर्धा जिति हिल (प्रदित मूत्जि । नाग्य नंतीत न्ज्व ठीठत क्छन ठम् जिनिया यूग करद रान्यन १

जाजित निम्रिड परिर्मल ज्ज पृहेर क्यल ने जिति कम् तक वर्न जिते । সিন্দুরে মণ্ডিত রামা কুণ্ডল সুন্দর क्यन जितिया नुजूत नाजिउ शजीत । मा-माद्यं क्ले (प लियां जाहिल ज्ञानाथ किरवरा जुलना फिर कार्य फिर राउ। छग्र एलाएल फिल नावी गन क्यन नांडि चुंड्र कदिन (जपन। क्लोमनार्व प्रामी स्मिष्टे खंठांवर्छ। नात्य पियान घरतं वांछी मिल जारजतं नमाति ह श्राम प्रणेत्य द्राज्यानेना नीमद्र अक्षे अञ्ज्ञ वांजा प्रिलन प्रामीद्व । পর্ম আনন্দে রাজা পাদরে আপনা र्किस्टिल्ड प्रांत प्रिन जंड व्यांत (यांता ध आनम्भागरत दांजा जात्म समह ठाँह मुन त्रिन प्रिन प्रांन अक भंड शिष्टे। পিএক আনিয়া রাজা কৈল শুভ হল न्थ्यम्भ (प्रियुक्त व्य प्रणंत्रथ यान ।

डेन्त् (यत ठितिलान निठीत यमिद्व ठम् यित आमियां क (इंक्टिनीत चरत । बिमियां छित (कोर्णनार्ग तांश्यून (कार्ल প্রা দেটিতে দশর্থ গেল ছেন কালে ঃ शिरत्र एणंत्रथ न्य निन ब्राट अक लक्क दुम्त उर्व फिल ठोफे घटाए। লুত্রের হিয়া আপন হিয়া করি এক বুক আজি দে দিবস ছৈল দেশি ঠান মুখা। শুভ দিন হৈল আজি পোহাল রজনী ভোর মূশ দেশিয়া আমি আজি বনামানী। अउ रुलि प्रलेख्य यदनाउ अनुनि द्वारमत जन्म तिष्ण निधिष्ठ क्रियंत्राम ।

এক তাংশে তনা ঘে লইল নারায়ল শুনিয়া কেক্য়ীর বড় দুঃমা হৈল মন আজি হইতে কৌশলাগ কড়িল মোয়াগে আমার পুঞা কেন বিশ্বি নাছি দিল আগগে হ

जास नेया तांजा इय मकल लांच्य जाति आग्रांव न्य विधि जोशि फिल नोहि रहनि। बनिएउर रेश्न शर्खतं (यम्न किक्य़ी तत्न कुर्जी (यांत्र शां करत (क्यन । यारेप्त गर्ड जिल पुंच् कति पेमामन शंड ऋत्व इधिष्ठ रहेल नांवांवव। क्लिमना त्रांभीत न्य प्यान कन दित (मरे नांक (मरे ग्रूथ किन् नांहि नार्ड। कुजी शिया बार्जा मिल मणंत्रधात उद्व न्य रहेल (उधांत (कक्य़ीत अहरता। खति प्रणेत्थ त्रांजा जानता नामद्व न्ध्यम्ण (पराग निया (कक्य़ीत चरत्। न्यम्भ (एकि त्रेज) नद्य नीदि जि বিল বিলাইতে রাজা দিল অনুমতি। म्यिद्यां देश (भाग भाइत (तपत यग्रक पृष्टे नृधा वांनी नुमारव उधन। शोत वर्न दहेन (मैरिह विक् जवजांद्र म्यित्रां नुम्तर हेर्न प्रयक् क्यांत ।

घग्रक पृष्टे वृधा गणन वुमरव म्यती जग् जग् थलाथलि फिल मक नार्री। দাদী গিয়া বার্তা কছে দশর্থের তরে আর দুই পুপ্র হইল স্মিত্রার ওদরে। শুনি দশর্থ রাজার আনন্দ অপার द्राक्तत्वरत लहेरिल मकल डांछात्र ठिलिलिन एणंद्र । नेत्र (को जुक जिन नांदीत चरत परण ठाति न्यम्भा प्रश्न (यन्त्र) हेर्न श्रीनरक्त (यन्त्र) মাড়িতে গনিয়া চাহে শুভ ফল বেলা চ সূত্যিক শের রাজার দাব আতে শাঁজি শাঁজ সভারে হইতে পুঞা রাজচ্ফরতী। উছার কোঞ্চীর কিবা করিব গালন अयन लक्का वृद्धि नुडू नांत्रांग्ल के (य उस खुरत इंड इंश्यित उन्य वित न्य लझी उर्द्र (एन नार्ष्व) उपयोगिय इडेन जानम (कौनोइन रियणा स्मिति भंग जांजि (एग् जाग्र यसेन ।

গানকে তুঘিল রাজা দিয়া নানা হান আদি কাণ্ড গাইল কীন্তিরাস হিচক্ষণ 1

द्रांध्यद जन्य अति नार्हन म्हल यूनि प्रथ कर्षण महाव हार उ म्हर्शनांदह (प्रवर्धन) आंत् घड ग्रुनि जन हति एस न्यं किटक प्रव्यं रथे। দেবজানির সমতি নাচিচেল প্রজাপতি गंठी मत्स मांटड गंडीनेडि স্থির আরু জনম তারা আদি নাতেন ওলুগশিত নাচে বসুমতী। দিবাং অভর্ন পরিঘত নারীগাল ठिल घांग्र ज्यातक ज्यान्त्रो ठिन गांग् त्रंजनत्थ (पिधिवंदित त्रम्नांरथ मगुराथ नाहिरक विद्याविती। ब्राप्त्र भूमीने जुला पात्र पा जिउदा

इांनी क्लिमनार रेहन न्यवची

ভানুরীয়েনতে থাকি দেবগান মুনি দেখি ভানু জয় করে রদ্বাভি। ভানিল নারায়ন বিবিতে যে রাবন দেবের করিতে ভাব্যাছতি যেই জন ইছা শুনে বর দেন নারায়নে এই ভানুত মবুর ভার্থা গনিলে জগান্থে রাবন যে ববিতে দেবের করিতে নার্হান গতিল যে ক্রিভিবান মনের অভিলাম বন্দিয়াত বাল্মীকি প্রান।

অঘেরিগতে তারা ঘদি নিল নারায়ন লক্ষায় অমর্থন দেখে লক্ষার রাবন। আঁচন্মিতে রাবনের সিৎহাসন দেশেল দেশ মুকুট থাসে তার লড়ে ভূমি তলে। দেশ মুথে হায়ং করে দেশানন আঁচন্মিতে মুকুট থাসিল কিকারন।

क्राधीय दिन डेन्स्जिंड जान शिंध स्थि मिथिवी वीमिक कोडि कदिव गानि। इन काल करइत दीमिर्क विडीयन 23 कार्निष्ट्रेन (उधार्य भव्य जनग्र। मधिवीद्व (क्रांति उद्द क्रव क्रिकाइन जायाद्व विरिट जन्म निन नार्वाप्त । जाव कात जनेत्रीय नोहि प्रणानन बाज्यकि काहिएउ अदब कह किकार्न । नुष्टे त्वांत्न जाकाटण इहेन रेपवर्यानी प्रणेत्रथाते घरत्र जन्म । শ্রনিয়া চিন্তিত বড় রাজা দেশানন ভাকে দিয়া আনাইল স্ক আরু সার্ন। अटकर (एटा आहेम नृधियो ह्यात) আ্যার শত্র জন্ম ছৈল কোন থানে ৷ अहे (रला प्रात्ति उरित अठि णिश्चेकांटल भ्वल रहेरल (महे (विद्वित जुर्गि) রাবনের আজা চর বান্দিলেক মাতে সমদের পার হইয়া লাগিল ভাবিতে।

नेत्रय रेतकत पूज जाक जाव जावन हेन्द्र (परवंद्र मादि जादा जादन जिल्दन । স্ক বলেন শ্বন মোর ভাইরে সাধ্র (प द्या जाः पारी। गंगं जिना न नारांग्ल। আজি শুভ দিন হৈল আমা দেঁছাকার लाशा इडक प्रिणि शिया ठवन जाहात । 23 विन उद्योशिग्य मिन प्रभान (प्राणिल चारपारिश (यन रिवक्श ज्वन। त्रुप्रिन जुला पुं उ घरत घरत (धन इतिप्रां नेत्य ठिलिट ना नाद्र । অলহ্চিতে সভিছিল কৌশল্যার ঘরে वरमराजन (कोणनार्भ (प्रवी नार्वाय्न :क्रांला। অন্তঃকর্বে থাকে ঘার ঘে বাসনা मिरे करन मुज्य प्रिणिल (मरे जना। পর্ম বৈঞ্ব তার্ণ ভাই দৃই জন চত্তুত কণে দেখা দিল নারায়না

नंश ठक शरा नेता ठउड्ड ज रुना किविहिक्धन कारने करम उसमाना र क्ड (क्रांहि) दुस्ता उरित क्रिक्ट खबन भुजू क नंतीरत प्राथ अ जिन जूवन। नुमस्तरङ प्रिणिन (य मक्न नेविष्ट সনক সনাতন আদি পুদুর্গদ নারদ। अंडे करन पूरे जांडे मुजूरत (प्रिया) अरुषं प्रवाय करतं रीलाग् (लाक्षेत्रगा । ছক্তিভাবে করেন অনেক দণ্ডবত স্তবন করিচে তারা করি ঘোড়ছাত। রাহ্নদের জাতি যোরা বড় ই অবিম তোমার মহিমা দুভু জানে কোন জন। (प नेप वुक्क्षि (एव ना नाग्र (रिग्रांत रिन भीरनिमा नुजूद (एणिन् नग्रत। এই निर्वात कृति खन মহाण्य ভৌমার পাদ্পাদ্যে ছেন মোর মন র্ঘ। কুপার সাগর পুভু ভুমি ওলবাম अउ विल पूरे छारे करिल नेशांस।

नव्य रिक्ष प्र अक् आव आवन हेन्द्र (परवर्ष प्रांति जोता जोतन जिङ्कता । म्राह वरनन खन (यां इ डाइर्त मां इन त्य कृति जात्पादि। या जन्म न नात्रायल । আজি শুভ দিন হৈল আমা দোঁছাকার ভাগ্য ছণ্ডক দেখি গিয়া চরল ভাঁছার। अङ विन जार पंति गंग प्रत्भात पिणिल जारपारिश चिन रिक्श जूरन। त्रुम्मीन जुल्ल नु जि चरत चरत र्घन इतिप्रां नित्य ठलिए ना नार्त । অলহ্বিতে সাভাইল কৌশল্যার ঘরে वरमरक्त कोणना (एवी नार्श्व दर्शना অন্তঃকর্তে থাকে ঘার ঘে বাসনা मिरे करन नुज्रत (प्रशिन मिरे जना। পর্ম বৈঞ্চব তারা ভাই দুই জন চত্তুত কণে দেখা দিল নারায়ন।

इावन वहन निधिशीए घउ जीर्थ जगरण अकल जीध्यंत जल जान त्यांत कांटल। (वालयांच वलिएड विलम्ब रेश्यां शिल मक्ल और थें व जल मगूरण (पार्शाहेल। जीरथंक जटलरंड त्रांतन क त्रिटलक मुनन नां उत्त उरत तांजा म्वर्भ करत पान। घर उक कां केन पिल नाग लव कड श्री प्रोत णिला प्रांत करत गाउ गांउ। रांन्यू वा कित्या विमिन प्रभानन রাবল বলে অমর হৈন নাছিক মরল। ক্ষতির্বাদা পতিতের কবিত্ব বিচম্বল রাঘের পারিতে হরি বল স্বর্তান।

নরক্রে জন্ম নিল প্রু নারাম্ন মানরক্রেডে জন্ম নিল দেবগান। ম্বুন্দা বলেন শুন ঘত দেবগান মেয়া মানরী পাত ক্র আলিমন। हेम् मूर्या त्हिलि करत अकाकी वानकी पूडे च्या रेहल उट्ट राल ग्रहारली। ইন্দের তেতেতে হৈল বালী যে বালক ज्युशीय वीत इंडेल ए ज्यू एर्ग्स रहाडित । ক্তিন্দ্রিশর ফল মূল গাইতে রসাল कत यून भारेयां (प्लिंट्ड विक्या विनान ! তেতে হৈতে তেতা বাতে সমুদে সমুদ বুক্রা রাজার দুপ্র হৈল কুমার অপদ। বুজার তেতেতে হৈল মন্ত্রী জামুবান প্রনের তেতে হৈল বীর হন্মান। ছেমক্ট বানর হৈল বক্তলন্দ্র घटमात नेक (वहें) रिल प्रमाद्रणेन। শিবের ডেভেডে হৈল কেশরি বানর फिरन फिरन वांट्यान गान उक्रतः। অগ্নির তেতেতে হৈল নীল দেনাপতি কুরেরের তেতে হৈল বালর প্রাথি।

সুদেন জিন্মল বিশ্বস্থারি দেবের তেতো
অহিবিদা বিশ্বশাস্থা দিল তার মাঝে।
মহেন্দু দেবেন্দু হইল সুদেননন্দন
চন্দের তেতো দবিগান হইল তথান।
একেং নাম কাহতে পুতি হয়েত বিস্তর
একেক দেবের তেতো একেক বানর।
কীর্তিবাস পণ্ডিত যে সুখা স্বর্ত দণ্ডে।
বানরের জন্ম এবে গাইল আদ্য কাণ্ডে।

একেক গালালে যে হইল চারি দিল।
দাঁচ দিলে লাঁচটি করিল পর দিল।
চয় দিলে ঘটো পুজা নিশি জাগরতো
সাঁড গোল অন্ধ কলাই দিল শিশুগালে।
ভাক দিয়া আনে রাজা নগরের চাওয়াল
জাঁচল প্রিয়া সোনা সভাকারে দিল।
ব্রুয়োদেশ দিবসে রাজার হৈল আপোচাত্ত
করেক করিল দান ডার নাহি অন্ত।

छग् ग्रांरमज़ रहेल प्रशन छांदे छात्रि जन পুত্রের করিবে রাজা অন্ন পুশান। আंगर्न कित्रिल राजा घउ ऋजिशंहन ভাতি বন্ধু রাজাগে আনিল সবর্ব জনে ৷ अर्घाष्ट्र क्या कार्य विद्या विश्व कारन हाति नेत्यत मूला जन फिल खंड ऋत्व। मणंत्र । ठांति न्धा लहेग्रां तिज त्कांत्ल शिक्षांत जल फिल उपन क्याला। কণ্র ডামূল দিয়া করাল শায়ন তৌতুক করিয়া দিল কত রত্ন বিন। अकल (लांटक आनिया नृत्याद पिल प्रान श्रुं काल कार्ति नूर्ध्यत् ध्रुं हेल (य नांग्र। বিচার করিল চারি কেন্ত আর প্রাথ एडि यन रेटाउ (लाक नीरक निविद्यांना। (घष्टे यदनु वर्गनारिक सुनि भारेन भारेजान किलानात न्द्यत जातां यहेल नाम । কেক্যের সম কণ নাছিক ভার্থে यत्नत महिज नाम भूडेन जत्र ।

ज्ञित्रं इड्यांट प्राक नमन (जाकेनकान थे हैन क निक भज्य। ठाति न्धात प्रभव्ध खितित्वत नाग ব্রাহ্মণের তরে রাজা কত দিল দান ৷ রুজত কাঞ্চন দিল নাম লব কত (भी प्रोन निने प्रांत प्रिल गाउ गाउ। नाना फोन फिएए करत विनिष्कित नेजा प्रक्रिवजी शिवी पिल महर्ण घर्षण्याः जांनीवर्वाप क्रिय चार्य शिन म्निशंब আদি কাণ্ড গাইল পুভুর নাম করে।।

চয় মানের হৈল রাম ঘান হামাকুত্ হানিয়ে মায়ের কোলে ঘান গড়াগড়ে। কলেক মায়ের কোলে ক্লভেক বাবের কোলে বদনে না আইনে কথা আরিং বলে। তাদের বদনে রামের সমিয়ে বোল ফুটে

अल य अप्याय देशन जोडे ठांति छहि भोउ रिजा भेरान शनाय स्वलंकि। काँ विव शादी एक एम निवं कि किनो वरञ्त न्न्त नेग्र कन्यून शति। (भानां करवन वांग वांनरकत जारन অন্যেং পরিবিতি হইল চারি তানে व्राय हिल एउ निर्ध हिलन लम्भान छत्थ ठलिए पोछ ठल्लन भञ्जू। घांत (च ठक्त जा॰ न जानिन उधन রাম লক্ষাল হৈল ভরত শার্ম। (ए उग्रांत पान व्राज्य व्राप्त हेलप्र (क्रिंत अक पिन त्रांशिष्टतम् ना (पिणिटल शद्र । वुक्ता जापि पांत प्रतादन प्न8र द्वा (एन डार्डात तप्रत्ने ठरमत खना (यम सांट् जितनर पिणिया वायाव यन याह जिन्दान। अक विष्यु ठांति डांडे घांतात कांत्र अ वांग (प्राप्ति प्रभाव थ डांटर यदन यन ।

সবর্ষণ দশর্থ রামেরে নেহালে
তাল্পক মুনির শাপ মনে মনে বলে।
শাপ দিল মুনি মোরে গৌরব কারণ
মই পুল না দেখিলে আমার মরণ।
লয় হাজার বংশর রাজ্য করিল কুড়েহলে
রাম হেন পুল পাইলাম তপদ্যার দলে।
পুলমুখ দেখি সদা জীবন দদল
দশর্থের ঘরে রাম পুখম পুরল।
তা সব দশর্থ করি অভিলাহ
ভাগি কাণ্ড গাইল পণ্ডিত কর্তির বাদ।

পশু বংশবের হৈল হাতে দিল থাতি পত্তিতে পাঠাইয়া দিল বাশিষ্টের বাড়ি। ক থা আঠার ফলা পতিল সকল তথ্য শসু সমস্ত রাম পতিল অমর। ব্যাক্রন কাব্য পতিলেন পুতু রাম অরশেষে পতিলেন ভারত পুরান। रिकात लेखि जारिक नेज्य जारिक वि किल पिरनट उराय की मिस्र विप्रा नर्द विप्रा निज्या उक्टक क्रिया नेनिय जा विषा (महेक्दल निधिरनत श्रीतंग्र । প্রতাত কালে চারি ভাই ঘান মালদরে यल्विमा अकल लिशिल शेमितिरव ! छिल प्रभाड़ेल त्रांघ नांठित (धालांत द्रांध्यद विक्ट्य सव शांदलद नियान। রাম্মান্ধ কোন মাল নাছি বরে তাল স্যেক প্ৰব্তে ঘান ক্রিতে সাতাল। অনুর্যার ৩-শের বিনুক্ত বালক ভাল তানে ফ্রবিনুক হাতে রাম বেড়ান বনে বনে 1 বিনুক হাতে করি রাম ঘারে এড়ে বান ত্রিভুবনে কাছার নাছিক পরিতার। प्रभावरथव विनेक्क घउ जिल (प्रभार व्राध्यव विक्य प्रिणि नेलाईल द्वारम। घउटन (भारतन द्रांग क्लिरेन् शांउ अक प्रिन करन शिल लझ्ज अहिएउ।

ম্গ চাহি দুই জন বেড়ান বনে বন ছেন কালে মার্চি সমে ছৈল দ্রশন। रकान भारत थारक यात्रीठ निर्णाठत म्राक्तन रेह्या (रोन व्राध्यव (रोक्व । ম্ণ দেখিয়া বাম কৌতুক হৈল মন रिन्टक उन रिया यांन प ज़िल उधन। জুটিল রামের বাল লক্ষর ছেন শবেস আপন মৃতি হৈয়া মারীত পলায় তরাদন। রুংযের কাবের শব্রে চাড়িল মেই বল जनत्कत् (प्रत्मे (अन शिधिन) ज्वन। वर्षयव विकय (एकि (एवर्गल इर्फ्स अड फिरन दादल वांडा शत्रित अव० रणां। সূৰ্য অন্ত গেল তথা বেলা অবসান त्वन्य इहेन नम्मन (प्राप्त यात्राय। मनीत इहेग्। (भन नम्मात्वेय म्हा দেশিয়া পারাঘের অক্তরে বাড়ে দৃংগা ৷ अक फिरनत पृष्ठका जारे इरेल अयन रक्यत्न याहित्व रैववि वाशिष्टव यूनिशेन र

छांग्रलकी प्रत्न नांजि (पन उांत्र गूर्ध ऋद्या ज्छा (शल गारिल यनम्या। हित क्रांत (प्रिधिलित निक्टंडे मर्त्रांवद्र নানা পক্ষী জলে আচে করে কোনাইল। হেন যে সময়ে বুক্সা ডাকে পুরন্ধর प्रणेष्ट्रायं याद्य (शिल जानिति शिष्ट्रांश्यय । यनुषाठने रेश्या नेज आनेना नाहि जात য়াবন মারতে তনা লভিল আবিনে। छोल व॰ मत त्या पांदरत वनवांरम रियात पुषा कि विदिन छन मून छत्रानी। অম্ত গুইয়া আইস ম্লালভিতরে शाहेग्रे जाम्ड द्रांग स्रींड नामर्व । अध्यक् जारमण नाहल एक न्रक्त्र অম্ত থাইয়া গেল ম্লালভিতর ৷ হেন কালে লদ্মানেরে বলেন প্রায়া ম্লাল তুলিয়া আন করি তাল পান।

लम्मन जोनियां पिल भीतार्यत शांउ দুই ভাই অম্ত গান ম্লাল সহিতে। इति। ज्या पर्व शिल प्रम् रेहल यन বৃষ্ণত পাতিয়া শ্রহল দুই জন। श्रामणेट्य निष्तुं इकेन (मह स्टन (इन वृद्धि चारित्न व्राय खर्य दारनेव (कारल र रकारन इमिग्राफिन उपा (प्राथा निर्देश অন্তেব্যক্তে গেল রালী রাজার আগে লারে। হেথা রাজা দুই পুছর নাছি দেশি হাম মনে স্থা নাছি রাজার ছইল অজান। সভারে বিদায় দিয়া গোলেন আওয়াসে দেথিবত রাম আমি কৌশলাার পাশো! जूरे जात निर्धाउ रहेन प्रमान রাম না দেখিয়া রাধী ডিডালে তথন 1 হাড়িতে দুর্গ্ধ আজে বাটায় স্থায় পাল এতফল হৈল কেন ঘরে নাহি রাঘ্য! प्रणंत्र ध वरल व्रांभी (धानि धाव घांजा हिणिए ना नार्डे द्वाय उद्गेश शिन (कार्या १

रहत द्वा जारहत ब्राय (कक्षीव जाउग्राम विश्विष्य शिया (फ्रांट्ड क्क्योद्र जिजादम। আজি আমি দেখি নাই রামচন্দের মুথ न्ति नाहि दृष्ट (यांत दिलाद्या वृक्त। त्किय़ी वरल कि वलिल जांगि नांहि जांन आंजि (इथा नांहि पिणि वांच प्रविचित्र। আজি বুকি ভুলিয়া হায় গেল কোন থানে (इन दूखि लझ्झन द्रीय शिल पृष्टे जाता । ভরত সমেতে হেথা আইলেন শত্রন্ অঘেষ্ট্রিয় চাহিয়া বেড়ান ভাই দুই জন (परेर हा अप्रांत (भानांत वार्यव मत তাহারে জিজাসে গিয়া রাম কোন মানে 1 সকল লোক বলে রাজা শুন কৌশল্যা রাণী जायाद्याय नांडे प्रिणि तांग उनगनि। रकोणना स्थाता आंत्र रकक्षी कांसिनी তদ্রর হারাইয়া ঘেন ফুকরে বাঘিনী। श्रात श्रात प्रणंत्र किनातन श्रात्त श्रांक (क्थि। शिल नाव जामि वाम व्रम्नाथ।

অন্তর্ক মুনির শাপ হইল এখন রাম না দেখিয়া আমার না রহে জীবন ে পুপ্রশোকে মর্ব আজি স্জিল বিবিভা রাম নাহি দেশি ঘদি মর্ল স্বর্থা। দিবসে সকল মোর হৈল অন্ধকার রাম লহ্মন অঘোর্ব্যাতে না দেখিব আর। अहे या कांत्र दांनी (वना जिंदानां स हिन कोरल द्रांग लझान उपपिता नेरवरण १ বনপুদু ছচিত রাম বিনুক্ত বাল হাতে नां ठिए शिमए पान लझ्इल मां उ छत्उ भञ्जू कट्ड शिय् (को भनारिय (इत प्राथ आंजिएक द्रांच नगर डिउर्व १ वननेट्युत शाला नित्राटिकन शांउ রাহির হইল রালী রাজা আরাম লইতে। विशिष्य प्रणविध द्रांजा द्रांच करवं दृष्क अक लक्ष ठम पिल व्यायव्यम्ब मुरागा। जाका मानित भागि मान करत र्रेकर उथिन यदि यपि नांहि (एणि ठम्यूष ।

বাইয়া কৌশলা রালী রাম কৈল কোলে।
এক লফ চুদ্র দিল বদন কমলে।
অন্ধকের চন্দু তুমি দুই চন্দুর তারা।
এক দণ্ড না দেশিলে জিয়ন্তে হই মরা।
ভরত শত্রু তথান দেশেন প্রারাম
দুই ভাই আমি রামে করিল পুলাম।
মায়ের ঘরে রামচন্দ্র করিল ভোজন

নাত বৎসারের হৈল দেশরথের দরে।
লক্ষ্মী হোথা জিল্মিয়াজেন জনকের দরে।
ভানের ছিমিতে কন্যা পাইল মছর্ষি
মিথিনা করেন আলো পর্যক্রশনী।
জীতার কপের কথা কছিতে চমৎকার
বৈকুপ ভাতিয়া লক্ষ্মী হৈল ভাতাদার।

कतारेव कने जनक वांजा (पराध पिरनर বৈলেকি।যোহক কণ সংসারত জিনে। म्गीत नग्न मोडांत म्थ ए कमन তিলত্ন জিনি সীতার নাশিকা ওজুল। म्नलिंड पृष्टे वांच (प्रिधिरंड म्नूमत চদ্ জিনিয়া ক্রণ ভাতি মনোহর। यू छिएउ दिविएउ पावि मी उन्हें के कि लि श्रित्ल मण्डि डांव नारम्ब अभूली। অকল নিদিয়া সীতা দেবীর পদতল তাহাতে নুপুর বাজে শুনিতে রুফাল ৷ রাজহ্ৎস জিনি অতি সীতার গামন অমৃত জিনিয়া সীতার মরুর বচন। अ०मारतत (लांक आहेल मीज पिणियांत मीउर्व क्ले (मध्य (य मि जानेना नीमरव সীতা কারে বিভা দিব জনক ভাবে মনে পুরোহিত আনিয়া ঘুক্তি করে অনুষ্ণ । প্রোহিত আলি রাজা ক্রেড বিশেঘে জীতার অনুক্র বহু পাব কোন দেপে <u>।</u>

সীতা কারে বিভা দিব তালক ভাবে মনে म्बर्गिए हिन्डिड रेड्न घड (एवर्गिली र व्का वरनन खन प्रव प्रक्रिय পুজুর বয়স মাত্র সাত বৎসর। पित्नर मोठा पितीत कने इस जान পাতে অন্য বরে জনক সীতা করে দান। এই ঘুক্তি দেবতা সব করিল তথান रैकनान नगर्रड शिल घथाय जिल्लाहन । व्का वरनन खन (पद भेनने। नि জনকের অরে সীতা রহা কর তুমি। তোঘার সেবক আজা লগ্রিতে না পারে व्रांग किना (क्य कि उन कि दिए ना नाद्य र अटउक विलियां वृद्धां कविल नेयांन তাক দিয়া আনেন শিন বীর ভ্রাম। আঘার বিলুক বৈচা কর্ছ প্রাব जनक्त्र वर्षिट इक्ति यात विन्क्रानि। रिन्क ङिक्सियां (ए वा जन फिर्ड लीर्ब पुंजिकां कवियां मीजा पान प्रह जांदा ह

এ জিন ভূৰনে ইছা ডোলে কোন জন সভেয়াত্র জুলিবেন পুভ্ নারায়। পাইয়া শিবের আজা ধীর ভ্রেরাম (महे रीतृक शंटि लिय़ कितिल नेयान र याजांग जहांत चांत च्रिक पृष्टे ज्ल কুঠারি বিন্তে হাতে রক্তলোচন ৷ व्सादि (पिण्यां (एन ५८४ (प्रकान न्तरतं (प्रणियं। त्रक्ष तत अमिशन। नेवां छ विद्या उरित पिरलन जीमन भागा अम्। पिया उरित करतन ने जन। ভূপেরামে দেখি সব সুনির তরাস তাদি কাণ্ড রচিল পণ্ডিত ক্রিতিবান।

জিজাদিতে লাগিলেন জনক তাপারিন কোন কার্ঘ্যে মহাশগ্ন ডোমার গমন। ভূতে বলে কন্যা ডোমার লোকমুথে শুনি মেই কন্যা দান কর বিভা করি জামি।

তানক বলে হৈল যোৱ ভাগা এত দিনে ক্রমা বিভা করিবে মোর তুন্ন মহাজনে। लिंखं कता। जारक एप नागन (यांत्र परत স্তন্যকাল হৈলে বিভা করাব তোমারে। ज़्छ बरल **उ** ने माग्न क्रिव शेयम আমা বিনা বিভা ঘেন না করে কোন জন। এতেক বলিয়া ঘদি ভূপেরাম ঘান ভূতের চরল বিরি জনক স্বান। उधियं क्रिया जोत्वां नांव कड क्रिल ভূমি না আইলে বিভা দিব কার তরে। हुउ बला शृहेगा यां हे हार उत रिन्क रीनक डांशित्व (यांत नांहि इत्त पृक्षा । रिन्क जुनिया (घारा विभ प्रिट नार्त (यांत्र प्रांग् नार्ड क्रीडा विचा प्रिता उरित । अउ वाल विन्क थ्रेल (अडे इतल পতিয়া রছিল বিলক জনকের দারে। इरवृत रिनृत (महे जान्वर तिमान সেতির থেতিন ওতে বিনুক্শ্মা।

দশ থোজন বিনুক্যান আতে লবি সরু
পুঁডিজা করেন জনক সভার ভিতর ।
এই বিনুক্তে যে বা ওল দিতে লারে
মীড়া নামা কন্যা আমার সেই বিভা করে।
যতন করিয়া কৈন বিনুক্তের দর
আশি যোজন ঘর দীর্ঘেতে দীর্ঘল।
একাদশ যোজন দার আতে লরিসার
বিনুক্তের কথা সেই গোন দেশেও
আদি কণ্ডে রচিন লগ্ডিড ক্রিরিবাসে।

বিনুকের কথা ঘদি গোল দেশেং

সীতা বিভা করিতে অনেক রাজা আইসে।

দৃথিবীতে আতি ঘত রাজা মহাবল

বিভা করিতে আইদে জনকের ঘর।
আমিয়া দকন রাজা অহকার করে

দাহাকে পাঠাইয়া দেন বিশুকের ঘরে।

जनक उल्ल (प वर्ष जन डर्गित्व देन्क छारत कना। मान मिय नत्य क्रिय कि। ধিনুক তুলিতে যত রাজগ্র ঘায় प्रिणिए विशिनांत्र (नांक नेक्कां - (भिज्ञां । चारत्व प्रांट्र जिस्म अकि पिस् कार्य जुलियांत कार्या थाकक (प्रशिष्य निनाय । क्र व्राज्य पांग स्थाउ होग्रा रिनुक जुलिए पांग् कानेज कां हिया। পালশক্তি গিয়া টানাটানি করে তুলিহার কাত্র থাকুক নাড়িতে না পারে ৷ স্মেক পাৰ্তি ঘেন বিনুক্থান ভারি আজ্ক ওলের কাঘ নাড়িতে না পারি ! लक्षा नाइस्थ वाजा मद नेनाइस्थ पास इाउ उनि निया मव वनिक शिक्या भनारेयां यांय अव जानेनांव (परण বিভা করিতে পথে জার রাজা আইদে ৷ निर्धत यदि। एउ (प्रधा इहेन डाहांत्र अपन रान्टक्द नेदांक्य डांद्र म्हार खाना

দেणियांत्र कांच थिक्क खेनियां उत्रांष श्रुतिग्रीर पर्या ज्यानि पेनाग्रा अरकर कि डिएउ नाम निधि इस विस्तृत जिन क्लिंडि व्रांजी शिल ग्रिथिना नशेव । शन्क जुलिए नाविल क्लान जन। लक्षां थाकियां खान लक्षां वांवन । भ्रमु जारूमन योद्रीठ याद्रांप्रद कांत नेंद्रा लहेग्रे त्रथं करक लस्किश्रं । সমৃদ্ পার হৈয়া আইল মিখিলা ভ্রন জনক শ্রুনিল দেশাননের গমন। জনক বলেন শ্রন এছে পার মিরগান রাবল আইল আজি হইবে কেমন া डेह्रा मध्य विज्ञा पहिल ना हित वांवरन क्षाज्यां लहेटल क्रीउरं इंटिंग (क्रांन ज्यात । চলিল জনক ঘদি রাবল আনিতে দেশিয়া রাবল রাজালাগিল হাদিতে। পুহস্ত রাবল রাজায় বলে ডাক দিয়ে अहे पिया रेन एउ आहेल जानू पा वर्जिए।

जनक (एणिय़ों व्रायन ख्याउत्न डिनि खांच्य नेमांत्रियां (फ्रांट्ड क्ट्र क्लांकांक्लि। বাড়িতে বসাইল লৈয়া দিব্য সিৎ-হাসনে सन्द डांम्बल दिल यांना ठकत्त। ভানক বলে হৈল মেরি ভাগা জীবন क्षिन कोर्ला अश्राम्य (अधात श्राम । व्यवन वत्न कना । उपाव त्निक्य्रा खनि (महे क्ना प्रांत क्व विडा क्वि डांगि। জনক বলে ভাগ্য যোর হৈল এত দিনে ভোমা বিনা পাত্র আরে আচে কোন জনে। কোঁথা হৈতে ইনুকথান রাগিল ভ্রেরায় (इन थीव नाहि (य रीन्टि (प्र द्वीन। ত্লিয়া বিনুক্তান ভানি গিয়া ত্যি বিল্কের ঘরে ক্রিণ বিভা দিব আমি। श्रीतियां उपन्यात्य रामिन यांवन আমার সাক্ষাতে বল বিনক্বিক্যা 1

কৈলাপ তুলিহাতি আমি পবর্বত মকার তাহাকে তিনিয়ে কি বিন্দে হবে ভার। जांश मीउ। जानिए जायादि क्य पान यांवांत करिल डांशियां यादिव वेन्कियांन। জনক বলে আগে কর দুটিজ। দুর্ন विन्क जांक जांका (प्रभाक अवव जन । स्ट उत्तन खन द्रांजा प्रभातन घांत (घ ने जिज्ञां इस नां कत् कथन। अनुक डांत्रित्न मीओ यपि नां इ पिरि हिर्ग अन्भाहि प्रियं वरल क्लेडि लरव। রাবল ফলে মামা ভোমার কথা রাগি रीन्क डांशिल विडां पिरव ल्या १३ अभिने उष्टिशं कित्र्यां ठिलिल ल स्थित (एए।एउ ठलिल उत्तक रीन्एकव शव । श्वनिग्रं दिश्लि अव शिथिला नशेत সভে বলে সীও'দেবীর আজি হৈল বরঃ ঘুৰা বৃদ্ধ বালক এক নাহি রহে ঘরে किञ्क (मणिए शिन विनु रक्ष मादा।

जानि धांजत मन् पिराउ पीर्चन একাদেশ ঘোজন ঘর আত্তে পরিশার য বিনুক পড়িয়া আচে ডাহার ভিডরে জানিয়ে রাবন রাজা দাগুছল দারে। कारवर क्रिंड्राय वावन अकि फिया ठीय (फिधिरम् द्रांटल द्रांजा जल्द उद्देशः यानर दांवन दें जो करत जेति इति (प (एगि रिन्किगोन लोहि राना नोहि। অন্তরে ভরাইল রাবন মুগোতে ভত্তান विनुक जुलिए पांग् क्रांजा प्रभानन। তাঁটিয়া কাপড় বীর বান্ধিল কাঁকালে কুতি হাতে রাবল গিয়া বিনুক্তানি বিরে ! जाकि कित्रा व्रांजा विन्वभान होता তুলিতে না গারে রাবল চার চারি পালে। হাত নাকে দিয়া রাবন চারি পানে চায় कि इहेरव ग्रांता देन्क (डाला नाहि पांग्रा শুহন্ত বলেন ভাগিনা রাজা লক্ষেপ্র न जा। क विदन मिद्दां विधिना नश्व ।

চিন্তানা করিও তুমি না করিছ তর পায়ে বল করি দেশে বর আরবার। আরবার বিনুক্ত রাজা টানাটানি পাড়ে প্রাণশক্তি ইানে নাড়িতে না পারে ৷ হাবল ৰলে মামা আৰু টানিতে না নাবি পুলি ঘায় মামা তবু ভূলিবারে নারি। কৈলাশ তুলিন্ মামা প্ৰত্ত মন্ধ্র তাহাকে জিনিয়া মামা বিন্কের জার ং এই ঘুক্তি মামা আমি তোমার ঠাই মাগি अडांडे जुलिए। जांडेम रितृकार्धान डांबि। पुङ्ख रालन राष्ट्र खन प्रणानन उरवंड की उन्हें वत् इरद रहात जन । पांत ता ना पांत तानू अहे तांत हान नरहे नेनार्य ठल नहेर्य नंद्राव। वांवन बरल खन याया (यांव वांनी ভুলিতে না পারি শীঘু র্থ ঘোষাও ভুমি। अधि शिमिराय पुरुख वीत वरल द्रथ लत्य जागि नहे वृह्लिंग प्रांदर ।

আর্বার রাবল রাতা বিলক্ষান টানে जुलिए ता नार्व छाय नुह्रस्त्र नारता ক্তাকালে হাত দিয়া তথান আকাশ নির্কিক व्रावल वर्तन नाटक जा जा हेन्द्र रहित परमा त्ति एए न्डन्ड त्थ फिल (पार गेडेग्र) लांक लिया ब्राथ अस्त वित्र अञ्या। मलारेग्रा ठलल लक्षात्र जातिकादी मकल जा अयोल वीय प्रयं हिस्कोरी। नक्षां नेनाडेगा शिन नक्षांत दांतन जाकारने थाकिया (पराप पंज (प्रवर्गन र নারায়লের লক্ষ্য লইবে কোন জন करव यांज विनक जूनिरव नांतांवन। ক্রীতিবাস পাণ্ডতের কি কহিব শিক্ষা आंग्रा क्षां अभिनेत मी आंग्र रहल तकां।

এक पित प्रभार थ जुला दिशि ने हिंगी। शिक्षामादन हत्न क्षाजा होति जुला नहेगा।

व्यात्रमाग् इत्त मृत्र्वात भूरन রামের কল্যাবেল দান করিব স্বল ৷ হস্ত্রী ঘোঁড়া রাজার চলে শতেশতে कादि मेल अड्यं राज्य करिन शिया वट्य । कलिल कहेक स्व ताहि जिल्लानान কটকের শারেতে যে পরিল আকাশ। कल्लाक्त पणव्य ठिष्ठि पिवा वृत्य नार्त्र म्यानित मासि (प्रभा रेहन न्धा। यानि वल्ल (क्रांथां ताजां करत्त नग्नेन द्रांजा वत्न जांचि ए पार्वेव शक्तांमान । নার্দ বলে দশর্থ ভুমিত অজান व्राथ्यार जिन कि विश्वामान भिंडिड भावनी शक्ता पृथिवी इञ्चल ध्महे शता जित्यालय द्राय पेत्र उपन ध (मह प्रांत (मह पूजा (मह शर्भामान न्यजारक प्राथ जूमि पुंजू जर्गवान। 23 चित्र उपन द्वांजा मनित्र मूर्ण खेनि श्रांजां यत्न ठल घरत त्रांग ध्रम्मा।

बांटलेय वठन खुनि वटल व्यानाध्य उपानक नामण याना हम रिमानिया। ভামার মহিমা আমি কি বলিতে জানি माद्राद्ध वांका वाना ना खनिह जुमि। अउ य पि विनिन ठी कत त्यूनाथ আরবার চলিলেন রাজা দশর্যা। চলিচের রাজার মেনা আনন্তি হইয়া उड्ड ठ उर्न जांद्र नथ जांद्र नथ जांद्र निया। তিন কোটি চণ্ডালেতে গ্ৰহক আগিজলি দশ্রথের সমেতে বাজিল হড়াহড়েঃ ध्वहरू ठणांन वरन खंन प्रभंद्रथ जाग्रांत्र डांत्रिय़ (पण रात्रांम्रांत्त्र नथा। वांद्रवाद्य गांह ज्या अहे नेथ फिग्नं হস্তা দো'ড়াতে রাজ্য ঘাহত ভারিয়া। शक्षाम् न क दिएक खोगांद्र थारिक यन आंत्र नथ दिएस् त्रांजां क्र्इ शंसन। चित्र हेर्स थांटल पहिट्ड नेह नेत्थ (प्रशंह डांग्रांद जांश्न चूर्य वृश्नांरथ ।

अध्यक्त विन्यां खारक उड्क ठणांन त्रधत जिउद निया त्रायहरू न्कारेना বিলুক্ত বাল হাতে নিল বাজা দশ্র্যে রুয়ের দারেতে রাজা লাগিন ভারিতে। ठणान यात्रिया यपि उत्तर यहि यम नीठ जान। जिनित्न इद्देश किरम्य (भीव्य । घति नदांजा याति ठडारलं वार लं जानेघण मृहिरिवक ३ जिन ज्वरम । ভাবিন্য চিন্তিয়া হাতা করে অনুমান ठछोलाङ मत्म रु वाजिल म॰-श्रीय। पृष्टे जात वां वव्हि करद सारकर पृष्ट जनांत वांत्वरङ प्रोहात नांव कांत्र এই মত বালবৃদ্ধি হইল বিশুর में डे जातत पृक्त रहेल अक नुहत। प्रणव्य व्यंजा प्राप्त नेखने करित शांट शिलांग अहरत कतिरलक विसि। उर्शित वाक्स्य दाजा जुलिएलक त्रथ बक्तन नेजिया । उद्याना निक्या विद्या

घोष्ट्रांत लाशियां आधि आधिलिन् नरथ নারায়নে না পাইনু আমি যে দেশিতে। अउन् जोविया अहा करत जन्यान नार्या विनुक होत्न नार्य अरङ् वान। ভরত কছিল গি য়ারামের গোচরে এঘন আৰু বৰ্ত শিক্ষা ন্যাহিক সংমারে চ नात्यां केत्र होत्न नीत्य अष् यान দেশিতে কৌতুক সেই শুনিয়া গেল রাম। (परेगांज अहरू (प्रियं द्रम्नार्थ प्रथय हर्मा एका थारक (पांक्रांख। वांग वालन नीएं वेन्क होतर कियन ওেছ বলে গুন ভোমায় কছিব কার্ন। न्दर्व जत्नात कथा खन नादांग्ल व नात्न इहेग्रां क्यां क्यांन जन्म १ অপ্থাক ঘদা ভোমার বাপ দশর্থে ज्ञास मुनित नृत्य मितित्न वहनत् । বুক্তাহত্যা করি আছিল যোর তপোবনে লোটায়ে ধরিল রাজা আঘার চরবে।

विनिष्कित नेशा जागि विगापित सोगा তিনবার রাজারে বলালু রামনাম। खनिए दिलिस्य किरि इसेल विलील घोष्ट वांग्राप्तव चूं इ उतां हलांन । এক রামনামে (কাটি বুক্তভা) হরে ভিনতার হামনাম বলালি হাডাবের। (लाहे। हिर्म विविक्तांच बाटनेड ठर्रल क्छान इहेत गुड़ क्षेष्ट्रीय प्रणरिन । ग्नि राल । महे त्रांश नार्व प्रत्भान তক্তে হইবে মক্ত চণ্ডাল জনম। मिटे ज्या जिल्लायांक मणंतरथत गर्ब চর ল পর শ করি মুক্ত কর মোরে। जनारथेत नाथ कृषि इक्तर-मन (क्वन ठकलोग्राय प्राक्त माराज । ठांन दिल्या यपि मृन् कत रन टार (ऋन देव नांच नांच नांच नांच अर के बिलिए एउट लागिन के पिरा द्धित जन्मरनाज कार्यन द्युनार्थ ।

वर्षान्य का छाटि प्राचित वृग्यि (उर्याद के िक ठअनि यातिरिय लहे आग्रि। व्याजा वरन जीन डाइ जीन किंड भित्र क्यां र उपयोग्क विलाग काक्य काहरि। भारेग्रा वात्त्रं आखी इत्य नावांग्र जानिन ग्राप्टन वांग्र छहात वस्त । রাম বলেন অগ্নি জাল প্রানের লক্ষ্যুলে ध्यैत कतिव आधि ठशंदन व ज्ञाति। कां अ प्रविघटन न स्त्रान ज्ञानिन ज्ञानिन रैयन विल (क्रिक्टिक क्रिन व्यूयिन । ঘেই ভুমি সেই আমি বলে রঘুনাথে ওছ বলে নিজ নাম নারিব দুচাতে। ভূষনের মধ্যে রামের ছইল ঠাকুরালি नुधारम कविल द्राम ठआल गिउनि विषाय कि विषय औधा अह (शल पाद न्य ल एम प्रणेव थ शिल शक्तं जी दव । ज्यावमा डिधिट रेश्न म्यागुरन भान कवि दांजा मान कदिन अवन

शिएांत निर्माणांत रिकल नेउनेड ্রতত কাঞ্চন তার নাম লব কত। দান বিদ্য ক্রিডে বেলা হৈল অৰ্শেষ अन्तारकारन (शन द्रांजार जवारजव (प्रना বিশিয়ে আচেন মুনি আপনার দরে চারি পুতা লৈয়া রাজা মুনিরে নমস্করে । ঘোড়ছাতে বলে মুনি রাজার গোচর व्हारा लक्कान ठारिक नूधा एए मूनिवत जानिय क्रइ प्ट्य विनिन वठन ষড় ভাগ্য দেশিল আতি তেমিার চরল। प्रिणिएए वरियव कने जवपाज स्नि रैवक्ष इहेट दिछ् आहेला आनिति। মূলি বলে রাজা ভোঁমার সাহে ব জনম नुश्राहारक (एग द्रांजा (एक नांत्रांग्रन ह ध्रन कोत्न जत्र होज (म्हारा ठ्या व्यान्यति मूर्वापनणाग्य उन् प्रय जाकाव। व्रायक्त (प्राथि यहनाउ विकास कृति न्ध्री है है । जिल्ला है कि विश्व है ।

युक्ता जापि कविएए पाउक पिरानी क्रांध्यक्र नंदित (मराध अ उन ज्वन। মিদ্রাম জলে মভার করাইল ভোজন म्राधार अहिन माज यूनिय उपनेविन। द्रांग लझ्न लियां म्नि शिल जन्द्रभ्द्र भाग्त कविल मूनि काम रेलगा (काला। धर्मन इर्ने व्यक्ति विजीय न्रहर्व वेन्क वांव धुरेन रेम् वाध्यव नियदा । मन् कथा किहिलिन म्निवारिजव उत्त অফ্র বিনুক্ত তুল দেহ প্রাথেরে ঃ 23 विल (एवंद्रांज कविल नेग्रांन শুভাতে শিয়রে রাম দেমে গাতি বাবাঃ विनिट्ड लोशिन छत्रांज उटनीयेन : जायारत तेन्क वान फिल (फ्राने দ্ৰেশ্বে বিনুক কান পায় ঘেই জন मिट मि जानिर मुंडू पिय नार्याप्त ।

মূনির চর্ধে রাম করিল পুনাম বিনৃক লইয়া আইল বাপের বিদ্যমান। শুনি দশর্থ রাজা মনেতে হরিদ চারি পুশ্র লইয়া রাজা আইল নিজ দেশ। মায়ের ঘরে গিয়া রাম করিল ভোজন আদি কাণ্ড গাইল রামের গন্ধানা।

মই কলে দেশরথ চারি দুপ্র লইয়া।
রাজ্য করেন রাজা সাববান হইয়া।
হেখা মিথিলায় ঘক্ত করে মুনিগাল
ঘক্ত লুল নাহি হয় রাক্ষসকারল।
যক্ত আরম্ভ ঘেই করে মুনিবর
রক্তর্মি করেও মারীত নিশালর।
ঘক্ত হীন হইল যে মিথিলা ভুবন
ঘক্তি করেন জনক লইয়া মুনিগাল।
বালিতে লাগিল তবে বিশ্বামিত্র মুনি
ভ্যাযোধ্যায় রামচন্দু আনি গিয়া আমি।

प्रभव्याव न्य व्या सवव (लारक पार्ष পৃথিবীতে আইল বিচ্ছু মারিতে রাহ্মদে। বলিতে লাগিল তবে জনক মহাপ্য তোমা হৈতে মোর ঘক্ত তবে রহ্মা হয়। সভাকার তবে মুলি করিল আশাস विश्वां यित्र यूनि आहेल आधिवात्र (एण। ष्यामन कविया यूनि विमिन (प दांद्व श्रीत (घ कहिल शिय़। प्रभंदरयेंद्र उरत् (ঘেইমার শ্বনে রাজা বিশ্বামিত্রের কথা চিন্তিত হইল রাজা হেট কৈল মাতা। विश्वाधित स्ति (मरे वज़रे विषय नुग्राप निज्न जांजि ना गांग भाषन। সূর্ঘার ০ শেতে জিল হরিশ্চন্দ্ রাজা न्धी न्धा (विष्या जारत वड़ फिल नज़ा। আদিয়া পড়িল রাজা ম্নির চরবে কোন কার্ঘ্যে মহাশ্র ডোমার গমনে ৷ তোমার আগমনে মোর পরিত্র আশ্ম আজা কর কোন কার্য্য করিব এক্ষণ।

शिषां यित वरन खेन वांजा पणव्ध लहेए पहित जियात न्य तप्ताथ । ঘত করিতে মুনি করিলেক আস রাক্ষন আদিয়া যক্ত করেত বিনাশা म्नित नेत्रिज्ञां व रग्न कि द्यु अधित्र পার্গম লক্ষাল দেহ ঘক্ত রাগিবেকো ৷ पिरेमां विश्वामित करिल नरे कथा। मणंत्रथ वत्न मूनि (भारत (मांत्र मांजा १ नूधारणंदक म्जूर (यांत्र लियन कर्नातन कथन यदिव आंधि दाय लियां (कार्ल ह अञ्चलकृत नीने यदन करव तुक्रश क्णन महिव जामि (पराग होत मूण। न्थल छोड यपि यूनि न्थल पिरंड भारि अक एउ इधिक्यु नां (एशिएन यदि । य पृष्टिय व्राय निष्टेयोकि खेन उपनितिन जाति काछ गारेन की जिंदाम विषक्षन ।

রাজা বলে রামচন্দ্রনা দিব ভোমারে এক দণ্ড না দেখিলে বুক মোর বিদরে। রাজিতে শ্যায় শুইয়া রামকে করিয়া হিয়া হুমে খুইতে নাহিক পুতীত

সেপ্রে ঘদি না দেখি রাম শুলি করে আনচাল চমকিয়া চাছি চারি ভিড।

যেয়তে পাইয়াজি রাঘ কছিব ডোমার ম্বান ম্বায়া করিতে গোলাম বলে

সিকু নামে মুনিবরে সারোবরে জল ভরে তারে মারি শব্দভানী বালে।

মৃত মুনি কোলে করি গোলাম অন্ধকের পুরী দেখি মুনি বুহ্বার সমান

পুতা পুতাক জাতিল মরা পুতা দিলাম তারে পুতাশোকে জাতিল পরানা

অপুশ্রক আজিলাম সনের দুংগেতে পেলাম নিকু মুনির বধিলাম জীবন তার মূনি শাণ দিল তেকারণে পুতা পাইল তেঁই সে দেখিলাম প্রামা।

রাজা বলে মুনিরাজ মোর পুরে কিবা কাঘ বল গোসাঞ্চিতাইলা কিকারল

যত শুষি ঘক্ত করি রাক্ষ্ম রাগ্রিতে নারি লৈয়া ঘার শারাম লক্ষ্মণ।

রাজার বচন গুনি কুশিলেন মহামুনি আট দেহ ডোমার কুমার; আপন চিত্তহ ভালে রামকে দেহ সকলে নহে বংশ নাশিব ডোমার।

রাজা বলে শ্বন মুনি করি নিবেদন
বিনুবর্বান নাহি জানে কি করিবে রন।
দাশ্ব বৎসরের মোর দুগ্র চারি গেটি
মাতার চুল নাহি ঘুচে আচেন দাশ্ব বুঁটি।
হন্তী ঘোতা কটকাদি পূর্ন যে সাজন
রাহ্বদের গিয়াত করহ নিবারন।

श्वित्यां क्निल विश्वािश्व उरमेरिन কটকের মাইতে এত কোখা পাব বন। একা রাম গেলে হয় কার্যের সাবিন मूर्यात्र ला जिल इतिकाम् (य द्राजन। দ্যিবী সহিত মোরে দিয়ালিল দান পৃথিবীতে কেহ নাছি তাছার সমান। পৃথিবী লইয়া তবু মনে নাছি ক্ষমা ची पूरा जानन (विकि प्रिलिन प्रस्तिन)। व्राय नाहि प्रित्व चित्र क्य अनेहांम সূৰ্য্যবংশ আ'জি আ'মি কহিব বিনাশ। চিন্তিত হট্য়া রাজা ভাবে মনেমন রাম এড়ি ডাহিলেন ভরত শারুদু। व्यानिया पिरलत (पाँश यूनित मासांद রাজা বলে ঘাছ এই ফুনির সংগতে। রাজা ভাগেইল তাহা মুনি নাছি জানে यूनि वरल पेरिन् अहे क्षात्रांय लक्कारन। আগে আগে মূনি ঘান পাতে দুই জন भंत्रणू शिक्षां द जी द किल पत्रभन ।

यूनि वरलन खन अरह डाहे पृष्टे जन আমার দেশ ঘাইতে ওছে দুটি আতে গাল। उडे नत्थ (जांत्न अक्तित्व घांडे चत्त्र अहे निरक्ष (त्रील घाडे ज्डीय न्हरत्। ख्डोंग नु इव नित्यं तम् तम् क्रिनी মধ্যে এক রাক্ষদী আতে তাত্কা নামিনী। उंजिय़ विदियां भाष घउ स्तिशन কোন পথে ঘাইতে ভোমার লাগে মন । বলিতে লাগিল ভরত শাল্মের বিবাদে म्छ मोदेशिया नित्य (कांन नेत्यांजतन । এ कथा खनिया मूनि डार्ट म्रान्मन রাক্ষন মারিতে লইয়া ঘাই ভাল জন ৷ এক রাহ্মিমের নামেতে এতেক হৈল তর কেমতে মারিকে তিন কোটি নিশারর। ম্নিরে ভাতাতে নারে মুনি সর জানে রাম নহে দিয়াতে ভরত শারুঘানে। আ্যার সহিতে হেটা করে ওবহাস ज्यारीय महिं जाजि कृदिक विनाणं।

क्षिया छित्नि भून हिन्द्रीयित कि ठऋ इहेट जारी वाहिद्रां द्राणिदाणि। व्यादे कार्या नार्या कर्याद्या नशंद्र भिज्ञा ठिलिल जाि मत (लिंग्किं गत्। क्रिया ठलिल पुजा इाध्यव शिठदव বিশ্বামিত্র মূলি আক্রি সক্তনাশ করে। তোমারে লুকায়েরাজা দিল ভরতেরে তেকার্বে পোড়ায় মুনি অঘোরীগ নগরে 🏗 প্রার কফলা শুনি রামের ভরাস বাইয়ে আইল রাম বিশ্বমিত্রের পার্শ ৷ মুনির চর্ল বিরি বলে রঘুম্লি পুজা লোকের রক্ষা তু মি করছ। আপনি। (परे जनेतारी किल्ल (मरेटम जनेतारी একের অপরাধিতে অনেক কেন কবি! यूनि रेश्या घरे जन त्रांशिप्यान পুর্ববিমা নদ্ধ তার হয় ততক্ষল। শুপ্র পর্চাইতে পিতা হয়ত কাতর चक त्रक्षं कृति शिर्म मिथिना नगत्।

হাসিলেন মুনিরাজ রামের বচনে
আঘোরীয়ার পানে চান অম্ত নয়নে।
সকল করিতে পারে তপের কারনে
ঘেমন আঘারী গাপুরী ছইল ডেমনে।
মুনির চরিত্র দেখি রামের তরাস
আদা কাণ্ড গাইল পণ্ডিত ক্রিবাস।

মাতায় পঞ্চ বাঁটি রাম নারায়ন কণ মোহিত হইল মূলি দেখি রামকণ পুর্নিমার চন্দু ঘেন ওদয় আকাশে মূলি বলে রামচন্দু চল মোর দেশে। জানিলন মহারাজ রামের গমন রাম লহ্মন মূলিরে করিল সমর্পন। বলিতে লাগিল মূলি রাজার মাহাতে রামের লাগিয় গুলি রাজার মাহাতে। তামির লাগিয়া চিন্তা না করিছ চিতে। তুমি নাহি জানহ রামের ঘত ওন রাহ্মন ববের হেতু জিলাল ভগবাল।

त्रांग लच्चाल लहेगा आंगि (परणं पांडे তিন দিন বই আমি দিব ভোমার ঠাই! अहे कथां कहि म्नि तांजारक र्यान মূনি বলে ঘারা করে পার্য লক্ষাল। त्रांग बलन भातिक पार्शर यून ज्या মাহেরে বিদার হৈয়া আমি গিরা আমি यां एवं नां कि श्वां यांव यिथिनां नश्व অন্ন পানি চাড়িয়া কান্দিবেন নিরন্তর। अखित्लन शिव्रं त्राय यां ख्त्र यित्त পুলাম করিয়া রাম বলেন মায়েরে। আগ্রারে লইতে আইল বিশ্বাগ্রিত্র মূনি মিথিলায় মুনিযক রাগিতে ঘাই আমি! শুভ ভাবে আয়ারে কর্ছ আশবিষাদে ঘুদ্ধে জয় করি ঘেন ভোমার দুসাদে ৷ পুথম ঘুদ্ধেতে ঘারা করিয়াচি আমি আমার লাগিয়া শোক না করিছ তুমি। न कथा खनियां कात्मन कोलनां ए दांनी विश्वांत नुश्वल पृष्टे ठ एक नर्ड नानि।

ভূলিয়াত শারামেরে লইল কোলেভে स्थाभिन सलीन रेश्न दुम्र पिएउ पिएउ। পুরোর হইল রালী রামের বচনে নেত্রের জল নেত্রেতে করিল নিবার্থে। মাংয়ের পদবিলি রাম বনিদলেন মাতে যারা করিলেন রাম বিনুক শার হাতে। রাম লহ্মণ লৈয়া ঘায় বিশ্বামিত্র মূলি মন্ চান রাজা চক্ষে পড়ে পানি। ক্য দূর গিয়া রাম হৈল অদর্শন ছ্মিতে পড়িয়া রাজা করেন কন্দন ৷ व्याजातक प्राथित करव घड प्राञ्चान पिरिटम मक्ल जांति क्नोल्त्र लिभन। রাম দেখি মুনির আনন্দিত হৈল মন রামতদের বিভা হবে দৈবের ঘটন। আগে মুনিবর যান পাতে দুই জন युक्तांत नेक्टांड (यत जिन्निनम्त । क्षेपिएउ१ अव शिल निज बारम इांग लिय़ी विश्वांशित वरतर पुरवरणं ह

जारित ग्रांन घान निरुक्त द्वांग छन्य नि (वीरप् शलीन इहेल दांध्यव श्राणांति। व्रांग (प्राण विश्वांगित लांशिन जांविरड पूरिधात सम्ब लहेगा जिल्लान तम्नारधा চারি দত্তের দৃঃমেতে এত হইল ফাতর (क्यार (वज्रारतन वरन छोज़ व मत्। এতেক চিত্তিয়া সেই বিশ্বামিত্র মূলি র 'য়ের তরে এক মনু দিক্ষা দিব আমি। विश्वाियञ्च वरल खन वाय अवाब भंत्रय निर्देश शिव्र म्रांन क्व जूमि। घउ वाजा (उधाव अहे मूर्वाव॰ रण वह स्रात नांच जांक तांक प्रात्या अहे ने ना जी थ त्रांग मान कत जुन्म जियादिक यत्र किसा कराष्ट्रित आधि। (अर्थक पृक्षण कथन ना निश्चित जाउदत क्री एका ना शहरत मश्जू व- मरत।

মুগন করি মনু কহিল রামের কানে
রামেরে কহিতে মনু শিহ্নিল লহ্মনে।
দেই দৃঢ় করি শীঘু শিহ্নিল লহ্মন
দেশি আনন্তি হৈল ঘত দেবগন।
চৌদা বংসর অনাহারে থাকিবে লহ্মন
নত কালে হৈবে ইন্দুজিতের মরন।
কীর্তিবাস পণ্ডিতের কবিত্তের শিহ্না।
আদা কাণ্ড গাইল রামের মনুদিহা।

শুকর চরনে রাম করিল পুনাম
রাম লৈয়া বিশ্বামিত্র করিল পয়ান।
তাতকার বনে আদি দিল দরশন
পুনবর্বার মুনি বলে এই দুটি গন।
এই পথে পাই গিয়ে তৃতীয় পুহরে
এই পথে তিন দিনে ঘাই মোর ঘরে।
তিন পুহরের পথের শুনহ কথন
মধ্যেতে রাক্ষদী আতে তাতকা যে নাম।

डां ज़िया (प विद्रा स्थिय पड जीवरान কোন বথে ঘাইতে ভোমার লয় মন। শুকর বচন শুনি রুদ্নাথ বলে जिन पिरनेत (प्टर्व जरवितन यांदि गर्व। यपि (म त्रांक्रभी नंदथ आहें म गांहेरज শা ত্র ওরেতে দোঘ নাছিক মারিতে ৷ বলিতে লাগিল বিশ্বামিত্র মুনিবর उ निरथत नारम (मात्र शारम जाहरम जुत्। তোমার মন রাম আমি না পারি বুঝিতে (यारित लिया पार वृति व्रांक्टमद्व पिए। ঘথন রাক্ষদী ঘেংরে আদিবে তাড়িয়া श्चायात्व अञ्ग (काट्य पात्व भानादेगा। ওকর বচনে হামিলেন পুভুরাম वार्थ तेन्क देति जांगि वार्थ तांग नाग। अरू वांल वह यमि विजीय वांल क्वि ভেঃমার দেছেছি ঘদি তিন বাল মারি। अरउक मुजिजा यपि किन वृग्नारथ তথন চলিল মুনি তাতৃকা দেখাতে !

जोशि द्रांग नोटल लम्मल यरिंग म्निवद प्रव रेश्ख (प्राधितन उपज्कां व प्रत । जञ्जीन वर्षे इति वर्षे वर्षे प्रकारिया भाष्ट्रा जाम युनिताज यान ननार्या। वां य वलन यूनित असि पां र ज नम्मल वाग्नु डाल्टक नेर्धित वरेष्य जीवन। লদ্মান বলেন রাম যোত করি হাত मिवक मारी ए थाकूक मुज् व्यानाथ । अतिरल (प मत (महे वज़्हे विषय अटकना (क्यात (इ प्रतिरंव नांत्रांप्रन । श्राम वरनन खेन डाई डग् नाहि मतन कि कतिए पीरत आंशति तासमी प्राप्त अ॰-अरिइ त तांस्कृषी एउ इय अक (यानि लिंडिउ ना भारत जाठार किनस जज़िल। म्ति लिया शिल लिख्य अश्रं डिउर अञ्कात निर्धारक ठिनिन शिल्धित् । वर्ग इन्हें मिल इन्य वन्यवाभारन ष्क्ति इरम्बर्ड उन फिल नांत्रांग्रस्न ।

जारियां ज नीउ वन्त्र वाक्तित्तत वास रीन्क शांउ पाँडारेन पूर्वापननाग्रा ध्व निया फिल उपा रित्रक हेक्शंत म्हर्ग ग्रहा शिंडांत्ल लाशिल ठग्रहांत्र ह खर्गा जिल ताक्मी (प म्तरलंत गार्ष रीनृक हेक्षांत खनि ठ्याक्यां अहं। विमिया दास्त्रमी (मरे अक प्रक्षं ठांन (प्रिल (य व्रायक्ते प्रक्राप्तनमाग्रा ওিট্রা চলিল সেই রামবিদামান ভাক দিয়া বলে ভোমার লইব পরালা মূনির চমা তাহার ঘে গাঁঘের কাপড় চলে ঘাইতে বস্ত্র করে হত্যত। क्ति यिनित यूछ उर्तत कर्नित कुछन यन्राह्मात् यूछ यांना शनात् अनेत् । বদিতে আদন নাই ভাবে মনেমনে ভোমার চার্মতে হবে বসিতে আকন।

उपेमा कित्रियां युनित अम् उमा मान যাওম নাছিক তার সৃদু গাই হাত ৷ কেমন ভোমার মাণ্-ম মিলাল বিবাভা শুনিয়া হামিল রাম ওাড়কার কথা। তাম্বল দেশি তার গায়ের লোমাবলী प्रसारि (प्रिया (धन (लाहांत्र जिन्हिल) হাম্ম করিয়া আইনে মাইতে নরায়ন ডর্জন গর্জন করি বলিচে বচন। यन्या भाष्ट्री (छाङ् (इल रेक लि वन তোর তরে পথে নাহি বহে ভাল জন। व्रांग (पणिया वाक्रमी (प आहेल मज्दर टिगार वान २ए इग्र श्रातिरत १ व्रांग्रास्क (प्रणियं (क्रांसिक इडेल थर्व थर्व भानिशील अमेजिन पियो थथकीदा । गांन शांक अवां जिया मन मिन वांक দূর্থ করিয়াত গাচ নিল তাক। তাহা দেশি রঘুনাথ এতে তিন বাল অস্থাঘাতে গাচ কাচি কৈল তিন মান।

शर्क काहे। पिणिया क्रिया (शन यदन मि॰-मनीत शोहर दिकि चनर होता। मि॰-मनोत शोद जोल त्रीय यात्रितार्द यूग (भीक्षे (जिप्तिन त्रांस (क्षेग्र) नेत्र। আর্ঘু করি রঘুনাথ বিনুবর্বাল ঘোড়ে বৈষ্ণবী বাবেতে তাকে মারে গদাবিরে । श्यूग कविया पांय वाय जिल्लिकार्व याग शिक्षे जित्रल (प (ठांगरेठांग लेट्स वर्रात्व अनेत वर्गन वर्गन वनकित आंत्रमु कित्रिप्रा (याम विति चिक्त नानि। দেবগাল তাকিয়া ৰলিল নারায়লে বজুবালে ভাতৃকার ববিহ জীবনে। বজুবাল এড়েন রাম বজুের হভুকে নির্ঘাত বাজিল বাল তাড়কার বুকে। বৃক্তে বাল বাজিয়া ছইল অচেডন তাতকা পত্ল নিয়া পঞাশ ঘোতন। বিপরিত তাক চাতি চাতিল পরান বিশ্বমিত্র মুনি বরের হরিলেক জান।

কীতিবাদ পতিতের কবিস্থ অভিশ্য় পুথম মুদ্দেতে হৈল পুজু রামের জয়।

उाङ्का योविया पुङ् वाय नौवायल श्नित ठत्न शियां कहिल वसन। (ठउन नांडेग्रा वल्न भासित नम्पन ठांज्का शांतित्व वाजा द्राय नांत्रांग्र । त्रांग वरल ध्वय शिमांभि वलि छोगांव उरव जंजका यादिन शिमाजि नुमाप जायादि । म्नि रालन खेन अरह द्वांम नांद्रशिव उड़िकांटक (एशि शिय़) उड़िकां (क्यन। उंदर्श (विधिष्ठ मूनि उउस्त योग अक ना पांच जाव पृष्टे ना नाज पांच । जांज्का (एणियां यूनि डांरव यान्यान अग्न सन् (पिषि नार्डे वानूब (प जाता। जांज्रको यात्रिया पांच द्राय नात्रायन भवरनव जनाच्या पिल प्रमान।

म्ति बत्न खेत राने त्रांम नांत्रिव <u> अहे भारत इंडेल उननेकांने नेरत।</u> नवरनव जनाच्या नेक्कां करिया অহল্যার তপোরনে ওতারল গিয়া। य्नि वरल खन द्राय क्यल लिकिन পাশান ওপরে তুলি দেহত চরল। এ रूथों खेनियों वलन योशंय लम्मन नानारनट नेप पित किरमद कार्व । यति वल वृद्धां म्धि महम् व्यवी अञाकात कने वृद्धा कतिल भानिभाति। मडाकात करने मृजिल जाइना। तु।काली उरित विचर कित्रिलन शोउय ग्रहामि। व्यक्तारिक दिवां क्रित्न उपनितिन धोउध्यव स्ति नए अस्म्लिधन । यानि शिप्रां जिल्लन उनेमा कि विवादि टिन काल जाहिलन (प्रव न्द्रकादा । म्बांगी वलियां जामन फिल जांत जरत जाजित्क मकाल पुंच तकन जाहेना पद ।

हेन्द्र तत्न (डांत्र कने निक् शिन यान তপদার্গ এতিয়া ঘরে করিনু গমনে। ভোমার ঘৌষদ মোর পড়িন অন্তরে পাম্য করহ বি্য়া বলি ভোমার ডরে। পতিবুড়া নাছি লড়ে পতির বচন শ্ঘা করিয়া ঘরে করিল শ্য়ন। প্রকণজুরি বলি মা না করেল বিচার अकनजूरे इतिरलम (एव न्त्रम् र । उनेमां कवियां यूनिवांज आहेल मद्र আসন জলমানরণজে দিল তার তরে। ইনি বলে ছে অছল্যা বলি তোর তত্তে भूतित लक्क (क्त फिछिएस भंदीरत । অছল্যা বলেন পুভ বলি ডেগ্মার তরে जाननि कत्यां कर्मा (ए पिर (यादा । अकथा खनिया यनि (इहे किन उट्ड আকাশ ভাগিয়া পড়ে মূনিরাজের মুণ্ডে। रीप्रांतरं जानित्नन शोउस स्निवरंत उतिनाम रेकल (यांत्र (एव चूत्रक्रात्र ।)

डेम्र र तिया जोकिन म्निवत मुडि कांट्य कवियां जाहेन मूत्रमत्। দিনার্বের ভোকে প্রিচে অরবে ष्ट्रित्यं अभिनेन (एगि) (एक भूतन्मद्रा । পড়াইয়া শ্বনাইয়া করিনু তেতনা विक्रियं। यि जीन मिरल 'उक्त मिस्नि।। জানি নদ্ধ বেটা তুই দেব পুরন্দর ঘোনিম্ম হওক ডোর সকল শরীর। जारलारिक नांने (य पिरउक्त स्निवद পান দিন নাপান তোর হওক কলেবর। ठत्र अवित्रियां यूनिङ क्रिक्ट क्रम्पत क्र क्रांत रहेरव (यांव भाने विद्यां हन र गणन जिनारवन हित प्रग्रंट प्रत विश्वािश्व लियां घारवन घड वािश्वादा । (अधात यांडांग् नांद दित्व नांवांग्न তথান মুক্ত হবে তুমি না কর কন্দন। न कथा खनिया वत्न नम्मान उन्यान क्यान पिरवन नाप अनि ए व्यक्ति।

মুনি বলে শুন বাবু রাম মহাশ্য়

এমন পুন্তর ও বুক্তনী ঘে নয়।

এ কথা শুনিয়া রাম কমললোচন

লাতরের ওলরেতে দিল বাম চরল।
শালে মুক্ত হৈল তার মারেতি গমন
রথে চালি আইল গৌতম তলোবন

ভাহলাকে দেমিয়াত হর্ষিত মুনি

লুনব্বরি করিল ঘে প্রের চাওনি!
শুন মতে আরে ভাই হৈয়া এক মন

আদ্য কণ্ডি গাইল অহলাার ওলাম্যান।

শার্থায় বলেন গোদানিও করি নিবেদন
ক্রেয়নে পাইবে মুক্ত সহস্পুলোচন।
মুনি বলেন শুন বালু রায় গদাধিরে
যোনিয়ায় হৈল ইন্দু সকল শরীরে।
লজ্জানুক্ত হইলত দেব পুরক্তরে
সকল দেবতা আদি অপ্যেবি করে।

जाश्वरारी कतिलान पिर न्रम्दर ्यांनि मूठारेया ठक्ष रहेन निर्देश কথা বার্ত্তা কহিয়া থান প্রায় লক্ষ্যুল निश्रीत करलएउ शिय़ा फिल फत्नात। পাশান মুক্ত হইল কৈবৰ্ত্ত ডাহা শুৰে (तोका लहेश! देकवर्ज नलाहेन वरत। কৈবর্ত্ত বলিয়া মূলি তাকে ঘনেঘনে না আইলে ভদ্ম আমি করিব এফবো। এত শুনি কৈবতের ওতিল তীবন আফিয়া মুনির কাতে দিল দরশান। য়নি বলেন কৈবর্ত্ত ঘে বলি তোর তরে তিন জনারে গমায় তুমি কর পারে। कथा करह रिकार्य (घ करिय़ा विकलि **अलिल शक्षांत्र जल अक कीकालि** তবে যোরে আজা ঘদি কর রামচন্দে তিন জনারে পার আমি করি দিব কাজে। रक्षियां रेहरं ज्ञानित्न नुरुष पूरे जन मारियं नेवरणं स्क रहेन मोर्गान। न कथा खनियां जय रहेन जलदर চর্বের বিলায় মুক্ত হইল পাতরে। निका युक इय यप्रि (लाडा नेप्रिल কি দিয়া প্ৰিৰ আমি সৰ নিজ পুৰু ৷ ঘরের ঘরনী মারে গালাগালি দিয়া দে বলিবে মুনির বেশলে আইলি চেলিয়া। হট করিয়া পুজু বাইয়ে চালে নায় গমাজল দিয়া কৈবর্ত চরল বোয়ায় ৷ রাম লক্ষাণ আর বিশ্বামিত্র মূনি থেয়ায় করিছে পার গমার যে পানি। রাম বলেন শুন তবে পারের লক্ষ্যুপ বড়ই দারিদু কৈবর্ত্ত জানিনু এক্ষণ। म्वाहे म्हत्व जात लोकां जित्त খ্ৰভ দৃদ্ধে প্ৰভু রাম কৈবতে চাছিল। अक्षानीत रेश्न नुड् जातांग नम्मन মিথিলা কত দুরে আজে কছ তপোরন 1

ম্নি বলেন রাম বলি ডোমার তরে এখন মিখিলা ডাতে তিন কোশান্তরে পার হইয়ে ঘান রাঘ সহিত লহ্মণ য়নির পত্নী আইল দেমিতে নারায়ল। দ্বাদেশ বং-সরের রাঘ মাতায় পঞ্চ বুটি ছেন রাম মারিবেন রাক্ষন তিন কোটি। रकान जागावजी न्य विविद्यां एक शिख् क्ड गंड न्वा (म (य क्तिय़ां कि न्वर्ग। মূলি সাব আছিল রাঘের করিতে কলাগাল আশিস করেন সভে হাতে দ্বর্বা বান। পুজিয়াত ঘরে লৈল রাম গদাবরে घण्ड जावरणारम यांना जानि पिन शिलाः (म पिन विक्रिन द्रांध क्यानलां हन भाउशकारलाउ पुक्ति करद भगर्य जन। আমারে আনিলে গো সাঞি কোন কার্য্যের তরে সেই কাংঘ্য কর মূনি বলি ভোমার তরে। মুনি সব বলেন রাম কমললোচন अस्ति किरिय पण मतल युक्ति।

ঘেই ঘক্ত আয়র্গ করিব আর্য়ুন व्रक्षि करव उधन उड़िकानमता। (कारी ना कित्र शंत मंकल वृक्तिल किरिक ब्रिटन स्विक विमा अलु न। द्रांग वर्तन (शंभाभि कवि तिरवपत এই মে বেলাতে করে ঘড আর্ডুলা द्रांटरत कथा खनियां मकल स्निवदत (१) भन् रहणी लहेगांड हाल घडाइला। वारमुत उपमां उरियम (क्र कुर्णामत भेवर्य स्था हिंद्या मत्न विमान जामात ह সকল মুনিতে যেলি ত্যান বৈদ পতে মনুর দুতাপ হৈতে আপনি অগ্নি তুলে। लक्षीय थाकिया उद्या (प्रभारत द्रोक्स्पा छां ग्रत्रे जिया ख थां कि ग्रांति घफ करत সাজিয়া চলরে তিন কোন্তি নিশাচরে। তিন কোটি রাহ্মদে মার্টি নিশারর সাজিয়া আইল তারা ঘড়ের ভিত্র।

क्-मिउ वांका वर्ल शिर्फत् उरल बिन ফল মূল কাড়িয়া খায় ভাপেত কলস্বি ठारिश रिट्रा वरलन मकल मानिशन এই বেলা ভোমার বটে কমললোচন । বিশ্বভ্রমূর্ত্তি তথান ছৈল নারায়ন হাতে বিনুক্তে ঘান মারিতে রাহ্মগাল। शांट रेन्क कित् यांन थातां या लम्मल গাত পাত্র মারে সব নিশাচরগাল। विश्वसङ्ग्रार्छि विति मूर्याम श्रीतितः य्तित श्रकान यां०-म थाहिन विश्वत । অনেক ভাগো পাইল দৃটি রাজার কোরির কানেতে পড়িল এক কোটি নিশাচর । এক কোটি পড়িল ঘদি রলের ভিতরে আর এক কোটি আইল হাতে বিন্৪শরে? ছিরা বাল ব্যিরা বাল অতিথার বার हेरमुद्ध जाजीक कांन यादिल अप्रिति ।

श्क्षे मक्ने घउ वांन नंखनात्न द्रांक्त्र अवद्र नेट् विल गांत्राद्र : शनार**उ निर्माउ यि भौनि**टक् कोरि রাঘের বালে পড়িল রাক্ষম দুই কোটি। আশিদ করিল রামে ঘত ম্নিগান সভে বর মাণেন জিনন নারায়। ব্রাক্ষেএর আশিঘে গায়তে হৈল বল মারং করিয়া ঘুরোন দুই সংহাদর। বফল পাশবলি বাল কাল অনল পাবর্তি বালি এতে আর গান্ধবর্ষ মুন্দর 🛭 পান্ধবর্ত বাল তথান এত্নে পদাবিরে রাম্ম্য দেখিল সকল নিশাচরে। আপন্য আপনি সৰ কটিকৈটি করে সকল দেবতা দেখি হাস্যে অসুরে। রামচন্দ্র ঘুদ্ধ করেন কম্পিত হয় মাটি রামের বাবে পড়িন রাক্ষম তিন কোটি। তিম কোটি পড়িন ঘদি রুধের ভিত্তর রাঘের ওপরে মারে তোমতোম শর ঃ

जर्जुत रहेल बाग क्यल लिठन ঘনং বাল মারে রাক্ষদ দুই জন। জন্ত্র হইল বাবে ঠাকুর রঘুবর রক্ত বহিন্তা পড়ে পাত্রির ফ্রের। जाणिभ करतन त्रांट्य मकल व्यक्तन সভে আশিস করেন জিনুন নারগয়।। दुरेक्तालं जाणिएणं वाज्यां शिन वन মার্থ করিয়া সাভায় র নের ভিতর ৷ আকল প্রিয়া বাল মারেন নারায়ন আর্য্র করিয়া (ঘন করিচে বরিষ।। অৰ্দ্ধতন্দ্ৰ বাল মাবেল কি কহিব কথা क्यक्ष्य कार्टन श्राय पूरे नारवत यांजा। मू हे नाज निज्न यमि इरले इ जिउत মারীর ক্ষিল তবে তাতৃকার কোওর। किथा शिन इाम किथा शिन उनम्ब তিন কোটি রাহ্মস মারিস তুই কোন তান। রাম বলেন তোর মাকে মারিনু পরাবে उदि यादित्व डांद नांदी कांत्र दांदि पिता

अ कथा खनिया वीत कुनिया शन यता किराधर वांने यादव व्राय नांवांग्रल । র্থিয়ের ওপর বান যারি করিচে মনুনা বৈশাগ্য মাদেতে ঘেন পড়েত কানকানা। রামচন্দ্র বাল মারে হৈয়া এক মন আর্ডু করিয়া ঘেন হইচে বরিঘন। यां वीरक्रत तकां करत पठ (एवर्गन মারীচ মরিলে না হয় সী হার হরন। বজু বাল বলি রাম করিল সমরল আসিয়াত বজু ৰাল ছিল দরশ্বা ৰজু বাল মড়িন রাঘ বজু যে হড়কে নির্দাতে পড়িল বাল মারীচের বৃক্তে। বুকে বাল বাজিয়ে নাটাই ছেন মুৰু তেনা ভাপা পাগ্রি ঘেন ওতে বিরেহ। ভ্যিতে । याय याद्रीठ निभाठत সাত দিনে পড়িল গিয়া লন্ধার ভিতর । विख्त भोडेल यात्रीठ शिष्ट (घ उनेम्सी इांध्यव यांन यांजिए यांवीठ रहेन मनामी।

আতি ঘদি মহিতাম চাওয়াল রামের বালে कि कविउ प्रमाव्यि कि कविउ रेस्त। यां उपा जहां वेरव वांकल निव्वीत नंग्रत स्वारत (एएए। निव्विश्वारा। विवृद्धित उल उनमा किन जोत्युन र्धा रेत यांत्रीरक इ जार नाहि यन। यज मयां छ करदन मकन द्रां छान जांभीम करवन दांध्य पियां प्रदेश दीन। घज ज्वरनंध (प्राथ कत स्न जिल टमरे छन स्त निया तायह न् फिला (मरे द्रांति दक्षिनं द्रांग्र म्निवं आण्टिंग नुर्उष्टल मड्र कित्र किनल नार्राग्रल। श्रीत अव (श्रिलिश् पृक्ति करत अवर्ष जत কিবা ঘুক্তি দিব মোরা রাম নারাম্ব। ारे जन्मान करतन मकन दुर्भ न प्रशीप उ धि इहेश्च वृह्नि नावाध्न । क्टित (ए। कित्न आधात जांद्रे नद्यान आया अज़्यां पुक्ति जायता कत किकातना

মতেক কছিল রাম দেবতার রাজ লজ্ঞাযুক্ত হইল সব মুনির সমাবা। মুনি বলে শুন বাচা রাম নারায়ল স্ম্যুস্র করে জনক মিখিলা ভ্রন। ঘে দেখিনু আমরা ভোমারে বলৰান শিবের বিনুক্ত তুমি করিবে দুইমান। अनिणं (क्रांहि त्रांजा जारमण्ड जनरकत् गरत अधाक्ष पृष्टे डांडे ठल म्यग्म्य वस्ता রাম বলেন আনিয়াচ কাপুর গোচরে আমাকে না দেখিলে বাবু না জিয়ে অন্তরে। न कथा कि इत्ल चिन व्राम नावाप्त রাম্জ্য বুনি করি তাকিতে বুাহ্ম। হ'তে বিনৃক করি ঘান প্রায় লচ্মণ जारिएड नारकहड यान मकल दुर्गञ्चन। বিশ্বামিত্র কলেন রাম শ্রনহ বচন অগ্রেডে হে ঘাই আমি জনকের ভূবন। একথা গুনিয়া বলেন প্রায় লচ্চনে আগে বার্থ দেহ তুমি জনক ব্রাজনে।

মুনিরাজ গৌল ঘথা আঁতে রাজাগন मिडेगारित जिंद्रां स्ति फिल फ्रंगंत। বিশ্বামিত্র দেথিয়া ওঠন সৰ্ব জন আইস রলিয়া দিল গৌরব আসন ৷ বিশ্বাঘিশ্ৰ বলে মুনি জনক রাজন তোঁঘার দার আইল রাঘ স০ছতি লহ্ম। তাত্তাকে মারিলেন প্রার্থিয় লচ্মান অহল্যার করিল রাম শাপ বিমোচন ? কৈবর্ততে বর দিল রাম নারায়নে তিন কোটি রাক্ষদ মারিল বুক্সবালে। হাতে বিনুকে রাম দাদশ বৎসরে पृष्टे डिशिय्रेटिंग स्यय्मुत (पिणिवादि । এ কথা শুনিয়া ছরিদ ছৈল স্বর্ত জনে ञ्रीज (प्रवीत यत जान जाईन अज प्रिंग। রামকে দেগিতে লোক আইল লাগেত্ नन्यम्बः याद्य (घठा न्द्री (लांक द्राराधा সভে ঘার দেখিতে যে লক্ষ্ণ আর রাম মিথিলার সাব লোক জাড়িল গৃহকাম ?

अज कवि वाक्षिय़ एक यांजांव नेक व्यु हि গলাতে নিমিতি মালিকের কাঁট। বিশ্বামিত্র লৈয়া গৌল জনকের তরে অন্বজে লৈয়া গেন পারাঘ গদারিরে ৷ হর্ষিত হৈয়া ঘান জনক নৃশ্বরে মাসীতার বর আছিল এত দিনের পরে। বিস্থামিত্র বলে শুন প্রায় লম্ভা জনক রাজাকে সমুধা কর্ছ দুই জন। ওকর তচনে রাম কমললোচন জনক রাজাকে রাম কৈল সম্বাঘল। অন্বর্জেলৈয়া গেল রাম গদাবিরে हर्जनार्ठिन ऋदत (लोक व्रांग फिरिवरित र मक्टल (एगिन व्या क्यन्टन हिन অন্মান সব লেকি করে মনেমন। হ্মীতা দেবীর বর আইল এত দিলে द्रांग लक्कान रेलग्र (भन स्यग्नुतस्रता এয়ন সময় জনক রাজা কিছু বলে अजीय विमियां कथां खेरनन मकरन ।

যে জন বিন্যান ভারিবারে পারে সীতা নায়ে কন্যা আমি বিভা দিব তারে अ रूपा अनिया द्रांय रूपल लाउत বিন্তের ঘরে রাম করেন গমন। हिन क्लंब मीडां प्रवी लियां मणीति ज्यमिलिका चार्व अठि पिराप नांवांघाल। अिं वरलन अधी ऋति निर्वात কোন জন রাম বল কোন জন লহ্মধ। স্থাপিনে সীতাকে তুলিয়া দেখান হাত मृर्वीम्लणाम्य **उद्देश्य त्रम्नाथ ।** এ कथां खेनियां मीउं। डांख यत्यत्त পাতে হে বিঞ্চিত করেন দেব নারায়নে। মনেহ আরাবে সাতা ঘত দেবগন म्यांगी कि इ (प्रशाद क्यन लाउन। मृद्दे इस (ए। इ कृति सुजि करत ममती खनह मक्ल (प्रदर्शन

রাম ছেন তেলবিধি ন্যামী করি দেহ বিধি এই রাম কমললোগন।

প্রদান ক্রম্ হতাপান আর প্রদান গাজানন প্রদাদের মোর পরিহার

ইন্দু বক্তন ঘ্যা

মহাদেব করহ নিস্তার।

প্রান মাগ ভগরতী করে যে'তে করি দ্যুতি প্রান মাতা জগতজননী

তুমি কর্তা তুমি দাতা তগততাননী মাতা তুমি মাতা হরের ঘরণী।

মহিদাস্র আদি ঘত বিসিশা ঘে কত শত দেবগানের করিলা নিস্থার

এক দ্চ্চে সীতা চাহে রামকণে মন মোহে রাম বিনা গতি নাহি আর।

ক্মারকটোর বিনু প্রায় ক্মালতনু

কেমনে তুলিবে বিনুক্ত হাতে

কত শত রাজাগালে বিলুকে না দিল ওবে কেমনে ওল দিবেল রঘুনাথে। সীতার এমন মন বৃক্ষিয়াছে দেবগাল আকাশে হইন দৈববালী শ্বনা জনকসুতা না করিহ এনোব্যাথা স্মান্নী হবেন রাম ভেলমলি। ফুলের বিনুকসম হেলায় তুলিবে রাম এই রাম ক্মললোচন দেবতাগালের বালী চিন্তা না করিহ তুমি কীতিবানের নাঠাতি বিলক্ষণ।

বিন্কের ঘারে যদি গোল নারায়ন বিনুক ভোলহ ধলি বলৈ দবর্ম জন ঘত হ রাজা আছেন জনকের ঘরে এই শিশু দাহদ করে মরিবার ভরে। অনুমান করেন তামন ঘত রাজাগ বিনুক ভোলহ বলি বলে দবর্ম জন। লহ্মন বলেন শুন দেব গদবির বিনুক্যান ভোলহ দভার ঘুচুক ভর ছ

ब्राग्र रालन छन (एउ राशिव (कांडिव আজা কর বিনুক তুলি হাতের ওপর ঃ भारतक रिल्या राम रेन्क निल कर्त नि विनुद्रकृत महिमा नि उक् लिरिक करता। विन्क विविद्या व्याय नम्म्लिक वरन फूलरेनुक जिल धन ज्ञिलिखं काला। বিনুকে তেল দিয়া রাম বলেন মুনির তরে আজা কর বিনুক ভান্নি গাধির কোউরে। মূলি বলেন শুন রাম জুমি দেবরাজ বিশক্ত ভাগিয়া তুমি দুচাহ সভার লাস। अधिर्व नाम लहेर इंग रीन्टि फिल होन यक्र इहेग्रा रीन् इहेल पूरे भात। जिल्ता मकन रहेन क्युतान। जनक द्वांजा कि हिन (ए (एव रांप्रितेर्द्र ৰাদ্য বাজানা বাজে মিথিলা নগরে । राति वस पिया वाजा वत्न मडाकाद अरकर निमनुन कति वौदत्वौदत् ।

दायहरू व रामां पिल म्यस य्नित घरत म्याख्य वृश्चिनी (कोणनार्) नथ्य दिरव । কৌশল্যার সমান কেছ নছে ভাগাবান याया विलया पाद्य वदलन जगवान । রামচকুর ছিল সুমন্ত মুনির ঘরে विन्धिशिद्य ठिल शिन जनरख्य मृद्य । मील (पर्वी विकालिन म्नित् छव्दान আনন্ধ হইল তবে জনক রাজনে 1 जनक वरनन (भामानिः कृति तिरवप्त भीउ। (परीव विडा पित कवि खंड स्व। न कथा खनिया स्नि शिषित नमन जग्नि जारिन ग्या जार्गि नद्याना রাঘ যে বলেন গোদানিগ বলি তোঘার তরে जाया (लिक्) इंग्रेस रेन्स्र जारगरिय निर्देश यानि दल्लन व्रायठम् दलिवादा ठा है विटाह कतिग्रां वात यांच परे डांडे।

রাম বলেন আনিয়তি বাপুর অগোচরে जायां नां (एए णिएय वानु नां जिएय । क यदत । ठउथे ज्ञाउाट जना लहेग़ा जि अक पित मে ভাই এড়িয়া বিভা করিব কেয়নে। ঘেষা রাজা চারি ভাইকে চারি কন্যা দিক তার ঘরে চারি ভাই বিবাহ করিব। এই বাক্য বারি হৈল পারামের তুগে আকশি ভাপিয়া পড়ে মুনিরাজের মুতে। पृष्ठिषि इस्म शिन विश्वामित उरनेरिन जनत्क्य कांटल शिंद्रा फिल प्रमाना जनक राल्न शिमां निष्ठ कित्र निर्दारन সীতা দেবীর বিভা দিব কর শুভ ফুল 🕽 বিশ্বামিত্র হলেন শুন জনক নৃপ্রয়ে তোঘার ঘরে রামচন্দ্র বিভা নাই করে। ক্ষহিতে লাগিলেন তত্তে জনক রাজন कियां पृष्ठा भोडेरवन (यांत्र पिव नांत्रांग्रन। ভারি ভাইকে ঘেকা রাজা চারি কন্যা দিবে তার ঘরে রামচন্দ্র বিবাহ করিবে।

य कथा। छनिया दांजा करत रहहे यांजा मीउ। वहे खना। नाहे जांत नांव (क्रांधा। শতক ভাবিয়া বাজা নাছি কছে কথা मनाग्रदी। जाकि वहलन वस्त्राणी मीउ।। न्हे ने खिडां करियां राजन (एव श्राप्ति व अक चद्व केवि कना किवि डार्प्य उद्ध । क्णवैज भू जांव जांटल पूरे हि निम्ती ভরত পর্যু ভারে ককল জামনি। रक्ति छिनि छोटक अमिलि। नाम रित उद्दिश (य विज्ञे क्यन नम्मन रिन्क्रिय । আর কথা কহ গিয়া পুতু রামের তকে जागारक ककन विजा (एक श्रीवीद्य । হর্ছিত হৈয়া মুনি গাধির কোউরে बांजी शिवा पिल यूनि वावारयव उरव । नक निर्वात अन वांग्र शंक्र विद्व চারি কল্যা দিবে জনক চারি জনার তরে। वांग वलन उरक शिमानिः कवि निरवपरन ভাই দৰ এড়িয়ে বিভা করিব কেমনে :

আমার কথা শ্রন ওছে গাধির কোউরে বিবাহ করিতে নারি বাপুর অগোচরে। विडा किएउ (डांग्रांत्र पत् यक्ति यो कि বাপুর ন্তালে মনুদ্র পাঠাও এক জন। अटउक खेलियां यांग् शिक्षिक रक्षेडित बार्जा पिएड शिल घथा जनक न्नेवत । জনক আ'চেন আর দীতা ঠাকরানী হেন কালে গেল তথা বিশ্বাহিত মূনি ৷ মুনি বলেন প্রন এতে জনক রাজন রাজাকে আনিতে লোক পাঠাও এক জন। मीउ। रत्नन शिमानिः क्ति निर्दर्भन (उांचा वहें कि घांहरव उद्यादी) ज्वन। न कथा खनियां यति जात यत्यात हाडेक रेष्ट्राप शाजायां एक वाका किल प्राप्त । 18 अव घर्ग जायांत्र मृचिरव हिन्त्र्रान आधि महेक रेश्म विद्यं कतांद नांतांम्रल । २८७क बलिए। युति क दिल शयन जिक्का भारतार जिया प्रिल पर्भाता।

ম্নিপত্নী স্বাহিচে মুনিরাজের তরে विन्क डांशिल नाकि (एव शेष्विद्य । মুনি কহিতেচেন তবে রামের ফল্যাল लिरिक रीतृक डांत्रि वांग्र रेकल पूडे भांना। जिक्राण्य ग्रानि उधन नेक्ट्रां कर्त्रया গমার কুলেতে ঘূলি ওতারল গিয়া গন্ধাপার হৈয়া চলে গাস্থির কোউর य गार्ति । विद्यारिक करना भेवत्। अर्लात् उरमावन मेळ्डा- क्रिया नंबरनत उनाइगि उउहिन शिग्र। भवरनव उन्राच्या भूडेग्र कड प्त ডাড়কার কাজে গেল গাধির কেঙির। नित्य शिक्षांत्र जीएत फिल फ्रामन मृद्र एउ थोकियां (मध्य जायां विशंव एन १ आमियां (प म्निवांज वांग लिए। शिन এका यूनि जामिएएए द्राय ना (एणिन। এ कथा कि जिल्ला तिया प्रभाव एएव আঘুদ্ভকেশে বাছির ছয় অভের কোওরে।

क्षंपिरशं देशित रेश्न जारजात नमान রাম না দেখিয়ে রাজার ওতিল জীবন ৷ একা মুনিবর আইল রাম মোর কোণা হেন বুঝি গাইলে মুনি দশর্থের মাতা। (कांगा नक्सन (यांत (कांगा ग्रहेना द्रांय রামশার করি রাজা হইল অভান। বাত্র্য লাইয়া আইল হাজার যত রাগী ज्मूत हाँत्रिय (यन फूक्टत वानिनी। उछि व भारत्त् त्रांग पण नाहि नर्त् হেন রামে মাইল রাক্ষদ নিশাচরে ৷ (कोणंना। अणिएए रेवरम यहात्रांकांत नारणं जुला पिया नारक व पिणि कि निशास्त्र। কৌশল্যা সুমিত্রা রাজাকে করে কোলে मुयाप मेजिन जांजि जाए। तेरा ति । অচ্চ বৎসরের রাম দশ নাছি প্রে हिन द्या भारतेल दां सम्म निर्णाठ द्रा আকুল হটল রাজা অজের কুমারে विश्विशिज मूनि (एणि मूला युना अए)।

রাজাকে লইয়ে কোলে কাঁদে স্বর্ব জন_ ছেন ক্রালে আইল তথা বলিন্ধ ব্রহ্মেল। रिलिस वर्ण कर उरह म्नित नम्त রামের কথা কহ সভার জ্ভাকু জীবন। न कथा खेनिएए करह शिवित (कांडिर्व ভাৰ यस ना सूदीरिय केंद्रि किरमद उरदा রাঘের বাপ বলিয়া সহিচি বারে১ আ্যাকে সানিত ছরিক্দ্র ন্ ববরে। विलिख विलाग यनि क्र विषायान अष्टम्बरद्र**८५ जोक व**लिएए व्राग्र १ म्नि वरल आहम वान् लम्मान उ वांम ভোমার লাগি ভোমার বাপ চাত্যে পরার। এउ विलिएम सूनि जातक अञ्चलक পা কাড়িয়ে ওঠে রাজা অজের কোউরে 1 (लाहेरिय निज्न व्रांजा यूनिव निष्उत्ल (ऋांथायं असीन (कांत्रा थ्या श्रम्य श्रम्य श्रम्य य्ति वरल अत (वहां काँ प्रम किकात्न नूरभात विक्य कथा कर्न भारत खन।

তাঁত্কাকে মারিল তোঁর রাম নারাম্ন অহলার করিল রাম শাল বিয়োচন ৷ रैकवर्डातक वह मिल (डर्ग्स न्या इर्गम इकिम यांतिए यूनित रेकल नेविजांन। चुरामुत कित्रां जिल जनक न्नेदरत अतिण (क्लि द्वांजा शिग्नि जिल्ल जांद्र चरत्र १ हरत्व दीन्क व्या रेकल पृष्टे गर्भन लम्भी अवउदि कना द्रांग नोहेल एति। তারি ক্ল্যা দিবে জনক চারি ভূডিার তরে পুথোর বিভা দিতে চল অতোর কুমারে। न कथा खितिया वाजांव जानक नव्नि भान प्रांन प्रिल्ल पुंचू कहि वाग्रनाग । অঘোষ্যা লইয়া তথান কজি গোল শাড়া लक्धर इन्द्री माजाग् लक्धर पाजा। নানা কলে র্থ সাজায় অতি স্পোডনে ডাকিয়া আনিল রাজা ভরত শত্রে। ভুরা করি সভাবে করিল নিম্মুল ज्यायोग्रेगंत लोक मव कविल माजना

क्ड व्राथ ठिड़िलिन घरउक दुर्किल आवं वर्ध करच दांजा रेन्स न्स्रिन। क्लोणंना । वत्नत उभन म्याज्ञां व उद्व र्तिष् पिएउ ना नारेनाम वास्मव गंदीरबा স্মিত্রা বলেন শ্বন বলি গো ডোমারে রামের পরিতে মধল করি মোরা দরে 1 পাইক পদাতিক রাজা নিলেক বিশ্বর ঘারা করিয়া চলেন অতের ক্যার। রায়বার পড়ে ভাট বেদ পড়ে বুাহ্ম आनिति रघ लम्भी «प्रवी शिथिलांग् जिनाल शिधिला नशेत रितन नृतिंउ रहेल। घुउ प्रदर्भेत जनक कतिल मद्रावित म्रात्र डार्थात कत्लि यातार्ह । ठाल वालिवालि रिकल मदमल कें। जिर स्रात्र थे हेन त्रांजा नक्षर स्रिः

এथा रेमनाराज रेनमां जाजद नम्त नाइयू नामीत जीरत प्रान प्रान्त। न्या निर्देश देश रेकल मूर्ति एर्न মেই দ্বানে কৈল রাজা মিদ্রান্ন ভোজন। नंत्रम् तनीरं दांजा उजीव इहेगा डांफ्कां व वतन वाजां नुरबिनन शिया। বিশ্বামিত্র বলে শ্বন ডাজের নন্দন এই বলে তাত্কা বধিল নারাঘ্ন ৷ এ कथा खतिया वर्ल जाजद नम्मन তাতকা দেখিব প্ৰত্তাতকা কেমন ৷ তাত্কার কাতে গেল রাজা দশর্থ পঞ্চাশ ঘোজন পড়ি আঁতে আগ্ডিলিয়া পথ। তাতৃকা দেখিয়া রাজাভাবে মনেমনে ইহারে মারিতে নারি যাপ্র পরালে। তাতৃকার বন রাজা পশ্চাৎ করিয়া প্রনের জনাছ্যি ওতারুল গিয়া। পরনের জন্মছমি পশ্চাৎ করিয়া অহল্যার আশুমে রাজা ওতারিল গিয়া।

उद्याद उत्निवन नेक्षं - क्रिया পার তীরেতে রাজা ওতারিল গিয়া। धा किवर अंव लोको द्राय (माना कदिक्तिन प्रणंत्राथंत्र नाम खेति तोका माजाईल। तोकांट वा नांत्र रेहल यउ रैमनारांन मिकां लेट्स शिया वाजा प्रिल प्रवर्णन। রাজা হলে শুন মুনি বলি ডোমার তরে ক্ত দূর আচে আর মিথিলা নগরে ৷ বিশ্বামিত্র বলে শুন অতের ক্মারে এথা হৈতে আতে আর তিন কোশপরে। श्निनंदी आहेल प्रभंद्र था (प्रणिवाद्व हेशंत अंतरम जना निन शिषांविदत । यनित जिल्लाम्य ताजा नेक्टां कतियां शिथिलां व निक्रिंड अखबिल शिश्र। चिथिलो व निकटिएउ नुका रेमनाशंब নানা জাতি অমু থেলে বাজায় বাজন ৷ দুত গিয়া বার্তা দিল জনক রাজারে অনুবর্জিয়া যে নিল্ অতের কুমারে।

র্থে হৈতে নামে রাজা অজের নন্ন जनकमहिए द्रांजी किन प्रमुप्तन। জনক বলেন তথান অজের কুমারে চারি কন্যা বিবাহ দিব ততুর্থ ভুাতারে৷ मणंत्रथ वरल खुनि जनक व्यंजार्व ममुक्त इडेन मित्र ऋी ठांति क्यारत 1 मृहे व्राजीरिं जिथन (य कर्व स्थापन বিদায় হইয়া রাজা করিল গামন। या चित्र विम्मियं किन मुंचू द्रम्ताथ त्य ठालां हेया उथा (ठाल प्रणंत्य। বালের শার পাইয়া রাম হইল বাহির র্থে হৈতে নামি রাজা নিল রুঘুবরি। রাম লক্ষ্যল বন্দিল গিয়া রাজার চরল ভরও শারুদা বন্দে পুভু নার্ণায়ল । লহ্মণ বনিলে গিয়া ভর্ডচর্ণ পারুদ্ম আফিয়া বন্দে ঠাকুর লক্ষাল । তিন ভূতি য় নার য়েন কৈল আলিমন ज्यूराग नेनिक्ड जर्र जरजत नम्तन।

ৰাটেতে ওত্তরে কেছ ওত্তরে বা মাটে क्ट इन्तन कवि भाष मद्रावदव्य चारि भाउर लह नह अहे लंद खित जात्त नित्न रेंड्न कार्या ए योगोति। विणिक्षे ठ लियां शिल जनरकत परत সভা করি বসিয়াতে জনক নৃপ্ররে। ৰশিধে দেখিয়া রাজা করিল অভার্থন পাদ্য অর্ঘ্য দিল রাজা বসিতে আসন। ক্ছিতে লাগিল তথান জনক রাজন সীতার বিবাহলগু কর শুভ ফল ৷ সভার মবোতে মুনি ভ্যোতিষ মেলিল न्नवर्यम् कर्काप्टेट कना नर् रेकल । ঘাহাতে বিবাহ করিবেন নারায়ন ची नेकाघ विष्ठूम नहिन किन । সেই লগু করিল যে যত বলু জন स्दर्श थां कि पुंकि कर्त यक (एवर्गन।

न्त्री नेकाम विष्ठुप्र निर्देश रिकान कारल क्याउ यंदिरव उरव नकीत जिथात । जायांत्र कथा खन अस्ट (एव नंद्र मद्र नश्रुञ्च कर शिया वाम शिविदा नाहेग्रा रहेग्रा उत्व या अ मनिद्र नाहे कहा शिया ज्या जनरक इ द्वारत । उधात नारे पिणित जूनित मर्ग्य जन विद्यां योग (यन तांध्यत कर्कडे लिशन। नित्र कित्रियो उधन विनिध य्निवरत वार्खा शिया दिल यनि प्रनेत्रधंत्र उरहा । হর্ষিত হইল রাজা অত্যের নন্দন চারি ক্রার তরে দিল অস্থ অভরল চ मरम् डांत प्रि रेक्न मरम् डांत क्ला मरम् प्रिशानरेन अशिक अञ्जन। সন্দেশের ভার লইয়া ঘত ভারিগান जिथियोम कित्रिं उल्ल विशिक्ष दुक्तिन। मडा किति वरमरक्तन जनक त्नेवरत (मरे गान उडाइल विलिस गूनि वरदा।

দুবোর ঘতেক ভার এড়িলেক গিয়া আদন করিল মুনি কুশাদন পাতিয়া। मारे स्निन करह ग्रानि जाउ जन्नग्र ওপরেতে আমুশাগা নামতে দ্যর্থ বাল ৷ (वर्पत दिनि करत उधान मकल द्विस्त जीउ! (पर्वी आनिल शिय़) कविय़। ज्यन। विमित्न मोछ। (एवी मुक्द अंत भीट हे (यप्राप्त फिल शिका मीउर्त ललाटि । চারি জনের অধিবাদ করিল রাজন বস্থ পরিয়া দিল আর নানা অভরন। जलविश्वां विद्यां कन्तां लहे लिन चर्व जनक द्रांजां (प मकल पुरा टाय करदा। जिथिकोटमत प्रा लिया ठलिल युक्तन রাঘের অধিবাদ করে করি শুভ হচন। प्रणव्राथं कर शियां विनिष्ठं यूनिवरव অধিবাদ কর রাজা চারি কোউরে। রাজা বলে শুন গোনামিঃ বশিশু তপেবিন यद्यानेवीउ नाहि इय ठाविडि नम्भन्।

দাণিতকীতি করি রাতা চারি নননে ঘডোপতীত দিল রাজা শাস্থের তিরিদিন। इांग्रठम् विमल शिया वाटनेव निकरि (बप नेजि शंक्त पिल ठाँवि जांदाव ललाएं। তারি তানের অধিরাস করিল রাজন বস্থা পরিয়া দিল আর নাদা অভরন। नांमीयूरणत् (यवां वांत्रां जिल्ड विवान नामीय्य नामा द्राजा कविल उधन। (को मंना। वुश्चली आंत्र घउ मार्थी लिया। আনন করেন সব রামকে দেমিয়া। নাগিওকীর্তি করিল চারি সংহাদরে जारिए निवानि पिन मागीवा माकरना। छोलांजल युनि करत तांग्र श्रीवेरत মপ্লস্তা বাল্ধি দিল তাহারদের করে। उधन यशिल कृति विमिल नांत्रांयून रियां विनामां कविरक्त ए यमनर्यादन। মাতায় বান্ধিল পাগ মন্তক মণ্ডলে विमाग् मुक्हे मिग्ना नांठा हेन इरियद् ।

अभूति जिभूती फिल वांश्राउ कक्षन कर्लिए कुछन पिन मूर्पात कित्न। দিব্য বসু পরিবান ভাই ঢারি জন অপেতে তুলিয়া দিল নানা অভরণ ৷ यां उां यूक्ट उरव वां किल य्निवरव ফাত্রিরা বিভা করে চতুদেশিলোপরে চ ততুদেশিলের সাজন করে অতি ঘেকণস उनेरत जुलिय़ फिल अत्वर्गकलमा চারি দিগেতে দিল সুবলের কারণ বালমল করে গ্রাজমুক্তার কারা। वैश्रि पिल अव शिराजल ठां शत চত্দেশিলের সাতন ছৈল অতি মনোছর ১ আপনার সাজ কৈল অজের কোওর পায়েতে ঘে সাকা দিল মাতায় ষোপর 1 র্থের ওপর চড়ে ছাতে বিনুষ্টপর ঘারা করিয়া ঘায় অতের কোওর ৷ हारहे वांग्रवाङ नाइ (वप नाइ व्यक्तन ৰাদ্য বাজনা ৰাজায় না যায় পাৰন।

দেয়ামা দগত্ৰাতে বাগল্পি বাজনা চত্দোলে আহেবাছন করে চার জনা हांक (हांन वाजिएक उसु (कांडिरकांडि ठाति फिरा अंजिल वी नांत्र कहेक हि। কত ঠাই বাজিয়া ঘাইতে ঘোড়সানি कौ नि दैं नि घउ दर्ग नियम ना जानि। होलि नाहेक पांग्र भाषांत्र ठिकिमिकि কত শত সাজিয়া ঘায় ঘুকার বানুকি। চন্দু নৃত্য করিচেন জনকের স্বাকে হেল কোলে গেল তথা অজের ক্মারে ঃ অনুবর্জিনিতে আইল জনক ন্পররে पूरे कहरक (ठेनां ठिन वांजिन (घ दांदत र न्थरमञ्जू पृष्टे जतन नाशिरक (वेनरिवेन्त्र रिलिरिटिल इन्टेंट न्ने भागिरिशिलि। ठमुन्उ। (प्रिष्टि जूनिन मर्जात यत একর আইলেন मुভুর नेब्दांट लघान। তারে বরিয়া র ছিতে পুরেণছিত বুক্সেল क्नां म्यानं । क्व जनक द्राजन।

'लिन यमा (कह कोत नो खेरन वष्ठन वर्ष्ट शिल पृंजु व्राध्यव पेक्कां निर्मात । ज्यानक घडान निया (शल द्रांय श्रांतित्व ठांत डांडे दिन कांग्रं यशदात उत्न १ मुं अध्य कि तिन द्रांय मकल द्रांक्त अरिल বস্থা দিল রামের তরে মাডায় চন্দেনে ৷ निधन रवन करत घड नाविशन निरियार उप पति फिल यांडाय फ्वर्टा शिता ৰর্ন করিয়া পেল ঘত সমগিপন विवास वाजिल पृष्टे पूर्वाष्टिउ वाक्सन। শক্তানন্দ্ৰ বলে বলিশু তোমায় কহি দত্ৰ ठमुव०लं वहे मूर्याव०लं नटह वज् । विशिक्ष वरलत यूति अ तू कि (क्त म्रेजि कह (प्राणि जुमि ठमू ४०-८ णत कुन जि শতানক মুনি বলে সভার ভিতরে ठम्द्र त्णंत कथा खन म्नित्त्त । দেবতা অসুরে যথিল সাগরের পাৰি उ है हे अस्य व वादि रेशन नम्भी ठांक्दां औं

अशित्राथात रेंड्ल ठम् उनापान ठम् (प रहेल उग्र म॰-मारहर नाम। তন্ত দেবের বেটা বুবি ছৈল বলবান आंत्र (माध्य प्रा हिल प्रनिया नागा। नेकक्ष नार्य रहेल डांहांत (कांडित भाउाष्ठ नारम नूश विविष्ठ म०-मात्। ঘার্যাবর্ত্ত নামে ছৈল ভাছার নন্ধন अनेपि नाध्याद जांत रहेन नम्ता वान नाया न्य रहन जात मर्व जन दिउ नाय उद्भ न्य जां विष्क्रित । শূর নামে তার পুণা বিদিত মহিতলে मार्ग न्य रेहल उात मवर्य (लारक बरला। স্থা রাজার বেটা স্বর্ব নাম বরে হৈ নামে তার হইল কোওরে। হৈহৈর বেটা যে অজ্ন নাম বিরে निश्चि नांध्य उन्त न्य मन्त (लांदक तला। निशि (प वनिशं (लांक (चांचर्य अ०, मार्व मिथि (घ नोत्माउ जाहांत हहेन 'किंदित ।

সভে মিলিয়া রাজার শার্বির ফান মি उरिंटि जिनान न्य नाम डांत (मिथि। शिथला वलिया (प रमहिल नशंत জনক কুশব্জ হৈল তাছার কোওর। विनिष्ठ वरलम (उपयोव कथा खिन अवर्व उन जांशि कथा। कहि उत्त उत्हि प्रह यन। जापि न्यम रहेन एप नाम निव्युन दुक्तो विस ग्राहम्भव न्या जिन जन। जित न्य रहेन ए रहना अरूगांति क्मनी विलिए। लाग्र मडाहे वागानि। সুর্তকার মুনির পুথা বিনানার্দ জানি उर्शिक (ध विद्य पिल क्नाती जिनि ! মতে গীত গাঁয় নার্দ বাজায় বেনু ত। হাতে জিলান কন্যা নাম তার বেলু। डांहा विजा फिल प्याहे जग्रहित वदव 2क जा राभं नांद्रांग्ल जिल्लान उभेद गरद ।

বুহ্মার কাচেতে পড়িয়া গোল বচি ভাছাতে জন্মিল পুঞা নাম ভার মার্টি । মারীতের বেটা ছৈল কেশাৰ নাম বিরে তাহার বেটা হৈল সূর্্য বিদিত সংসারে। সূর্য্যের বেটা হৈল মনু তার নাম মনু নাম বলিয়ে তার হইল বাঁথান। মনুর বেটা হইল অজানুনাম বিরে তাহার বেটা সুদেন হৈল বিদিত সংসারে। স্মেনের বেটা জীবঘোষ নাম বিরে তাবিঘোষ রাজা হৈল অঘোরি াগরে ! জীবঘোষ রাজার যে কি কাইব কথা ভাহার জিনাল পুঞা বাম যে মারুভা। মান্ধাতার পুথা হৈল মুক্তন নাম বিন্যায়ারি ভার বেটা অতি অনুপ্র ৷ ভাহার বেটা হইল যে ইলা নাম বিরে ভাছার বেটা শতাবর্ত অঘোষ্যা নগরে। আর্ত্রাবর্ত নামে তার ছইল নন্দনে ভরত নামে তার বেটা জানে স্বর্গ জনে।

ভরত রাজার আর কি কব বাঞান यां हार वृधिवी ए हिन कांत्र वृत्री । তাহার পুত্র হইল ইফ্রাকু নরপতি विणित्से वुंध्यल रेकल स्याद् सांव्धि। ভ্বির নামে তাহার হইল কোউরে भाषा नारम जांव न्य जारणिया। नगर्व १ মাণ্ডার বেটা হৈল দণ্ড নাম বিরে পুজার বিচ বহুকে ৰলাৎকার করে। তাহার বেটা হৈল হরিত নাম বিরে इतिवीज जांत्र (विधे विपित्र माध्यादित ह হরিকীজে রাজা করেন পর্য আনন্দ ডাছার পুপ্র ছছল নাম ছরিতন্। ঘার মানে দান নিয়াতে গাধির নদ্র আপনি বিকাইয়া তার স্থিল কাঞ্চন। হরিশ্চন্দু রাজ্য করেন মনের ওল্লাঘ তাহার প্রহল যে নামে কহিদাস। क हिप्तारमढ़ (वहे। युनु। अग्र नाम वर्ष जिलेक् उद्यां त्वहे। विपित मण्माद्र ह

তাহার বেটা কক্রাপ্তদে অঘোষ্যায় বিদ कांग्रण वर्जादवं कारल करवं अकांग्रणी। कक्रांशरित्र (वहां विर्माप नाम वेरत মকত নামে তাছার যে ছইল কোউরে। অনার্ঝ্য তাহার বেটা জানে স্বর্ব জন তাহাকে মারিয়া গেল লহার রাবন। তাহার (वहे। इडेल (प वांध नृनंवरत স্পার ভাছার বেটা প্রে মছেশ্বরে। जाग्रानु नार्य उद्धित इहेन (क्डित हां इति देव हैं। जिल् खेळांन विक्रिंड अन् मांद्र ! ত্তত-শ্রমান রাজা রাজ্য করেনতৌ তকে তা০-শ্রমান রাজা মৈল আর নাছি থাকে। डिशीव्य डोड्रंव (वहां डाट्यांदेगं तराद्व शक्षा जानि अजाविन मकल मण्मादर । विजनेज नारम जोत इहेल (क्लेडिर्त विकल जोशंव (वहें) जापांवा। नगदा। डाइन्त (वहें। इड्रेल डाग्रमि (घ इन्जन चिलीन दांश्व (वहें। जारन मर्व्य जत।

দিলীপের বেটা রদু বড় বলবান व्यूत्रान कि यांत् त्रान्य वर्गान র্ঘুর বেটা অজ দেই বড় বলবান তার বেটা দশর্থ দেশ বিদ্যমান চ मणेत्रथ द्रांजां (मण जिं जिन्नेस তাহার পুতা দেশ এই দেবতা জারাম। अध्यक्त विनिष्ठ सूति विनिन अड्रांटक खनि अजानम यूनि शंड फिल नांदक। পলিগায় ৰন্দ্ৰ দিয়া বলে জনক রাজন (जीयांत नंद्य कनार्ग फियां नहेनाय नंत्र। प्रभाव के विषय क्रिक विश्व कि विषय শর । लहेलांग्र प्रियो ठोति (कांडिएत । पूरे वाजा अठि उरव किल मध्रांसल ফন্যা আন্থ বলে যাত বন্ধু জন। ताना (वण ह्या क्रवन घड जागीशंदन (यण कतिल लक्षी (यांहिए नार्ंश्राम ।

यांउग्र (क्र क्रिंग प्रांग को (उनि जिल मृति ए कि विल ठन्त्रमुगी र हिविनिएउ (क्रांभेव कर्व जल्ब यां छेन जासिर जाडतन मिरउरक उ॰ ऋने। क्लांटन जुलियों दिल निर्मान मिन्ह्य वाल मूर्गमय उज प्रिशिष्य पुठ्र । नारकरं (तमत प्रिन युक्उ। हिल्क्रोरल मारिय माज्ञा मिल मकल नंबरिय । ठक्षेल नग्न (य्निक क्झाल्व (व्राधा कार्यात कामान (यन ६३०) निलिए उट्टो । গলায় ভুলিয়া দিল হার বিলোমিলি युरक्ट जुलिया फिल (आनात कॅरिटिन । শুর হাতেতে তুলি দিল সোনার তাত अभि अडर्भ मिय्रा डिमिन अनीत्। দুই বাছ শত্নে পরেন তাতি বিলহ্বন শন্ত্রের ওপর সাতো সোপার কন্ধন ৷ वचा ए नित्न माड मुग्त नुत्र मुहे भारम जुलि पिल याजन नृभूत।

अवर्थ आमत्न विमिल्तन कनेवडी চারিদিগে সুপলি দিল সোহাগের বাঙি ৷ क्रांति ज्ञीरिं विणं कतिल विलक्ष्म खंड ऋत्व ग्राथित शियां पिल प्रवर्णन। **जा**न्छ नांद्रे वरव्य ग्राध स्थान রামের চরবে গিয়া করিল পুরাম। जानु लिया नयकात करत् मछ नुषक्तिन रेकल व्राध्यव नेप्रजला उद्धिश्रिष्ठ पूर्वाहिल यङ वन्तू जन लक्ती नांद्रायद्य इहेल खंड प्रवर्णन। मीउ। लहेगा माइ रेलग्रं पांग नांनि नम्बी नार्वाव्रत्न (क्रिंग्टर रेश्वांटर यानाति ह जनदी त्रां फिय़ां कना। वत लिल घरत् (अग्रिंडिल रैनग्रं न स्त्री जन्तकात गरत । বরকে আনিতে আন্তা করে সামাণান मधीत नुजा ककन ताम नातापन। হাতে বিরি আনাইল রাম নারায়নে সীতার হাতে বিরি তোল বলে বলু জনে।

यानाउ जावित्नन उपन मीउ। ठीक्षां भी नारम हांड (पन नारक वांग विभागी । বাম হাতের শান্ন করেন ক্যনকানি शांखाड विदिशां (जांतन वांग विग्रानि। ची (लारकत निवृद्यम करत (महे राँएए (कह बत्न होए धरत (कह बत्न नार्ग्र) मृत्र्यभित्र तत् कता। आहेल पृष्टे जात कना। प्रांत करत वांजा विविध विविधित। कनार्र प्रांत करत दांजा विविध नेक्रित পঞ্চরতিকী দিয়া পরিছার করে। प्राम प्रामी जातक द्रांजा फिल न्नेवरद जनवादा पिया कना। वव नहेन गरव। রাজা রালী গিয়া ঘরে করিল রক্তন कना। यत पृष्टे जात कतिन (डांजन। रांमव पव माजहिन घउ मागिनेन व्रांग मीज वामव महत विक्रिन पृष्टे जन। अमिलात माहिउ आरिक्त ठांकूत लाम्ब यखरोत भाष्ड আहित जत् जत् विवसन ह

শু তিকার সহিত যে আতেন শতুর বাসর বফিল রাম লহ্মন চারি জন। আনন্দ হইল সাব মিথিলা ভূবন व्रायरिक (प्राधिष्ठ घांच घठ नार्देशिन । भितिष्टांम करत जी (लांक व्यातांध्यत उरत ভৌমার যে কণ জারাম সীভার সোঘরে। এক কথা আমরা রাম ডোমাকে কহি ভাল সীতা বড় সুন্দরী ছে ভুমি বড় কাল। श्रीमियां वर्णम इंग्र क्यलरलाठन जाया इहरड म्म्द्र वर्ष हो हेड नम्बल र পরিহাস বৃত্যিরা হলিবা মাত্র বায় রামকে এড়িয়া লহ্মেনের ঠাঁই ঘায় ? (घथांति रिम्मांदिन शेक्त लक्षान (अगारन ठलिय़) शिल घउ मगशिन। शनाग् रच्य पिग्रे रत्नत नम्म् । अभ्यनि রামকে পরিহাস করে সে যোর তলনী। लक्षांयुक्त इहेग्रांउ घंउ मणीशन শুলবরার গেল ঘ্যা আতেন নারায়ল।

র্গিক্তিতে বস্থিল রাম কমললোচন म् । उशकारल एउ रहेल अर्घाव किवल । न्।उश्काल रहेल (घ नुस्ति विर्ति मड्य कित्र विमिल्तन घउ वज् उतन । আনন্দ্রাদ্য বাজে তথান জনকভ্রনে विष्यं योशिन िया विषेध व्यक्तरन । अक्था खनिया वर्ल जनक न नेवर श्रीय जात मी ३१ थ। कुल नथा नक व मत्। आंनियां वर्णन उत्ह उत्हद नम्न भंदीद लहेगां गहित द्रांणिय जीवन ह शिलांग् वच्च पिग्रां उथन वरकत द्रोजन সভে ছে আ্যার দরে করিবে ভোজন ৷ ভালং বলিয়া বলেন অজের কেভিরে সভে ভোজন আজি যে করিব ভোমার দরে। রাজরালী ঘরে গিয়া করেন রন্ধন একে আন্ন হইল আর পঞ্চাশ ব্যঞ্জন। मान किति छाईल घउ मत वांकाशन আনন্তি হৈয়া সভে করেন ভোজন।

रङांजन कित्रल त्रांग नत्रग इतिरध मिरि पूर्क पिल द्राजां डांजनाव लांदा। আঠমন করিয়া সভে বসিল আসনে कर्त्त जामून पिल कतिएउ (डाजरन। সেই রাত্রি বস্থিল রাম জনকের ঘরে विश्वकारण विष्यं ग्रांश जाजब (किंडिया রাঘ সীতা ততুদেশিলে করিল আরোহন हारहे व्राग्वाव नेरङ् विष नरङ् वुश्कान। अधियुट्ड (प आंना पिरलन यांडांग् होनेत র্থের ওপরে চুড়ে হাতে বিনু ৪শর। ठांति नृश्वती शिग्न ठांनिन ठज्रामीत বাদ্য করিয়া চলে অজের কোউরে। দেবর্থে চালিলেন বলিঞ্চ বাহ্ম চতুর্দিগেতে রাজা দেখেন অলহ্ব। রাজা বলে শ্রন গৌদানি বিদ্যান্ধ বাহ্মন বসিশু বলেন শুন রাজা অজের নদন। ठांति न्य ठांति फिटा फिए विपायांन কি করিতে পারে ভোমা এ সব অলহাল।

रापात (प ग्रांनेन अतिन आंखानं खनिया नेवखेवाच्य लाशिल उवाच्या যিথিলাতে শুনি কেন বাদ্যের বাজন रहन वृक्षि मीडाटक विडा रेकन (कान जन। যানেং ঘুক্তি করে মুনির কোওর उथा व्या भीजा विषाग करत न्ववत् । ব্রাজা তবে সীতাকে ঘে কৈল গিয়া কোলে नक्र उम्र पिन वपन क्यान বিস্তর দুঃ থে ডোমাকে যে করিলাম পালন বারেক মিথিলা বলি করিছ স্মর্ব। लानाम पूर् निम्लाम अदनकः निक्डि রামের সেবা করিবে যে পাইবে মুক্তি। শিক্ষাইলাম ভোমাকে যে বিবাহের কালে স্বামীর সেবা সীতা নাছি চাত কোন কালে। বিয়োরি বছরি স্ব দিল দরশন तेनांग् देतिग्रां मण्ड प्डिन कम्ता जाया मडा अज़िय़। (य याह (कांधाकांत्र रउपित्क चिनिन स्योगी (एवं राप्रेशित र

রুখ্য মীতা বিদায় করি জনক রুজন मुक्तिलाद्य फिल व्याजा तथ्याना तन। হাতে ইনুকে আজিতেতে মুনির কোউয় ब्रह्र विलिय् उ उ किएक मञ्जू । थांउर होति नंत्रं उथन श्रांत स्तिग्रं ना ननाहर रिनुक डाशिया । अउक विलिल घपि म्नित (किंडिर्स मण्य थ वाजांव उभन मृत्य विला अस्य এক হাতে বিরিল রাম আর হাতে লক্ষ্য म्नित ठऱरलं निया फिल उउस्न। मूनि वरन एणेत्थ वैनि (जीत जत रिनक डोशिल (करा जनदक्त पदत । नकथा खनिया बलन (पवडां क्षेत्रां य जागि हाउ विविद्यों जिस्सिकि विन्क भोन এ कथा खनिया वलन उधन नेव खेव यि আग्रांक सगान कित्र शालि नरण्य नधा ।

আমিত পরশ্রাম বিদিত মহীতলে এমন জন আতে কে যে রাম নাম বিরে। न क्यां खनियां वर्लन रांघ नांवांयन पिंच क्यां क्र जूगि उनेमी वृश्याना এ কথা শ্রনিয়া বলেন ম্নির নন্দন न्यन कथी कर जूमि उनम्बी युक्ति। পৃথিবী নিঃফ্রি করিলাম তিন শতবার আমি পরশ্বরাম নাম মুনির কোউর। আ্যাস্মান করি থাইন প্তের যে নাম মাণায় কাটিয়া আজি করিব দৃষ্ট মান। न्यन कथा कर जूमि उनेमी द्वास्तन मग्रथ द्रांजांत उरव अज़िन जीवन। কাতর হইয়া বলেন অত্তের নন্দন কোর যে করিয়া বলেন ঠাকুর লহ্মণ পাত্ হইয়া কথা কহ মুনির নন্দন र अकत पिका नार्यां जि काहिए पूछ दुर्मा । अध्यक्त विलल यमि लक्क् व रिनुर्क्त् क्षिल उ ज्येत्राय स्तित (क्षित्र)

जीन रिन्क डांशिल (एणिल मर्क जन आंग्रांत रीम्टक तांग जूल (एउ छल। अटउक विलल यपि मुनित नम्मन সীতা দেবীর হইল তথান ন্যু যে বদন। अक रीन्क डांशिन (घ (एव शरांदिइत ठांति कना विडा रेकल ठांति मरश्रारत। আর্বার বিনুক্ত আনিল ভূও মুনি না জানি ছইবে মোর কতেক সভিনী। বিলুক মান ভ্ণেরাম দিল বড় দাপে यरत्उ यक्त (वर्धे। रिनृत्कत ठांटने। रिन्ट गान (एणिएंड एव इयुनारथ হাসিয়া বন্ক রাঘ বরে বাঘ হাতে। रीनु कर रिव्या द्रांग लक्का अटक रतन एक रिन् किल (यन नैंग्ड य द्वर क्रिल ! त्रभग वरलन खेनएत लक्काल विनुक्तरत এই विनूदक्त या हियां उ अख्यानि करत । রায় বলেন শুন ওছে মনির কোওর विनक यपि फिल्ल उत्त (प्रश्न अक भंत ।

स्वृति (प ज्येत्रीय क्वृति लोशिल त्रम्नारथंत श्राय जान नंत (योशोहन। (घर्ड उत्नारथंत उद्य नंत (घाँ भर्न আপনার তেতা রাঘ সকলে হ রল ৷ তাপনার তেতা তাশন লইলেন রাম (करल म्नित प्राच्य रहेल द्राञ्चल। वांग्र वालन खेन अरह म्हित्र नज्तन विनु एक एउन फिर किए मत् कांत्रन १ छायांत रिनृहरू यपि प्रेन पिएड नाति তোমার বিনুক ষালে তোমার ত্রে মারি 1 আয়ার বিনুকে यपि उन हि इ भार जाग्रत्। चिनुक वांत्न जाग्रांत उरस गात्। র্বাম বলেন শুন ছে লদ্মল বিনুর্ফরের बल रिनृटक धन विष्टे मडांत डिउरत । नम्बन यत्नन खन अरह (एव शर्मादेक বিনুক্তে ওল দেও সভার মুচ্ক তর ! এ कथा खनिया वाय इहेन को उरक सत् (नाडिश्रिया १३०) प्रिलिन तिन्दरः।

वन्क हेक्कांत्र शिया असिन शंशन माउरल वाम्हिक कांत्र महत्र (एकतेन । भाउरिल वास्त्रिक वरल एव व्यव्वीव বিনুক্ত চাবি ডোল মোর বুক্ত হয় দ্রে ৷ লদ্মণ বলেন শ্রন দেবতা প্রায়া বিনুক মান ভোল বাদুকি পাওক পরিক্রান এই कथा खनियां उ पित त्यूनां रथ इंमिय़ं पि विन्क भांन जिंदन वांग्र शंखा रांग वालन खेन अरह म्निव नम्त (डांग्रांदर ना ग्रांतिन वृक्तवद्वेद खांत्र । আমার কথা শুন সুমি ম্নির ওন্য তোমারে মারিলে মোর বুহাবর হয়। অব্যথ বাল আমার হইবে কেমন म्हरा निथ कि विका ने ने जान इतन। ঘে আজা করিয়া বলে ম্নির নদনে এঘাতৃহাত্ত করি ভূপ্ত করে নিবেদন। रिमा था किल्ल म्हर्ग भाग नाहि इग जान म्बर्शनेथ कन्न रहत (प्रव डर्शकांत्र व

न कथा अतिया उरव (एव त्युनाथ ड्खेत्रारम् पेड् (**प किल्ल म्हर्श**नेथा ঘোড়হাতে বলে আঘি হইলাম বুাহ্মৰ उनमा कित्रिं ग्रांन कित्न ग्रान। দশর্থ রাজার যে জ্ডাল পরাল তানিদ্ধিত হৈল রাজা অত্যের নন্দন। नूरा रिलग्ने र्या लझान रिकल रिलंदल नकर ठ्मा फिल वपन क्याल। রাজা বলেন শ্বন ওছে ঘশিঞ্চ বুক্তিন বাদ্য বাজধায় আর নাছি পুয়োজন। কতুদেশিলেতে পুভূ করিল জারেশহন पिरणेंद्र-उर्त मण्ड उग्रन खित्न श्राम १ जिष्ठाणुंद्या द्वांय फिल प्रवणात পুরাম করিল সভে ম্নির চরবে। ঘ্রনির পর্বী আইল প্রায় দেখিবারে व्रांग मीजा (एएए जांवा इविष जन्दा ! रिना। जननी देशंद्र रिना देशंद्र निज! ध्ययन छटलेत द्याय (उयन छटलेत मीडा ।

कार्राम्य यानित उरव पन्नी कर्रा র তীরেতে রাজা ওত্ত কি পিয়া জল পার হৈল ঘত লেকি ওল ्नारं उत्निवत्न पिल पर्नि ह रलाख उरनावन नम्हार करिंद्र ুনর জন্মছমি ওতারিল গিয়া ার জনাহুমি করিয়ে তাজা ृक्तंत् वरन शिधा फिल फड़ नना उक्ति उधन यन नेक्कां क विद्या ু গমার ভীষে ওতারিল গিয়া ঃ ा प्रस्थित कर जाउन मन .মর নিকটে গিয়া বাজায় বাজন। खिउ हिन (लाक क्लोमना। ठेक्द्रांनी ् प्रिया जानित्तन मक्न मजिनी १ িরার হাতেতে সোনার কন্ধন বিয়া প্রেবর দিল জলবারা দিয়া। চক্রী আইলেন হর্ষিত হৈয়া ध्यवद् चदद निल जनदीवा दिशा ह

अधिन्। जाहिरनन इति घउ हिया म्थरित्र गरद निन जनर्शिया पिया। इत्चिउ हिल दांजा जारजद न-जन রাজরানী ঘরে গিয়া করিল রকলে। এक जन कि ज़िल जांब नक्षण वासुन ভোজন করিতে বৈদে ঘত রাজাগাল। ভোজন क्रिल अञ्च नेत्र हित्स षि प्रक्रे पिन उरव (ड्रांजान्त्र (लेरघ । जाठ्यन कड़ियां रेतरम घउ दांजांगल कर्न् व उभ्यूल मिन कविएउ उपन। वित्राय इहेग्र (प्राप्त (क्रीन यन् ३१जानी जायादिमंद्य ब्रह्मित लड्यं, नंष्यंयून । ক্রতিবাদের কথা অমৃতদ্মান अउ प्रत् यात्र क्षि रेहल अयारित ।--

